हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क ढांचे का विकास बड़ी चुनौती-12

जन-धन खातों में 64,000 करोड़ की जमा के साथ शीर्ष पर उत्तर प्रदेश-12

पुतिन की ट्रंप को चेतावनी ईरान पर दोबारा हमला किया तो पूरी दुनिया भुगतेगी नतीजा-13

गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे स्पिनर : मुरलीधरन-14

आज का मौसम
34.0° अधिकतम तापमान
25.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.35
सूर्यास्त 06.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| मुरादाबाद |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
- लखनऊ
- बरेली
- कानपुर
- मुरादाबाद
- अयोध्या
- हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 10:52 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 1 मई 2026, वर्ष 7, अंक 28, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

काले कर्मों से राजमहल सजाने वाले कलंक : योगी

विशेष सत्र में महिला सशक्तीकरण पर योगी का विपक्ष पर वार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महिला सशक्तीकरण पर चर्चा के दौरान विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग "काले कर्मों से राजमहल सजाते हैं, वही इतिहास में कलंक बन जाते हैं" और महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बाधा डालकर विपक्ष ने यही भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्ताव को गिराकर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत अन्य दलों ने देश और महिलाओं की भावनाओं को आहत किया। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं, तब उन्हें केवल योजनाओं तक सीमित रखना उचित नहीं, बल्कि नीति-निर्धारण और कानून निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान में संसद में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश विधानसभा में 11-12 प्रतिशत है। ऐसे में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने से आधी आबादी को वास्तविक प्रतिनिधित्व मिलेगा और महिला मुद्दों पर प्रभावी निर्णय संभव हो सकेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ उन्हें आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्षम बनाना है। इसी उद्देश्य से सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन किया है और इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

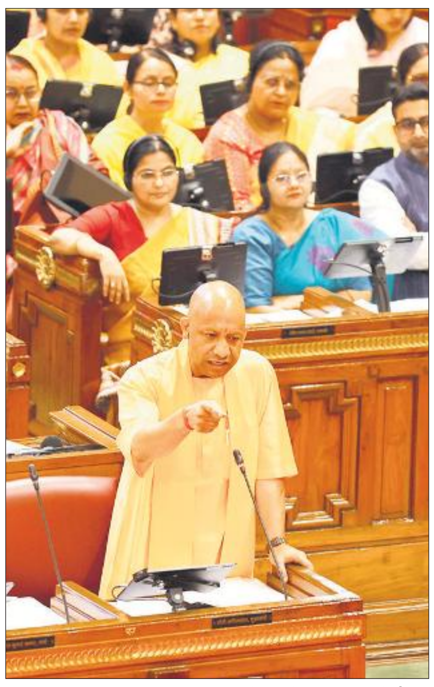

विधानसभा के विशेष सत्र में सदन को सम्बोधित करते योगी।

- सीएम बोले- महिलाओं को वेलफेयर नहीं, अब नीति-निर्धारण में भागीदारी

महिलाओं के श्राप से कांग्रेस की दुर्गति, अब सपा उसी राह पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं के साथ किए गए व्यवहार के कारण कांग्रेस की दुर्गति हुई और अब समाजवादी पार्टी भी उसी राह पर बढ़ रही है। उन्होंने सपा-कांग्रेस के आचरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो दल महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति संवेदनशील नहीं रहे, वे आज राजनीतिक मजबूरी में आरक्षण की बात कर रहे हैं।

सपा का आचरण देख गिरगिट भी शर्म से पानी-पानी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आप लोगों के आचरण को देखकर गिरगिट भी शर्म से पानी-पानी हो जाएगा। संसद में एक रंग और विधानसभा में दूसरा रंग। दिल्ली से लखनऊ पहुंचते ही आप रंग बदल लेते हैं। अब यहां आकर आप 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की बात कर रहे हैं, जबकि लोकसभा में इसका विरोध किया था। आपका चेहरा बोलने का कुछ और, और दिखाने का कुछ और है। अनावश्यक मुद्दे उठाकर नैरेटिव बदलने का प्रयास करते रहते हैं, लेकिन पूरा देश आपकी हरकतों को जानता है।

जन्मजात महिला-विरोधी हैं कांग्रेस और सपा

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल जन्मजात महिला-विरोधी हैं। उनकी रग-रग में नारी का अपमान भरा हुआ है। जब भी सपा को प्रदेश में सत्ता मिली, महिलाओं पर अत्याचार और क्रूर घटनाओं ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। हर व्यक्ति जानता है कि सपा सरकार के समय 'देख सफाई, बिटिया घबराई' जैसे स्लोगन बन गए थे। स्टेट गेस्ट हाउस कांड हो या अन्य महिला संबंधी अत्याचार, इनकी छवि जगजाहिर है।

दोनों सदनों से सपा-कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

- पिछड़े वर्गों के संवैधानिक आरक्षण का समर्थन, लेकिन मजहबी आधार पर विरोध करेगी भाजपा
- वेल में नारेबाजी, पोस्टर और टकराव के बीच दिनभर गरमाया रहा सदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र में गुरुवार को सियासत अपने चरम पर रही। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बुलाए गए इस एकदिवसीय सत्र में सत्ता पक्ष ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन के दलों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव दोनों सदनों से ध्वनिमत से पारित करा लिया। दिनभर चले सत्र में वेल में नारेबाजी, पोस्टर प्रदर्शन और तीखे आरोपों के बीच सदन का माहौल बार-बार गरमाता रहा।

सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा में हंगामे के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निंदा प्रस्ताव रखते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार ने महिलाओं को हर क्षेत्र में अवसर दिए हैं, लेकिन उन्हें जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व अभी नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पारित किया गया, लेकिन संसद में इसके क्रियान्वयन में कांग्रेस-सपा समेत इंडी गठबंधन के दलों ने बाधा उत्पन्न की, जिसकी यह सदन निंदा करता है। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। सपा विधायकों ने प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इसके जवाब में भाजपा की महिला विधायकों ने पैदल मार्च करते हुए विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की और तख्तियां लेकर सदन में पहुंचीं। हालात इतने तीखे हो गए कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना को अपने विधायकों को शांत कराना पड़ा, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को भी कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। अपने समापन वक्तव्य में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सामाजिक न्याय की पक्षधर है और अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़े वर्गों के संवैधानिक आरक्षण का समर्थन करती रही है, लेकिन मजहबी आधार पर आरक्षण का विरोध करती रहेगी।

लखनऊ :विधान भवन के सामने प्रदर्शन करतीं भाजपा महिला विंग की कार्यकर्ताएं। ● अमृत विचार

मौलवियों के सामने नाक रगड़ना सपा-कांग्रेस की प्रवृत्ति : योगी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी ने विधानमंडल का विशेष सत्र शुरू होने से पहले गुरुवार को प्रेसवार्ता में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'मौलवियों के सामने नाक रगड़ना' सपा-कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति रही है। इनका राजनीतिक चरित्र महिला विरोधी रहा है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संशोधन का विरोध कर विपक्ष ने एक बार फिर अपनी मानसिकता उजागर की है। इसी के विरोध में निंदा प्रस्ताव लाने और चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। सीएम ने शाहबानो प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी दलों का इतिहास महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड परीक्षा 2027 तक टली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वकालत के लिए अनिवार्य 'एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड' (एओआर) परीक्षा 2026 को निरस्त कर दिया गया है। अब यह परीक्षा अगले साल आयोजित की जाएगी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के परीक्षा सेल ने आधिकारिक नोटिस जारी कर यह जानकारी दी। रजिस्ट्रार और परीक्षा बोर्ड के सचिव द्वारा जारी आदेश के अनुसार, वर्तमान में एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड की कुल संख्या और उनकी कार्यक्षमता को देखते हुए इस साल परीक्षा न कराने का फैसला लिया गया है।

ब्रह्मोसः राजस्व 5200 करोड़ के पार

नई दिल्ली : रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। डीआरडीओ के अनुसार, ब्रह्मोस एयरोस्पेस का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 5,200 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। साथ ही, कंपनी को इसी अवधि में 4,000 करोड़ रुपये के दो बड़े निर्यात ऑर्डर भी मिले हैं।

आईसीएसई रिजल्टः छात्राओं का शानदार प्रदर्शन, 99% से अधिक विद्यार्थी सफल

एक नजर में परिणाम

परीक्षार्थी : 3,62,037
उत्तीर्ण (10वीं) : 2,56,590
उत्तीर्ण (12वीं) : 1,02,414

नई दिल्ली, अमृत विचार नेटवर्क

भारतीय स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद (CISCE) ने गुरुवार को कक्षा 10वीं (ICSE) और 12वीं (ISC) के वर्ष 2026 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस साल भी छात्राओं ने अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। आईसीएसई में 99.18% और आईएससी में 99.13% परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष परीक्षा में शामिल होने वाले कुल 3.6 लाख से अधिक विद्यार्थियों में से अधिकांश ने सफलता हासिल की है। 10वीं में 2,58,721 परीक्षार्थी बैठे थे, जिनमें से 2,56,590 उत्तीर्ण हुए। 12वीं में 1,03,316 परीक्षार्थियों में से 1,02,414 सफल रहे। दोनों ही बोर्ड परीक्षाओं में छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत छात्रों से अधिक रहा। 10वीं में 99.46% छात्राएं सफल रहीं, जबकि छात्रों का प्रतिशत 98.93 रहा। 12वीं में 99.48% छात्राओं ने सफलता पाई, जबकि छात्रों का प्रतिशत 98.81 रहा। इस वर्ष आईसीएसई की परीक्षा 67 विषयों में और आईएससी की परीक्षा 45 विषयों में आयोजित की गई थी। आईसीएसई में मात्र 2,131 छात्र अनुत्तीर्ण हुए, वहीं आईएससी में यह संख्या केवल 902 रही।

श्रेणीवार उत्तीर्ण प्रतिशत

श्रेणी	आईसीएसई (10वीं)	आईएससी (12वीं)
सामान्य	99.26%	99.17%
अन्य पिछड़ा वर्ग	99.24%	99.12%
अनुसूचित जाति	98.76%	98.77%
अनुसूचित जनजाति	98.07%	98.84%

ओजस्वित बने नेशनल टॉपर

कानपुर। शीलिंग हाउस स्कूल के छात्र के ओजस्वित पसरीचा ने आईएससी (बारहवीं) में सौ फीसदी अंक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर टॉप किया है। शहर के आजाद नगर निवासी ओजस्वित को इंग्लिश, कंप्यूटर, मैथ और कमेस्ट्री में सौ फीसदी अंक हासिल हुए हैं। ओजस्वित अब इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में दाखिले के लिए तैयारी कर रहे हैं।

सड़क किनारे चारपाई पर सो रहे पिता-पुत्री को कार ने रौंदा, मौत

संभल, अमृत विचारः जुनावई थाना क्षेत्र में मेरठ-बदायूं मार्ग पर मंगलवार देर रात तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर चारपाई पर सड़क किनारे सो रहे पिता और मासूम पुत्री को कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है।

तहसील गुन्नौर के थाना जुनावई क्षेत्र के गांव दुवारी कलां में सलीम (40) और उनकी आठ वर्षीया पुत्री अलशिफा रोज की तरह घर के बाहर चारपाई पर सो रहे थे। देर रात करीब 12:30 बजे बदायूं नंबर की एक तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे आ गई और घर के बाहर चारपाई पर सो रहे सलीम (40) और उनकी पुत्री अलशिफा को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारपाई के परखच्चे उड़ गए और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद भी कार नहीं रुकी और आगे जाकर बिजली के खंभे और एक ई-रिक्शा से टकरा गई। दुर्घटना के बाद चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। परिजन घायल पिता-पुत्री को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-रेप विक्टिम के अबॉर्शन पर टाइम लिमिट हटाएं

किसी पर अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता, वह बच्ची है... उसे मां मत बनाओ

नई दिल्ली, एजेंसी/ अमृत विचार ब्यूरो

एक 15 साल की बच्ची, जिसे इस वक्त स्कूल की बेंच पर होना चाहिए था, हम उसे मां बनने के लिए मजबूर करना चाहते हैं? उस बच्ची की पीड़ा और अपमान की कल्पना कीजिए, जो लोकलाज के डर से दो बार मौत को गले लगाने की कोशिश कर चुकी है।

उच्चतम न्यायालय ने यह झकझोर देने वाली टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार को कहा कि वह दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए गर्भपात कानून में व्यापक बदलाव करे। अदालत ने दोटूक कहा कि बलात्कार जैसी वीभत्स त्रासदी झेल चुकी पीड़िताओं पर 20 या 24 सप्ताह की समय सीमा के बाद भी अनचाहा गर्भ नहीं थोपा जा सकता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एम्स की उस पुनर्विचार याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें एक नाबालिग की 30 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने के अदालती आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए गहरा मानसिक आघात और असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ेगी।

अदालत का कड़ा रुखः 'डॉक्टर सेवा दें, शासक न बनें': सुनवाई के दौरान जब एम्स की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि 30 सप्ताह का भ्रूण अब 'जीवित जन्म' की स्थिति में है और इसे गोद दिया जा सकता है, तो अदालत ने इसे 'अमानवीय' करार दिया। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, "नागरिकों के जीवन के फैसले लेना अस्पताल का काम नहीं है।

प्रजनन स्वायत्तता को सर्वोच्च प्राथमिकता : अदालत ने दोहराया कि मां बनने वाली महिला की प्रजनन स्वायत्तता सर्वोपरि है। यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी जाती है, तो पीड़िता को जीवन भर के लिए मानसिक आघात और शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ेगी। एम्स को निर्देश दिया कि वे बच्ची के माता-पिता की काउंसलिंग करें, लेकिन यदि वे गर्भपात पर कायम रहते हैं, तो पूरी प्रक्रिया बिना किसी देरी के पूरी की जाए। अदालत ने याद दिलाया कि यह मामला साधारण नहीं है।

- दुष्कर्म पीड़िताओं के लिए कानून बदले केंद्र, समय सीमा की बेड़ियां खत्म हों: सुप्रीम कोर्ट

अदालत की बड़ी बातें

1. हम एक बच्ची पर मातृत्व थोपकर उसे उस उम्र में मां बनाना चाहते हैं जब उसे पढ़ाई करनी चाहिए।
2. सड़कों पर पहले से ही कई परित्यक्त बच्चे हैं, माफिया सक्रिय हैं। हम एक और अनचाहे जन्म के लिए किसी को मजबूर नहीं कर सकते।"
3. गर्भावस्था के हफ्ते बीत जाने के आधार पर अनुमति न देना 'शारीरिक स्वायत्तता के अधिकार' को निरर्थक बना देता है।"

क्या है वर्तमान गर्भपात कानून

गर्भपात कानून (MTP Act, 2021) के तहत 20 सप्ताह तक डॉक्टर की सलाह पर गर्भपात कराया जा सकता है। 20 से 24 सप्ताह तक विशेष श्रेणियों (जैसे दुष्कर्म पीड़िता, नाबालिग, दिव्यांग महिलाएं, या विधवा/तलाकशुदा) के लिए दो डॉक्टरों की अनुमति अनिवार्य है। 24 सप्ताह के बाद गर्भपात की अनुमति नहीं है। केवल तभी संभव है जब राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड भ्रूण में गंभीर विकृति की पुष्टि करे। यदि मामला दुष्कर्म का है और गर्भ 24 सप्ताह से अधिक का हो चुका है, तो वर्तमान कानून में स्पष्ट प्रावधान न होने के कारण पीड़िताओं को अक्सर हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।

कड़ा रूख | परमाणु ताकत हमारी राष्ट्रीय संपत्ति, खाड़ी में अमेरिका की जगह सिर्फ 'पानी की तह' में : अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई

ईरान की दो टूक ...परमाणु कार्यक्रम से समझौता नहीं करेंगे

दुबई, एजेंसी

ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई ने अमेरिका को सीधी सैन्य और रणनीतिक चुनौती देते हुए परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को ईरान की 'अमिट राष्ट्रीय पहचान' करार दिया है। गुरुवार को जारी एक कड़े लिखित बयान में उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी वैज्ञानिक और रक्षा संपत्तियों से रत्ती भर भी समझौता नहीं करेगा। खामेनेई ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि फारस की खाड़ी में अमेरिकियों के लिए कोई जगह नहीं है और यदि वे दखल देते हैं, तो उनकी जगह केवल 'समुद्र की गहराइयों' (पानी की तह) में होगी।

खामेनेई का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस रणनीति को बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसमें वे युद्धविराम को स्थायी बनाने के लिए ईरान पर अधिकतम दबाव डाल रहे हैं। खामेनेई ने गर्व के साथ कहा कि देश-विदेश में रहने वाले 9 करोड़ सम्मानित ईरानी, नैनो तकनीक और जैव प्रौद्योगिकी से लेकर परमाणु और मिसाइल क्षमताओं तक को अपनी राष्ट्रीय विरासत मानते हैं।

हथियार-स्तर का संवर्धनः अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के अनुसार, ईरान ने 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन सफलतापूर्वक कर लिया है, जो परमाणु हथियार बनाने के बेहद करीब है। संयुक्त राष्ट्र के परमाणु प्रमुख राफेल ग्रोसी के अनुसार, ईरान का अधिकांश उच्च संवर्धित यूरेनियम इस्फहान परमाणु परिसर के सुरक्षित बंकरों में है, जो हालिया हवाई हमलों के बावजूद सुरक्षित माना जा रहा है।

126 डॉलर के पार पहुंचा कच्चा तेल : युद्धविराम की कोशिशों के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे बड़ा फ्लैशपॉइंट बना हुआ है। अमेरिकी नौसेना ने ईरानी तेल टैंकरों की नाकेबंदी कर रखी है, जिसके जवाब में ईरान ने जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर कड़ा नियंत्रण कर लिया है। इस तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। दुनिया के तेल और गैस व्यापार का लगभग 20% इसी मार्ग से गुजरता है। आपूर्ति बाधित होने से अमेरिका और उसके खाड़ी सहयोगियों पर भारी आर्थिक दबाव बढ़ गया है।

अमेरिका मुक्त भविष्य का संकल्प

खामेनेई ने क्षेत्रीय देशों को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि फारस की खाड़ी का भविष्य अमेरिका के बिना लिखा जाएगा। उन्होंने कहा, "ईश्वर की मदद से हम एक ऐसा नया अध्याय शुरू कर रहे हैं, जो बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप से मुक्त होगा।" ईरान ने फिलहाल परमाणु वार्ता को टालने का प्रस्ताव दिया है, जबकि ट्रंप प्रशासन का रुख स्पष्ट है कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु शक्ति नहीं बनने देंगे।

वर्तमान स्थिति

युद्धविराम की स्थिति : पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुआ अस्थायी युद्धविराम फिलहाल बेहद नाजुक स्थिति में है।

आर्थिक मार : अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें 4 साल के रिकॉर्ड स्तर पर हैं।

ईरान की मांग : ईरान का कहना है कि वार्ता तभी होगी जब अमेरिका अपनी 'धमकी भरी' नाकेबंदी पूरी तरह हटाएगा।

न्यूज ब्रीफ

टीटीई ने यात्री का खोया मोबाइल लौटाया

मुरादाबाद, अमृत विचार: उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में टिकट चेकिंग स्टाफ की ईमानदारी का सराहनीय उदाहरण सामने आया है। टिकट परीक्षक ने ट्रेन में मिला एक यात्री का खोया मोबाइल फोन सुरक्षित वापस कर दिया। 29 अप्रैल को (अमृतसर–टाटानगर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस) ट्रेन के मुरादाबाद स्टेशन पहुंचने के बाद मुरादाबाद से लखनऊ के लिए ड्यूटी पर तैनात टीटीई रवि कुमार मीना टिकट जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें कोच एम–वन में एक मोबाइल फोन लावारिस अवस्था में मिला। जांच के बाद पता चला कि मोबाइल कोच एम–वन की बर्थ संख्या 77 पर यात्रा कर रहे यात्री सुरजीत (जालंधर शहर से शाहगंज) का है। टीटीई तत्परता दिखाते हुए मोबाइल को सुरक्षित रूप से उसके मालिक को लौटा दिया। मोबाइल वापस मिलने पर यात्री ने खुशी जताते हुए टीटीई और रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

आज से रुकेगी रामनगर-दिल्ली एक्सप्रेस

मुरादाबाद, अमृत विचार: रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 25036 रामनगर – दिल्ली एक्सप्रेस का एक मई को समय प्रात: 9:58–9:59 बजे तक और 25035 (दिल्ली–रामनगर एक्सप्रेस) का एक मई को समय रात्रि 20:33 से 20:34 बजे रामनगर एवं काशीपुर रेलखंड में पीरुमदारा स्टेशन पर अगले आदेश तक नियमित ठहराव रहेगा। यह जानकारी उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने दी।

बाजार जा रही महिला से छेड़छाड़

मुरादाबाद, अमृत विचार: कटघर क्षेत्र की रहने वाली एक महिला गुरुवार सुबह करीब साढ़े दस बजे बाजार जा रही थी। इसी दौरान भीड़भाड़ वाले इलाके में एक नकाबपोश युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ की। घटना के कुछ ही देर बाद इसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया गया। पीड़िता की तहरीर पर मुगलपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब वायरल वीडियो के फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है। एसपी सिटी कुमार रणविजय विजय ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की गई हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपी को पकड़कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेनों में लगाए जाएंगे अस्थायी अतिरिक्त स्लीपर कोच

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- गर्मी के दौरान सफर में सुविधा के लिए रेल प्रशासन ने उठाया कदम

अमृत विचार: गर्मी के दौरान सफर में रेल यात्रियों की सुविधा के लिए कई गाड़ियों में अस्थाई रूप से अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाने का निर्णय रेल मंडल प्रशासन ने लिया है।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि गाड़ी संख्या 04010 (दिल्ली - सीतामढ़ी) में सात मई को और गाड़ी संख्या 04009 (सीतामढ़ी-दिल्ली) में नौ मई को एक अतिरिक्त स्लीपर कोच अस्थाई रूप से लगाया जाएगा।

इसके साथ ही गाड़ी संख्या 14207 (मां बेहला देवी धाम प्रतापगढ़- दिल्ली) में नौ मई से 15 मई तक और गाड़ी संख्या 14208 (दिल्ली- मां बेहला देवी धाम प्रतापगढ़) में 12 से 18 मई तक एक अतिरिक्त स्लीपर कोच अस्थाई रूप से लगाया जाएगा।

जबकि गाड़ी संख्या 14205 (अयोध्या कैंट- दिल्ली) में 11 से 17 मई तक व गाड़ी संख्या 14206 (दिल्ली- अयोध्या कैंट) में 10 से 16 मई तक एक अतिरिक्त स्लीपर कोच अस्थाई रूप से लगाया जाएगा।

वहीं गाड़ी संख्या 22420 (आनंद विहार टर्मिनल- गाजीपुर सिटी) में नौ मई से 14 मई तक और गाड़ी संख्या 22419 (गाजीपुर सिटी- आनंद विहार टर्मिनल) में 10 से 15 मई तक अस्थाई रूप से एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाया जाएगा।

एसडीएम व तहसीलदार ने किला परिसर पहुंचकर कहा- अब नहीं दी जाएगी मोहलत

तीन दिन में सौंधन किला खाली करने का अल्टीमेटम

कार्यालय संवाददाता, संभल/सौंधन

अमृत विचार: संभल तहसील क्षेत्र के सौंधन में स्थित ऐतिहासिक किले को अतिक्रमण मुक्त कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। गुरुवार को एसडीएम निधि पटेल और तहसीलदार धीरेंद्र कुमार ने किले का स्थलीय निरीक्षण कर वहां रह रहे लोगों को तीन दिन के भीतर अतिक्रमण हटाकर किला खाली करने का अल्टीमेटम दिया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम व तहसीलदार ने पूरे किले परिसर का भ्रमण कर वहां निवास कर रहे लोगों से भूमि संबंधी जानकारी जुटाई। तहसीलदार ने हल्का लेखपाल नीरज सिंह को निर्देशित किया कि जिन

अतिक्रमण कारियों को चेतावनी देते एसडीएम व तहसीलदार। ● अमृत विचार

परिवारों के पास खुद की कोई भूमि नहीं है, उन्हें तीन दिन के भीतर प्लॉट आवंटित किए जाएं, ताकि उनका पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। वहीं जिन लोगों के पास पहले से भूमि या दूसरा मकान उपलब्ध है, उन्हें तय समय सीमा के भीतर स्वयं शिफ्ट होने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे लोगों को किसी प्रकार का वैकल्पिक प्लॉट नहीं दिया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में किला खाली नहीं किया गया तो जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए जाएंगे। इससे पहले भी प्रशासन इस दिशा में कार्रवाई कर चुका है। हाल ही में डीएम राजेन्द्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने किले का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम ने हल्का लेखपाल की मौजूदगी में जेसीबी से चार खाली मकानों को ध्वस्त किया था।

किला परिसर में 35 मकान जद में

प्रशासनिक जानकारी के अनुसार किले के अंदर करीब 35 मकान अतिक्रमण की जद में हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद किले में रह रहे लोगों में चिंता और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वहीं किले में वर्षों से रह रहे लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पहले उनके पुनर्वास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के अचानक मकान हटाए जाने से उनके सामने परिवार और सामान को सुरक्षित रखने की बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी।

प्राचीन कुंए का भी देखा हाल

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने किला परिसर में स्थित प्राचीन कुंए का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। प्रशासन का कहना है कि किले का सौंदर्यीकरण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अतिक्रमण हटने के बाद इसे एक भव्य पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़, बिना नवीनीकरण दौड़ रहे 234 वाहन

नवीनीकरण न करने पर आज से रद्द किया जाएगा वाहन का रजिस्ट्रेशन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- परिवहन विभाग ने पोर्टल पर स्कूली वाहनों का डेटा अपलोड किया तो हुआ खुलासा
- विभाग ने दिखाई सख्ती विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध कार्रवाई को दिए निर्देश

अमृत विचार: जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र, टैक्स, परमिट और फिटनेस जैसे अनिवार्य दस्तावेजों का नवीनीकरण कराए बिना 234 स्कूली वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इससे हजारों बच्चों की जान जोखिम में पड़ रही है।

गुरुवार को संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि खुलासा तब हुआ जब परिवहन विभाग ने पोर्टल पर स्कूली वाहनों का डेटा अपलोड किया। जांच में मिला कि बड़ी संख्या में वाहन निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं और समय सीमा समाप्त होने के बावजूद उनका नवीनीकरण नहीं कराया गया है।

इस लापरवाही ने विभागीय व्यवस्था के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवहन विभाग ने सभी स्कूलों को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेजों के तत्काल नवीनीकरण के निर्देश दिए हैं। नोटिस में 30 अप्रैल तक की अंतिम समय सीमा निर्धारित की गई थी। विभाग ने चेतावनी दी है कि जो वाहन इस अवधि तक नवीनीकरण नहीं कराएंगे, उनका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा।

इसके अलावा ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलते पाए जाने पर चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे और संबंधित स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी मान्यता रद्द की जा सकती है। सख्त रुख से स्कूल संचालकों में हड़कंप मच गया है।

अभिभावकों से ले रहे मोटी फीस

जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। स्कूल प्रबंधन पर आरोप है कि वे बच्चों की जान के साथ–साथ अभिभावकों के भरोसे से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। अभिभावक अपने बच्चों के सुरक्षित आवागमन के लिए स्कूल बसों पर आंख बंद कर भरोसा करते हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। संभागीय परिवहन विभाग के पोर्टल पर स्कूली वाहनों का डेटा अपलोड होने के बाद खुलासा हुआ है कि जिले में 234 स्कूली वाहन अनफिट हालत में संचालित हो रहे हैं। इस जानकारी के सामने आने के बाद अभिभावकों में चिंता का माहौल बन गया है। स्कूलों द्वारा नियुक्त ट्रांसपोर्ट इंचार्ज की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। वहीं यह स्थिति स्कूल प्रबंधन की अनदेखी या लापरवाही को भी दर्शाती है। बिना आवश्यक मानकों को पूरा किए इन वाहनों का संचालन बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

कई को सौंपी जिम्मेदारी

संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश सिंह ने 804 स्कूली वाहनों में से 234 अनफिट और कई बिंदुओं पर नवीनीकरण न करने वाले वाहनों के स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा विभाग के कई अधिकारी कर्मचारियों को इन वाहनों के संचालन पर रोक लगाने के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ स्थानीय पुलिस को भी कार्रवाई के दौरान साथ लिया जाएगा।

उत्तराखंड रोडवेज पर छह करोड़ रुपये टैक्स बकाया

मुरादाबाद, अमृत विचार: उत्तराखंड रोडवेज पर परिवहन विभाग का लगभग छह करोड़ रुपये का टैक्स बकाया होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों से उत्तरा खंड रोडवेज के 32 बसों की यह राशि जमा नहीं की गई है, जिससे चिंता बढ़ गई है।

संभागीय परिवहन विभाग द्वारा बकाया टैक्स की विस्तृत रिपोर्ट मंडलायुक्त को भेजी गई थी। रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए मंडलायुक्त ने उत्तराखंड रोडवेज प्रबंधन के लिए बकाया टैक्स का भुगतान कराने के लिए पत्र लिखा है। संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि लंबे समय से लंबित इस बकाया को लेकर कई बार ध्यान दिलाया गया, लेकिन अब तक भुगतान नहीं हो सका। ऐसे में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में भुगतान न होने पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। मंडलायुक्त ने अपने पत्र में कहा है कि टैक्स का भुगतान तत्काल कराने की बात कही। इस मामले का असर स्थानीय परिवहन सेवाओं पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

भाजपा जिला मंत्री बृजेश लोधी समेत नौ पर मुकदमा

संवाददाता, कुंदरकी

- शादी का झांसा, मारपीट और वीडियो बनाने के गंभीर आरोप

अमृत विचार: भाजपा के जिलामंत्री बृजेश लोधी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। एक युवती की तहरीर पर पुलिस ने बृजेश लोधी समेत नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सामने आते ही राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। पीड़िता का आरोप है कि बृजेश लोधी ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर कई वर्षों तक शादी का झांसा दिया और इस दौरान उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं, उससे गंदी वीडियो बनाने का भी आरोप लगाया गया है।

युवती का कहना है कि बाद में जब शादी से इनकार किया गया तो उसने पहले भी शिकायत की थी, लेकिन परिजनों और प्रधान पति के दबाव में उससे बृजेश के पक्ष में बयान करा दिए गए, जिसके बाद मामले में फाइनल रिपोर्ट लग गई। पीड़िता के मुताबिक, काफी समय बीतने के बावजूद शादी नहीं हुई। इसी बीच उसे जानकारी मिली कि बृजेश 19 फरवरी 2026 को दूसरी युवती से विवाह करने जा रहा है। इसके बाद वह सवाल करने उसके घर पहुंची। आरोप है कि उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट की गई और उसका बैग व मोबाइल छीन लिया।

बैग में 20 हजार रुपये नकद, कपड़े, जरूरी कागजात और सोने-चांदी के आभूषण थे। बताया गया कि घटना के बाद पीड़िता आरोपी के घर के बाहर धरने पर बैठ गई और कार्रवाई की मांग करने लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी है। एफआईआर में बृजेश कुमार, जितेश, दयाराम, सावित्री, रामवती, बबलू, रामगोपाल, सुनीता और गजेंद्र के नाम शामिल हैं। सभी आरोपी नानपुर और कुत्तों वाली मिलक, मुरादाबाद के रहने वाले हैं। पुलिस अब पूरे प्रकरण की बारीकी से जांच कर रही है।

उ. प्र ओलंपिक संघ ने खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

- राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में मुरादाबाद के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: लखनऊ के चौक स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता 2025-26 में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में मुरादाबाद के नो खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक हासिल किए गए।

प्रतियोगिता में राघव गुलाटी ने 11 वर्ष आयु वर्ग (45 किलो से अधिक भार वर्ग) में स्वर्ण पदक जीता। वहीं कर्मिष्ठा ज्ञानी (8 वर्ष, 25 किलो से कम), काव्या पाल (12 वर्ष, 35 किलो से कम) और आद्या कुमार पांडे (13 वर्ष, 60 किलो से कम) ने रजत पदक अपने नाम किए। अर्णव कुमार पथिक (12 वर्ष, 45 किलो से कम) ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके अलावा वाणी पांडे, शौर्य पाल, लविश नागर और रोज खान ने भी प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर अपना कौशल प्रदर्शित किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में सम्मानित कराटे प्रतियोगिता के खिलाड़ी।

मुरादाबाद लौटने पर उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ.अजय पाठक ने सभी खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान टीम के साथ आशय वर्मा और अमन कुमार टीम मैनेजर एवं कोच के रूप में मौजूद रहे। वहीं अवनी कुमार पांडे, सरिता पांडे, नीशु नागर और मीनाक्षी देवी ने भी खिलाड़ियों का सहयोग किया।

अस्पतालों के आईसीयू पर संकट भर्ती पर लग सकती है रोक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- नवीनीकरण कराने वाले अस्पतालों में आईसीयू मानकों की सख्त जांच
- सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मई में निरीक्षण

अमृत विचार: जिले के निजी अस्पतालों के लिए आने वाले दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। अस्पतालों के आईसीयू को लेकर सख्त मानक लागू किए जा रहे हैं, जिनका पालन न करने पर मरीजों की भर्ती पर रोक लग सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन अस्पतालों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है, उनके आईसीयू की जांच की जाएगी। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में की जा रही है।

इन मानकों में उपकरणों की उपलब्धता, प्रशिक्षित स्टाफ, बेड की संख्या, ऑक्सीजन सपोर्ट और संक्रमण नियंत्रण जैसे कई बिंदुओं को शामिल किया गया है। जिले में कई अस्पताल ऐसे हैं जहां आईसीयू की सुविधाएं केवल कागजों तक सीमित हैं या मानकों के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे अस्पतालों को या तो अपनी व्यवस्थाएं सुधारनी होंगी या फिर उन्हें आईसीयू सेवाएं बंद करनी पड़ सकती हैं। इससे गंभीर मरीजों की भर्ती पर सीधा असर पड़ेगा और अन्य अस्पतालों पर दबाव बढ़ सकता है। मई माह में अभियान चलाकर निरीक्षण करेगा। रिपोर्ट तैयार कर संबंधित के लाइसेंस नवीनीकरण पर निर्णय लिया जाएगा।

सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशपर आईसीयू के मानकों की जांच की जाएगी। जो अस्पताल निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करेंगे, उन्हें सुधार के निर्देश दिए जाएंगे। यदि इसके बाद भी मानक पूरे नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत, एक घायल

रामपुर, अमृत विचार: शाहबाद तहसील क्षेत्र के मदारपुर पुल के पास बुधवार रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में 18 वर्षीय उवैस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक उवैस।

जानकारी के अनुसार मदारपुर गांव निवासी उवैस (18) दोस्त के साथ बाइक से खेत पर तरबूज की पालेज पर जा रहा था। मदारपुर पुल के पास पहुंचते ही अज्ञात वाहन उनकी बाइक को टक्कर मार गया।

जिसके बाद लोगों की भारी भीड़ लग गई, आनन फानन में लोग उसे सीएससी ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उवैस की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अंतिम संस्कार कर दिया गया। वहीं घायल युवक का उपचार मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। दोस्त की हालत भी गंभीर बताई जा रही है।

ननद-भाभी की मौत के बाद घायल किशोरी ने भी तोड़ा दम

रामपुर, अमृत विचार: सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के भमरौआ मार्ग पर बुधवार को हुए सड़क हादसे में घायल किशोरी कुमोद (12) बरेली में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं हादसे में ननद–भाभी की मौत हो चुकी है, जबकि पांच लोग अभी भी गंभीर रूप से घायल है। सभी को मेरठ के लिए रेफर किया गया था। थाना शहजादनगर क्षेत्र के ग्राम पैगंबरपुर निवासी लज्जावती की पुत्रवधु बहु की कुछ दिन पहले डिलीवरी के दौरान मृत्यु हो गई थी, जिसकी अस्थियां गंगा में विसर्जित करके परिवार घर लौट रहा था। बुधवार सुबह 10:30 बजे भमरौआ गांव के निकट सड़क हादसे में लज्जावती (45) और उनकी भाभी बासनगली निवासी पूजा (32) की मौत हो गई थी। हादसे में एक बच्ची सहित 6 लोग घायल हो गए थे। इनमें घायलों में 12 वर्षीय कुमोद की गुरुवार को मौत हो गई, वो 8वीं कक्षा की छात्रा थी। किशोरी के शव का पोस्टमार्टम बरेली में ही हुआ है। हादसे में लज्जावती के बेटे सौरभ, सुभाष, सोनल, पूजा की बेटी भूरी, देवर की लड़की संतोष, भारती घायल हैं। वहीं गुरुवार को ननद–भाभी के शवों का पोस्टमार्टम हुआ, जिसके बाद दोनों शव गांव पैगंबरपुर पहुंचे तो गांव में गमगीन माहौल हो गया। सभी की जुबान पर दर्दनाक हादसे की चर्चा थी। दोपहर बाद दोनों के शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

मृतका पूजा।

मझोला व पाकबड़ा पुलिस ने तमंचे के साथ तीन पकड़े

कार्यालय संवादाता, पाकबड़ा

- पाकबड़ा पुलिस ने तमंचे के साथ दो छात्र को भेजा जेल

अमृत विचार: पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैध तमंचे के साथ दो छात्रों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनों आरोपी एक निजी विश्वविद्यालय के छात्र बताए जा रहे हैं और आपसी विवाद के चलते हथियार लेकर चल रहे थे।

पुलिस के अनुसार, जनपद अमरोहा के थाना अमरोहा देहात क्षेत्र निवासी निखिल चौहान एवं उसका साथी कुनाल चाहर निवासी ग्राम पोटा थाना छजलैट, को चेकिंग के दौरान पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से एक 315 बोर का तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया और उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका किसी से विवाद चल रहा था, जिसके चलते वे अपनी सुरक्षा के लिए अवैध शस्त्र लेकर चल रहे थे। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। अवैध शस्त्र के साथ मझोला पुलिस ने भी एक युवक को पकड़कर जेल भेजा है। थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक आरपी सिंह ने बताया कि देर रात चेकिंग के दौरान प्रीत विहार कॉलोनी निवासी धर्मपाल को शक के आधार पर रोक गया। जिसके बाद पकड़े गए युवक की तलाशी ली गई। इस दौरान उसके कब्जे से एक 315 बोर का अवैध तमंचा और एक कारतूस बरामद हुआ है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी को जिला कारागार भेजा गया है।

खोदी सड़कों की नहीं की मरम्मत, ठेकेदारों पर होगी रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मंडलायुक्त की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में सीएम डैशबोर्ड, कर-करेत्तर एवं राजस्व प्राप्तियों की मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बेसिक शिक्षा, गौ आश्रय स्थलों की व्यवस्था, जल जीवन मिशन, राजस्व वसूली और अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए।

गुरुवार को मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने बेसिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए मिड-डे मील में किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। विद्यालयों द्वारा किताबों की अनिवार्य खरीद और निर्धारित से अधिक शुल्क वसूली की शिकायतों की जांच कर कार्रवाई करने को कहा गया। साथ ही नामांकन, शिक्षक उपस्थिति और शिक्षण स्तर पर मासिक रिपोर्ट देने के

सीएम डैशबोर्ड बैठक में मौजूद कमिश्नर व मंडल भर के अधिकारी।

- किताबों की अनिवार्य खरीद व निर्धारित से अधिक शुल्क वसूली की शिकायतों पर करें कार्रवाई
- मंडलायुक्त की समीक्षा बैठक में शिक्षा, जल जीवन मिशन और राजस्व पर कड़े निर्देश

निर्देश दिए गए। गो आश्रय स्थलों की समीक्षा के दौरान रामपुर, बिजनौर और सम्भल की स्थिति पर चिंता जताई गई। सभी जिलाधिकारियों को निर्देश में गोशालाओं में हरे चारे की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और पशुओं को पौष्टिक आहार मिले। साथ ही नस्ल सुधार, बधियाकरण और गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर भी जोर दिया गया। वहीं

आगामी गर्मी को देखते हुए पशुओं को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए मंडल के सभी तालाबों को समय से भरवाने के निर्देश दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों और गोशालाओं से जुड़े जल स्रोतों को प्राथमिकता देने की बात कही है। जल जीवन मिशन के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत न कराने वाले ठेकेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। सभी जिलों को ए कैटेगरी में लाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। राजस्व वसूली और योजनाओं की प्रगति पर नाराजगी

बैठक में राजस्व वसूली की स्थिति पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीएम डैशबोर्ड पर कई योजनाओं की स्थिति कमजोर पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए गए।

मंडलायुक्त ने जनसुनवाई और आईजीआरएस शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, पेंशन योजनाओं के लंबित मामलों को जल्द निपटाने, मनरेगा कार्यों में सुधार, खाद्यान्न दुकानों के आवंटन में तेजी और गेहूं खरीद बढ़ाने के निर्देश दिए।

इसके अलावा विद्युत आपूर्ति में सुधार, ट्रांसफार्मर बदलने में तेजी, गड्ढामुक्त सड़कों का निर्माण और दुग्ध भुगतान व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में मंडल के सभी जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

काली माता मंदिर प्रकरण साधु परिवार की बैठक जल्द

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- गुरु परंपरा के आधार पर निर्णय लेने की तैयारी, वरिष्ठ संतों के मार्गदर्शन में होगी चर्चा

अमृत विचार: लालबाग स्थित सिद्धपीठ काली माता मंदिर से जुड़े विवाद के बीच साधु परिवार ने जल्द ही वरिष्ठ संतों की बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। इस बैठक में मंदिर की परंपरा, अधिकार और हालिया घटनाक्रम पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

महंत राम गिरि महाराज के अनुसार मंदिर का संबंध प्राचीन काल से नागा बाबा मिश्री गिरी जी महाराज के साधु परिवार से रहा है। परंपरा के अनुसार गुरु-शिष्य परंपरा और उत्तराधिकार नियमों के तहत ही महंत और प्रबंधकों का चयन होता रहा है। बताया कि मंदिर से जुड़े प्रमुख संतों में महंत ओंकारेश्वर गिरि जी महाराज (पूर्व सचिव), श्री कृष्णानंद गिरि महाराज, महंत गिरिजादत्त गिरी महाराज (पूर्व सभापति व पीठाधीश्वर, आशापुरा माता मंदिर, भुज) और महंत दत्त गिरि महाराज (महाराष्ट्र) शामिल रहे हैं।

उनका कहना है कि श्री पंच दश नाम जूना अखाड़ा, जो नागा संन्यासियों की संस्था है, गुरु परिवार के आंतरिक मामलों में सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकता। अखाड़ा केवल वरिष्ठ संतों की सहमति के आधार पर ही कोई निर्णय ले सकता है। बताया कि हाल में की गई कार्रवाई से असंतोष है। इसी को देखते हुए वरिष्ठ संतों की एक अहम बैठक बुलाई जा रही है। यह बैठक महामंडलेश्वर महंत कल्याण गिरी महाराज (पीठाधीश्वर, आशापुरा माता मंदिर, भुज), महंत आनंद भैरव गिरी महाराज (खड़गपुर) और महंत सुरेंद्र गिरी महाराज (खंडवा) के मार्गदर्शन में होगी।

आईसीएसई-आईएससी के परिणाम आते ही खिले चेहरे

रिजल्ट घोषित होने की सूचना मिलने के बाद मोबाइल फोन, लैपटॉप पर टिकी रहीं विद्यार्थियों की नजरें

- लोग एक-दूसरे से बच्चों के अंकों की जानकारी लेते नजर आए

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआईएससीई) द्वारा आईसीएसई (कक्षा 10) और आईएससी (कक्षा 12) का परीक्षा परिणाम जारी होते ही जिले में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। सुबह से ही परिणाम का इंतजार कर रहे छात्र-छात्राओं ने जैसे ही अपने अंक देखे, उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

रिजल्ट घोषित होते ही विद्यार्थियों की नजरें मोबाइल फोन, लैपटॉप और इंटरनेट पर टिकी रहीं। कई छात्र-छात्राएं अपने दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर परिणाम देखते नजर आए। अच्छे अंक आने पर कहीं खुशी के आंसू छलके तो कहीं तालियों और बधाइयों की गूंज सुनाई दी। टॉप करने वाले विद्यार्थियों के घरों में जश्न जैसा माहौल देखने को मिला। मिठाइयां बांटी गईं और परिजनों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। कई छात्र अपने स्कूल पहुंचकर शिक्षकों से मिले और अपनी सफलता का श्रेय उन्हें तथा अपने माता-पिता को दिया। स्कूल परिसरों में भी दिनभर हलचल बनी रही और विद्यार्थियों के चेहरे पर आत्मविश्वास साफ झलकता रहा।

रिजल्ट के दिन अभिभावकों के चेहरों पर गर्व और संतोष दिखाई दिया। लोग एक-दूसरे से बच्चों के अंकों और प्रदर्शन के बारे में जानकारी लेते नजर आए। वहीं जिन विद्यार्थियों का परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा, उन्हें शिक्षकों और अभिभावकों ने आगे बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। इस बीच, परिणाम देखने के दौरान कुछ विद्यार्थियों को वेबसाइट स्लो होने की समस्या का सामना करना पड़ा। अधिक ट्रैफिक के चलते कई बार साइट खुलने में समय लगा, जिससे छात्रों को बार-बार प्रयास करना पड़ा। शिक्षकों का कहना है कि इस बार विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जो उनकी मेहनत और नियमित अध्ययन का परिणाम है। अब छात्र-छात्राएं आगे की पढ़ाई और करियर को लेकर नई योजनाएं बनाने में जुट गए हैं।

महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में खुशी मनातीं छात्राएं। ● अमृत विचार

स्प्रिंगफील्ड कॉलेज में खुशी मनाते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

दसवीं के टॉपर्स

विद्यार्थी	अंक	वर्ग	विद्यालय
1 : पार्थ वर्मा	98 .40	विज्ञान संकाय	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
2 : फातिमा अबीरा	97 .2	वाणिज्य संकाय	टाइनी टॉट्स कॉलेज
3 : इरना खान	96 .60	वाणिज्य संकाय	विल्सोनिया कॉलेज
4 : फातिमा लबीबा	96 .2	वाणिज्य संकाय	टाइनी टॉट्स कॉलेज
5 : वरीयता यादव	96 .00	विज्ञान संकाय	टाइनी टॉट्स कॉलेज
5 : संस्कार शर्मा	96 .00	विज्ञान संकाय	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
6 : एना शाहवाज	95 .80	वाणिज्य संकाय	विल्सोनिया कॉलेज
7 : प्रतीक कुमार पाल	95 .60	विज्ञान संकाय	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
8 : मोहम्मद हम्माद	95 .40	विज्ञान संकाय	विल्सोनिया कॉलेज
9 : मोहम्मद अयान	95	विज्ञान संकाय	विल्सोनिया कॉलेज
9 : इफ्लाह नाज	95	विज्ञान संकाय	एडम एंड ईव्स स्कूल
10 : यश यादव	94 .4	विज्ञान संकाय	सेंट पाल्स कालेज

स्प्रिंग फील्ड्स कॉलेज
विज्ञान संकाय
पार्थ वर्मा 98 .40%
संस्कार शर्मा 96%
प्रतीक कुमार पाल 95 .60%
कॉमर्स संकाय
देवाशीष अग्रवाल 91 .80%
हानिया अली 90 .20%
माधव कत्याल 89 .20 %

टाइनी टॉट्स कॉलेज
वाणिज्य संकाय
फातिमा अबीरा 97 .2%
फातिमा लबीबा 96 .2%
ईशा रजा 91 .4 %
विज्ञान संकाय
वरीयता यादव 96%
अभिषेक बोरा 90%
मोहम्मद अफ्फान अहमद 87 .2%

विल्सोनिया कॉलेज
इरना खान 96 .60 वाणिज्य संकाय
एना शाहवाज 95 .80 वाणिज्य संकाय
माजिया जमाल 93 .80 वाणिज्य संकाय
विज्ञान संकाय
मोहम्मद हम्माद 95 .40 विज्ञान संकाय
मोहम्मद अयान 95 विज्ञान संकाय
अतूबा 92 .80 विज्ञान संकाय
मंशा नाजिम 93

महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल विज्ञान संकाय
अलमीजा जहान 88 .2%
फरदान अली 82 .4%
रुशदा आलम 80 .6%

वाणिज्य संकाय
मंशा नाजिम 93%
हुदा नूर 91 .6%
मुंतहा शहजाद 88 .4%

एडम एंड ईव्स स्कूल
इफ्लाह नाज 95%
हुदा रहमान शम्शी 87 .2%
नौसीन इस्लाम 85 .6 %

सेंट पॉल्स कॉलेज
विज्ञान संकाय
यश यादव 94 .4%
सुबोध कुमार 86 .2%
इफ्फत मसरूर 81 .8%
वाणिज्य संकाय
अगना अंसारी 93%
ईशा चौधरी 81 .2%
अजमल खान 67 .4%

जीके वेल्हम कॉलेज
विज्ञान संकाय
रोहित सैनी 92 .8%
समक्ष सक्सेना 92 .2%
उपेंद्र सिंह 88 .2%
वाणिज्य संकाय
चहक बजाज 93 .8%
अनन्या वर्मा 91 .4%
साक्षी तोमर 87 .8%
केके पब्लिक स्कूल
काव्या सिंह 90%
दीपिका 85%
स्वर्णिम मुदगल 84%
दक्ष गुप्ता 80%
रितिका 75%
प्रखर मालवीय 75%

रिजल्ट के बाद के के पब्लिक स्कूल में खुशी मनाते छात्र- छात्राएं। ● अमृत विचार

जीके वैलम स्कूल में विक्ट्री निशाना बनातीं छात्राएं। ● अमृत विचार

एडम ईव्ज में परिणाम आने के बाद प्रसन्नचित्त मुद्रा में सफल विद्यार्थी। ● अमृत विचार

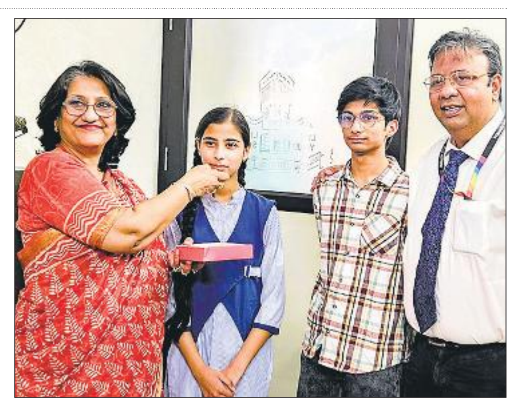
विल्सोनिया कॉलेज में टॉपर छात्र को मिठाई खिलातीं प्रधानाचार्य।

10वीं में पार्थ वर्मा, 12वीं में अर्जित सिंह प्रथम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

पार्थ वर्मा।

अर्जित सिंह।

अमृत विचार : गुरुवार को काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) द्वारा 10वीं और 12वीं कक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। परिणाम जारी होते ही छात्र-छात्राओं और अभिभावकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

जिले में इस बार भी स्प्रिंगफील्ड कॉलेज के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम रखा। स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज के 12वीं के टॉप टेन में नौ और दसवीं के टॉपर्स में तीन छात्रों ने स्थान बनाया। 12वीं के टॉप टेन में 13 और दसवीं की लिस्ट में 12 छात्रों ने स्थान प्राप्त किया है।

हाईस्कूल (10वीं) में स्प्रिंगफील्ड कॉलेज के छात्र पार्थ वर्मा ने 98.40 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं इंटरमीडिएट (12वीं) में इसी विद्यालय के अर्जित सिंह ने 98.25 प्रतिशत अंक अर्जित कर टॉप किया। दोनों ही छात्रों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में छात्रों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सफल छात्रों को शिक्षकों और अभिभावकों ने मिठाई खिलाकर बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने भी मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

- स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज का दबदबा

विद्यालय की प्रधानाचार्य स्वाति शर्मा ने छात्रों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम छात्रों की मेहनत और शिक्षकों की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। जिले के अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे समग्र परिणाम संतोषजनक रहा।

इंटरमीडिएट के टॉपर्स

विद्यार्थी	फीसदी	वर्ग	विद्यालय
1 : अर्जित सिंह	98 .4	विज्ञान वर्ग	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
2 : पीयूष सिंह	96 .25	विज्ञान वर्ग	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
2 : राजदीप सिंह	96 .25	विज्ञान वर्ग	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
3 : कार्तिकेय गुप्ता	95 .75	वाणिज्य	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
4 : सुगरा खान	95 .25	वाणिज्य	टाइनी टॉट्स कॉलेज
5 : शैलेंद्र प्रताप सिंह	95 .025	विज्ञान वर्ग	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
6 : मोहम्मद साद	95 .00	वाणिज्य	विल्सोनिया कॉलेज
7 : मोहम्मद अरताश	94 .75	विज्ञान वर्ग	विल्सोनिया कॉलेज
8 : आयुष कुमार	94 .50	विज्ञान वर्ग	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
8 : हिताक्षी	94 .50	विज्ञान वर्ग	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
9 : ओम वाष् र्णेय	94 .25	विज्ञान वर्ग	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
10 : आदित्य वत्स	94 .00	विज्ञान वर्ग	स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
10 : आशीष खन्ना	94 .00	वाणिज्य वर्ग	विल्सोनिया कॉलेज

स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज
वाणिज्य संकाय

छात्र का नाम	फीसदी
कार्तिकेय गुप्ता	95 .75%
मनु शुक्ला	92 .75 %
आयुष कुमार	92 .25 %
ब्रह्मदीप सिंह	92 .25%

टाइनी टॉट्स कॉलेज
वाणिज्य संकाय
सुगरा खान 95 .25%
अलीजा जावेद 92 .75%
आफरीन इल्मा 92 .25%
विज्ञान संकाय
तरुण कुमार 90%
वर्षा गोस्वामी 88 .5%
खुशी कुमारी 86 .5%

जीके वेल्हम कॉलेज
विज्ञान संकाय
1- भूमि सिंह 88 .75% 2- जतिन सिंह चौहान 85% 3- आर्यन 84%
वाणिज्य संकाय
1- खुशी 89 .25% 2- अनुष्का 84%
3-कृष्णा कक्कर 77 .75%
केके पब्लिक स्कूल
1- आयुष चौहान 82 .34%
2- राहुल यादव 80 .56%
3- हिमांशु 79 .23 %

विल्सोनिया कॉलेज
वाणिज्य संकाय
मोहम्मद साद 95 %
मोहम्मद अरताश 94 .75
विज्ञान संकाय
आशीष खन्ना 94 %
तनिष्क चावला 91 .75 %

महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल विज्ञान संकाय
समीक्षा सक्सेना 90 .00%
सिमरन रस्तोगी 86 .50%
समृद्धि यादव 82 .50%
कॉमर्स संकाय
रुसदा तसलीम 92 .50%
एना जबी 89 .75%
लक्ष्मी जोशी 88%

सेंट पॉल्स कॉलेज
विज्ञान संकाय
नुरीना अनवर 92 .5%
शहर उमर अली 90 .5%
स्तुति मैसी 88 .25%
वाणिज्य संकाय
इफ्फत अख्तर 88 .75%
आरजू अमीन 86%
आलिया सिद्दीकी 85 .75%

टॉपर्स को डीआईओएस ने किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

सम्मानित करने के बाद कार्यालय पर बच्चों के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: 10 वीं व 12 वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में टॉप टेन की लिस्ट आने वाले छात्र छात्राओं को जिला विद्यालय निरीक्षक ने अपने कार्यालय पर बुलाकर सम्मानित किया। पहली बार जिला विद्यालय निरीक्षक ने टॉप करने वाले बच्चों को सम्मानित किया है।

टॉपर 21 छात्र -छात्राओं को जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडे अपने कार्यालय बुलाया। जहां सभी टॉपर को मिठाई खिलाई गई गई। इसके टॉपर को फूलमाला पहनाकर शील्ड देकर सम्मानित किया गया। 10 वीं के पार्थ वर्मा ,विज्ञान संकाय स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज,फातिमा अबीरा वाणिज्य संकाय टाइनी टॉट्स कॉलेज,इरना खान वाणिज्य संकाय विल्सोनिया कॉलेज,फातिमा लबीबा वाणिज्य संकाय टाइनी टॉट्स कॉलेज,वरीयता यादव विज्ञान संकाय टाइनी टॉट्स कॉलेज,संस्कार शर्मा विज्ञान संकाय स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज,एना शाहवाज वाणिज्य संकाय विल्सोनिया कॉलेज,प्रतीक कुमार पाल विज्ञान संकाय स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज,मोहम्मद हम्माद,विज्ञान संकाय विल्सोनिया कॉलेज

मोहम्मद अयान विज्ञान संकाय विल्सोनिया कॉलेज, इफ्लाह नाज एडम एंड ईव्ज स्कूल यश यादव विज्ञान संकाय सेंट पाल्स कालेज रहे। वहीं कक्षा 12 टॉपर में अर्जित सिंह विज्ञान वर्ग स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज,पीयूष सिंह विज्ञान वर्ग स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज,राजदीप सिंह विज्ञान वर्ग स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज,कार्तिकेय गुप्ता वाणिज्य स्प्रिंग फील्ड्स कॉलेज, सुगरा खान वाणिज्य टाइनी टॉट्स कॉलेज, शैलेंद्र प्रताप सिंह विज्ञान वर्ग स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज,मोहम्मद साद वाणिज्य विल्सोनिया कॉलेज, मोहम्मद अरताश, विज्ञान वर्ग विल्सोनिया कॉलेज,आयुष कुमार विज्ञान वर्ग स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज, हिताक्षी विज्ञान वर्ग स्प्रिंग फील्ड्स कॉलेज, ओम वाष्र्णेय विज्ञान वर्ग स्प्रिंग फील्ड्स कॉलेज,आदित्य वत्स विज्ञान वर्ग स्प्रिंग फील्ड्स कॉलेज, आशीष खन्ना वाणिज्य वर्ग विल्सोनिया कॉलेज को सम्मानित किया गया।

एना शाहवाज

मोहम्मद अयान

शैलेंद्र प्रताप सिंह

आदित्य वत्स

विल्सोनिया कॉलेज में खुशी मनाते छात्र छात्राएं। ● अमृत विचार

समाज में प्रत्येक व्यक्ति का होना चाहिए सम्मान

मुरादाबाद, अमृत विचार : किड्जी प्ले स्कूल कांशीराम नगर में गुरुवार को विशेष आयोजन हुआ। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने प्रिय आंटी व अंकल के प्रति स्नेह प्रकट करते हुए उन्हें उपहार, मिठाई व वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा एक लघु नाटक की भी प्रस्तुति दी गई, जिसमें संदेश दिया कि किसी भी कार्य की सफलता में सभी वर्गों का योगदान महत्वपूर्ण होता है और समाज में प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान होना चाहिए। प्रबंधक सोना गुप्ता सभी कर्मचारियों का माल्यार्पण कर उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अर्चना सिंह, रजनी डौंडियाल, करिश्मा गुप्ता, अदिति राघव, तनु गिल, पायल कोहली, पवन चौधरी, तानिया मित्तल, आकांक्षा गुप्ता, स्नेहा, पूजा शंकर एवं जैंसी मैसी का विशेष योगदान रहा।

नियमित पढ़ाई और समय प्रबंधन को सफलता का मूल मंत्र बताया

पार्थ वर्मा (10वीं, 98 .40 प्रतिशत अंक)– स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज

पार्थ वर्मा ने जिले में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी मेहनत का परचम लहराया। बातचीत में उन्होंने नियमित पढ़ाई और समय प्रबंधन को अपनी सफलता का मूल मंत्र बताया। कहा कि मैं रोजाना छह-सात घंटे पढ़ाई करता था और हर विषय को बराबर समय देता था। पार्थ ने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित किया। उनके अनुसार, कठिन विषयों को बार-बार दोहराने और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र हल करने से काफी मदद मिली। वह आगे चलकर इंजीनियर बनना चाहते हैं। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने माता-पिता और शिक्षकों को दिया, जिनके मार्गदर्शन ने उन्हें निरंतर प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती इसके लिए लगातार प्रयत्सशील व एकाग्र रहना चाहिए।

फातिमा अबीरा (10वीं, 97 .20 प्रतिशत अंक) – टाइनी टाट्स कॉलेज

– फातिमा अबीरा ने जिले में दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के साथ संतुलन बनाए रखना उनके लिए सबसे अहम रहा। कहा कि कभी पढ़ाई को बोझ नहीं समझा, बल्कि इसे सीखने का अवसर माना। वह रोजाना एक टाइम-टेबल बनाकर पढ़ती थीं और हर विषय के नोट्स खुद तैयार करती थीं। फातिमा का मानना है कि आत्मविश्वास और निरंतर अभ्यास सफलता की कुंजी है। भविष्य में देश की अच्छी नागरिक बनकर समाज की सेवा करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार और शिक्षकों को दिया

इरना खान (10वीं, 96 .60 प्रतिशत अंक) – विल्सोनिया कॉलेज

– इरना खान ने तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। उन्होंने अपनी सफलता के पीछे अनुशासन और निरंतर अभ्यास को मुख्य कारण बताया। बताया कि रोजाना छोटे-छोटे लक्ष्य बनाए और उन्हें पूरा करने की कोशिश की। उन्होंने कठिन विषयों पर विशेष ध्यान दिया और शिक्षकों से समय-समय पर मार्गदर्शन लिया। इरना का कहना है कि सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। वह आगे चलकर सिविल सेवा में जाना चाहती हैं। उन्होंने अपने माता-पिता और शिक्षकों के समर्थन को अपनी सफलता का सबसे बड़ा आधार बताया।

अर्जित सिंह (12वीं, 98 .25 प्रतिशत अंक) – स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज

– अर्जित सिंह ने 12वीं में जिले में पहला स्थान हासिल कर शानदार उपलब्धि दर्ज की। उन्होंने बताया कि उनकी सफलता का राज नियमित अध्ययन और स्पष्ट लक्ष्य रहा। कहा कि हर विषय को समझकर पढ़ने की कोशिश की, रटने से बचा। वह रोजाना सात-आठ घंटे पढ़ाई करते थे और समय-समय पर रिवीजन करते रहे। उनका मानना है कि कठिन विषयों से डरने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। वह सिविल सेवा में करियर बनाना चाहते हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल के सकारात्मक माहौल को दिया। कहा कि सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। साथ ही मां पापा, शिक्षकों और ईश्वर का आशीर्वाद बेहद जरूरी है।

कार्तिकेय गुप्ता (12वीं, 95 .75%) – स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज

कार्तिकेय गुप्ता ने 12वीं में तीसरा स्थान हासिल कर जिले में अपनी पहचान बनाई है। बताया कि उन्होंने शुरुआत से ही पढ़ाई को लेकर स्पष्ट रणनीति बनाई थी। हर विषय को समय देकर पढ़ाई की और नियमित रूप से रिवीजन करता रहा। उनका मानना है कि कठिन टॉपिक्स से बचने के बजाय उन्हें समझने पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास भी किया, जिससे परीक्षा में काफी मदद मिली। लगातार खुद के पढ़े हुए को कंठस्थ्ज्ञ किया। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल के अनुशासित माहौल को दिया।

पीयूष सिंह (12वीं, 96 .25 प्रतिशत अंक) – स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज

पीयूष सिंह ने जिले में दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी मेहनत का शानदार परिणाम पाया। उन्होंने बताया कि निरंतर अभ्यास और सही रणनीति उनकी सफलता की कुंजी रही। हर विषय के लिए अलग योजना बनाई और उसी के अनुसार तैयारी की। उन्होंने नियमित टेस्ट देकर अपनी कमजोरियों को पहचाना और उन्हें सुधारने पर ध्यान दिया। पीयूष का लक्ष्य आगे चलकर प्रशासनिक सेवा में जाना है। उन्होंने कहा कि परिवार और शिक्षकों का सहयोग उन्हें हमेशा प्रेरित करता रहा। उनका मानना है कि मेहनत और आत्मविश्वास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

राजदीप (12वीं, 96 .25 प्रतिशत अंक) – स्प्रिंगफील्ड्स कॉलेज

राजदीप ने भी 12वीं में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उन्होंने बताया कि पढ़ाई के साथ धैर्य बनाए रखना बेहद जरूरी है। कभी जल्दबाजी नहीं की, बल्कि हर विषय को धीरे-धीरे समझा। राजदीप ने नियमित रूप से रिवीजन किया और शिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाया। उनका मानना है कि सकारात्मक सोच और निरंतर मेहनत से सफलता जरूर मिलती है। वह आगे चलकर बिजनेस मैनेजमेंट के क्षेत्र में जाना चाहते हैं। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों के समर्थन को दिया।

यश यादव

फातिमा लबीबा

वरीयता यादव

आशीष खन्ना

ओम वाष् र्णेय

आयुष कुमार

मोहम्मद अरताश

हिताक्षी

मोहम्मद साद

मोहम्मद हम्माद

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

बाइक की टक्कर से युवक की मौत, हाईवे किया जाम

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने किया हंगामा, पुलिस ने समझाया

- काशीपुर रोड पर समाधि मंदिर के पास हुआ था हादसा
- चालक हादसे के बाद वाहन छोड़कर भागा

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

ठाकुरद्वारा में हादसे में युवक की मौत के विरोध में जाम लगाते परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : काशीपुर रोड स्थित समाधि मंदिर के पास बुधवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद आरोपी बाइक चालक मौके से फरार हो गया। आरोपी की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित परिजनों ने गुरुवार को नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात प्रभावित हो गया।

नगर के मोहल्ला जाटवान, वार्ड नंबर 01 निवासी विजय सिंह का पुत्र शिव कुमार उर्फ गोलू अपनी मां अनीता के साथ दावत से बुधवार की देर रात घर लौट रहा था। जैसे ही दोनों सड़क पार कर रहे थे, तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही स्प्लेंडर प्लस बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक सलीम सैफी मौके से फरार हो गया। परिजन घायलों को पहले काशीपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से मना करने पर उन्हें मुरादाबाद के कॉसमॉस अस्पताल रेफर किया गया।

वहां उपचार के दौरान देर रात शिव कुमार की मौत हो गई, जबकि अनीता का इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना पर पुलिस क्षेत्र अधिकारी आशीष प्रताप सिंह कोतवाल प्रभारी मनोज परमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे । पुलिस ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। इसी बीच पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद परिजन शांत हो गए और जाम खोल दिया गया।

इसके बाद यातायात सुचारू रूप से बहाल हो सका। पुलिस ने मृतक के सबको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं, कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी सलीम सैफी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ट्रेन से कटकर युवा अधिवक्ता की संदिग्ध हालात में हुई मौत

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार: क्षेत्र के गांव भूड़ मरेशी निवासी युवा अधिवक्ता की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। अधिवक्ता की मौत के बाद परिवार में सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। तहसील पर सूचना मिलने पर अधिवक्ताओं ने 2 मिनट का मौन भी धारण किया और मृतक की आत्मा की शांति की कामना की।

मृतक सुमित शर्मा।

गांव भूड़मरेसी निवासी अधिवक्ता राम प्रकाश शर्मा मुरादाबाद में प्रैक्टिस किया करते है। उनके चार बेटों में छोटा बेटा 30 वर्षीय सुमित कुमार शर्मा बिलारी तहसील में अधिवक्ता बतौर प्रैक्टिस किया करता था। पिछले कुछ माह पूर्व उसका एक्सीडेंट हुआ। जिसमें उसके गंभीर चोटे आई। सवेरे 11:30 बजे वह किसी काम से भूड़ मरेसी स्थित रेलवे ट्रैक पर गया था। इसी बीच वहां से गुजर रही एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। उसकी मौत की सूचना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। भारी तादात में लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार में पत्नी प्रीति के अलावा दो बच्चे एक लड़का व लड़की भी है। सूचना के बाद मृतक के ससुराल पक्ष के लोग थाना बहजोई के गांव राजपुर से बिलारी पहुंचे। वहीं तहसील पर शोक सभा का आयोजन भी हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष विनय कुमार सिंह, सचिव सुनील कुमार सिंह, आफाक हुसैन, उपेंद्र यादव, कमाल अकबर, नवाब हुसैन, अनवार हुसैन ,मोहम्मद कामिल, विक्रांत कुमार,चौधरी अजय पाल सिंह, चौधरी विजयवीर सिंह, परमजीत सिंह के अलावा भारी तादाद में अधिवक्ता मौजूद रहे।

खेत पर गए किसान की नहर में गिरकर मौत

ठाकुरद्वारा: कोतवाली क्षेत्र के गांव मलपुरा लक्ष्मीपुर में खेत पर गए एक किसान की नहर में गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। काफी तलाश के बाद करीब 10 घंटे बाद उसका शव नहर में तैरता मिला। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

गांव निवासी 50 वर्षीय जाहिद पुत्र वन्दू बुधवार सुबह करीब 8 बजे घर से खेत जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन दोपहर तक वापस नहीं लौटे। इस पर चिंतित परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। परिजन उस खेत तक भी पहुंचे, जहां जाहिद के जाने की बात कही गई थी, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। जाहिद का खेत कमलापुरी रजवाहे की बड़ी नहर के पार स्थित है, जहां पहुंचने के लिए नहर पर बनी झाल के सहारे गुजरना पड़ता है। इन दिनों नहर में पानी अधिक मात्रा में छोड़ा जा रहा है, जिससे पार करना जोखिम भरा हो गया है। शाम करीब 6 बजे परिजन फिर से तलाश में जुटे तो नहर में जाहिद का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए। परिजनों का अनुमान है कि नहर पार करते समय संतुलन बिगड़ने से जाहिद पानी में गिर गए और तेज बहाव में बहकर नीचे जाकर चोट लगने से उनकी मौत हो गई।

हल्दी कार्यक्रम से लौट रही मासूम से दुष्कर्म

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में घर के बराबर में ही हल्दी की रस्म में भाग लेकर लौट रही 6 साल की मासूम के साथ पड़ोसी युवक ने उसे दबोच लिया और एकांत में ले जाकर दुष्कर्म किया। विरोध पर बुरी तरह से पीटा, बेहोशी की हालत में उसे छोड़कर भाग गया। आसपास तलाश करने पर मासूम बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। जब उसकी मां से शिकायत की तो उसने भी धमकाया। तहरीर के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

क्षेत्र के एक गांव में 28 अप्रैल को हल्दी मेहंदी का कार्यक्रम था। शाम 8 बजे के वक्त 6 साल की बच्ची भी हल्दी मेहंदी के कार्यक्रम में गई। वहां से वापस अपने घर रात 10:30 बजे लौट रही थी। तभी गांव के फरमान उर्फ पुत्र यासीन ने 6 साल की मासूम को पकड़ लिया और एकांत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म कर घायल कर दिया। काफी समय बीतने के बाद जब वह घर नहीं पहुंची तो मासूम को ढूंढा गया। बदहवास हालत में साप्ताहिक बाजार में खड़ी एक ट्रैक्टर ट्राली में मासूम बेहोशी की हालत में पड़ी हुई थी। घर पर उसे उठाकर लाया गया। कुछ समय बाद होश में आई तो उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी, जब शिकायत करने आरोपी युवक के घर गए तो उसकी मां हमसीरन ने भी परिवार को धमकाया। इस मामले में तहरीर के बाद पुलिस ने आरोपी युवक और उसकी मां पर मुकदमा दर्ज कर लिया।

खेत में गंदा पानी भरने से फसल बर्बाद, शिकायत

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम मल्हपुरा लक्ष्मीपुर के एक किसान ने खेत में गंदा पानी भरने की समस्या को लेकर एसडीएम से शिकायत की है। पीड़ित का आरोप है कि आबादी क्षेत्र का गंदा पानी लगातार उसके खेत में छोड़ा जा रहा है, जिससे उसकी फसलें बर्बाद हो रही हैं। ग्राम मल्हपुरा लक्ष्मीपुर निवासी असरार हुसैन का चक संख्या 312 व 314 स्थित है, जो आबादी के पास पड़ता है। आरोप है कि गांव के घरों का गंदा पानी रोजाना उसके खेत में बहा दिया जाता है, जिससे हर फसल में भारी नुकसान हो रहा है। किसान ने बताया कि उसकी करीब 5 बीघा जमीन में बोई गई फसल भी पानी भरने के कारण नष्ट हो चुकी है।

पंखे पर फंदा लगाकर युवती ने की आत्महत्या

संवाददाता, भगतपुर

- भगतपुर थाना क्षेत्र के बढ़पुरा मझरा कुरी में पहुंची पुलिस

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम बढ़पुरा मझरा कुरी में एक युवती ने पंखे पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचायतनामे के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। सूचना पाकर विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम भी मौके पर पहुंची।

बुधवार की देर शाम नन्हे सिंह अपने परिजनों के साथ किसी काम से घर पर बाहर गए थे। घर पर उनकी पुत्री ओम भारती 26 वर्ष व उनकी पत्नी मौजूद थी। काफी देर तक ओम भारती के घर में नजर ना आने पर उसकी मां को चिंता हुई जिसके बाद उन्होंने घर के अंदर जाकर देखा तो एक कमरा बंद था कमरा खोलने पर उन्होंने देखा कि कमरे में लगे पंखे पर लगाए गए फंदे पर ओम भारती लटकी हुई थी। इसके बाद उन्होंने शोर मचा कर परिजनों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों में फंदे को काटा व ओम भारती को उत्तराखंड के काशीपुर स्थित एक अस्पताल में ले गए जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर भगतपुर पुलिस मौके पर पहुंची व परिजनों से जानकारी की। इसके बाद विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम भी मौके पर पहुंची व साक्ष्य एकत्र किए। युवती द्वारा आत्महत्या करने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। वह चार भाई बहनों में दूसरे नंबर की थी एवं सरकारी नौकरी हेतु परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। इस संबंध में थाना प्रभारी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि शव को पंचायतनामे के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पत्नी को ना बुलाने पर युवक फंदे पर झूला, मौत

डिलारी, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव महमूदपुर लाल में पत्नी को ना बुलाने पर युवकने नाराज होकर आत्मघाती कदम उठा लिया गले में फंदा डालकर झूल गया जिससे युवक की मृत्यु हो गई। गांव निवासी 22 वर्षीय मिस्बाह उल ने प्रेम प्रसंग के चलते गुपचुप तरीके से प्रेमिका से निकाह कर लिया जिसकी भनक परिजनों को नहीं लगी। पता लगने पर गुपचुप तरीके से प्रेम विवाह करने पर माता-पिता बेटे से नाराज हो गए। इसी बात को लेकर कई रोज से घर में विवाद चल रहा था घटना बुधवार की रात्रि लगभग 11:00 की है युवक पत्नी को बुलाने के लिए परिजनों से कहने लगा जिस पर मां-बाप ने मना कर दिया। जिससे आहत होकर गुस्से में आत्मघाती कदम उठा लिया। गले में रस्सी का फंदा डालकर लटक कर खुदकुशी कर ली, युवक को बचाने का काफी प्रयास किया नाकाम होने पर कुछ ही क्षणों में मृत्यु हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। शोर शराबा सुनकर गांव में जाग हो गई, घटना से भीड एकत्र हो गई, अफरा तफरी का माहौल बन गया, सूचना पाकर थाना डिलारी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर फांसी पर लटके हुए शव को नीचे उतारा, थाना अध्यक्ष डिलारी कृष्ण कुमार भंगेला ने बताया कि पंचनामा भरकर बिना कानूनी कार्यवाही के शव को परिजनों को सौंप दिया। गमगीन माहौल में पार्थिव शरीर को सुपुर्द ए खाक कर दिया गया।

महिला आरक्षण बिल पर विधायक कमाल अख्तर ने सरकार को घेरा

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: विधानसभा की कार्यवाही के दौरान नारी शक्ति वंदन महिला आरक्षण बिल पर बोलते हुए विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कमाल अख्तर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। कहा कि वर्ष 2011 में यह बिल संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में सर्वसम्मति से पारित हुआ था और उस समय स्पष्ट किया गया था कि पहले जनगणना कराई जाएगी, उसके बाद ही इसे लागू किया जाएगा।

विधानसभा में बोलते कमाल अख्तर।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में चुनावी माहौल को देखते हुए भाजपा सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने की बात कर रही है, जो पूरी तरह विरोधाभासी है और राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब उत्तर प्रदेश में स्वयं भाजपा सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर पंचायत चुनाव नहीं करा रही है, तो केंद्र सरकार उसी आधार पर महिला आरक्षण लागू करने की बात कैसे कर सकती है। यह दोहरे मापदंड को दर्शाता है। कमाल अख्तर ने सुझाव दिया कि यदि सरकार वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती है, तो ऐसा कानून बनाए जिसमें हर राजनीतिक दल के लिए कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को चुनाव लड़ाना अनिवार्य हो। इससे महिलाओं का नेतृत्व स्वतः मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे ईमानदारी से लागू करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा महिलाओं के सम्मान, अधिकार और समानता के पक्ष में खड़ी रही है और आगे भी इस दिशा में संघर्ष जारी रहेगा।

एक राष्ट्र एक अनुसंधान पर सहमति, भारतीय आर्थिक मॉडल पर मंथन

मुरादाबाद, अमृत विचार : आईआईटी रुड़की एवं स्वदेशी शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रुड़की में विजन 2047 समृद्ध और महान भारत विषय पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ। तीन दिवसीय सम्मेलन में देशभर के अकादमिक, शोधकर्ता, उद्योग, नीति निर्माता और सरकार के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर भारतीय आर्थिक मॉडल पर मंथन किया। उप्र से प्रतिनिधित्व करते हुए स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. राजीव कुमार ने पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली और सतत विकास के लिए प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में युवा जनसंख्या की भूमिका उच्च नैतिक मूल्यों जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

प्रसव के दौरान महिला की मौत, हंगामा

मैनाठेर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के मुरादाबाद संभल मार्ग स्थित महमूदपुर माफी में गुरुवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब एक चिराग नाम से अस्पताल में प्रसव के दौरान 22 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया गया। जानकारी के अनुसार संभल के हजरतगढ़ी निवासी स्वाति (22), पत्नी पुष्पेंद्र को प्रसव पीड़ा होने पर परिजनों ने महमूदपुर माफी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। उपचार के दौरान प्रसव के समय ही महिला की मौत हो गई, जिससे परिजन आक्रोशित हो गए।

मृतका स्वाति।

हंगामा करते परिजन। ● अमृत विचार

परिजनों ने अस्पताल स्टाफ और डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सही इलाज न मिलने के कारण महिला की जान गई। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए मुरादाबाद-संभल मार्ग जाम करने का प्रयास भी किया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के अनुसार यह अस्पताल पूर्व में किसी अन्य नाम से संचालित होता था, जिसे स्वास्थ्य विभाग ने सील कर दिया था, लेकिन बाद में कथित तौर पर बिना पंजीकरण के नया नाम देकर फिर से संचालन शुरू कर दिया गया। थाना प्रभारी किरनपाल सिंह ने बताया कि अभी किसी की तरफ से तहरीर प्राप्त नहीं हो पाई है फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी।

गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज में निरीक्षण

मुरादाबाद, अमृत विचार: गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज में गुरुवार को निरीक्षण दल द्वारा उर्दू विभाग का निरीक्षण किया गया। प्राचार्य प्रो. चारु मेहरोत्रा के नेतृत्व में विभाग की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का व्यापक एवं सूक्ष्म अवलोकन किया गया।

गुरुवार को निरीक्षण दल में शामिल डॉ. पारुल त्यागी (विश्वविद्यालय प्रतिनिधि), डॉ. जहांगीर (विषय विशेषज्ञ, कला संकाय) एवं डॉ. सुधीर कुमार (क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी) शामिल रहे। दल ने पुस्तकालय,कक्षाओं, स्मार्ट क्लास, विभागीय कक्ष, कॉमन रूम, शोध कक्ष, छात्राओं के वॉशरूम तथा पेयजल व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, संदर्भ सामग्री और उनके सुव्यवस्थित संधारण को संतोषजनक पाया गया। उर्दू विभाग द्वारा संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों,अभिलेख व्यवस्था, कक्षाओं की स्वच्छता तथा आधुनिक शिक्षण संसाधनों के उपयोग को अनुकरणीय बताया गया।

इस अवसर पर विभाग प्रभारी एवं समस्त प्राध्यापकों ने दल का औपचारिक स्वागत किया और विभाग की उपलब्धियों व भावी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

विपणन निरीक्षक ने गेहूं से भरा वाहन जब्त कर वसूला जुर्माना

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: अवैध रूप से गेहूं की खरीद कर मंडी शुल्क जमा ना करने एवं अन्य मामलों में मंडी समिति के विपणन निरीक्षक ने एक व्यक्ति का गेहूं से भरा वाहन जप्त करते हुए 42955 रुपये का जुर्माना वसूल किया है।

विगत 3 दिन पूर्व मंडी समिति के विपणन निरीक्षक को सूचना मिली कि शहजाद पुत्र कलवा टॉर्क अमरोहा अवैध रूप से गेहूं की खरीद कर मंडी सूरत बिना जमा किए गेहूं का वहां भर कर ले जा रहा है सूचना मिलते ही विपणन निरीक्षक ने थाना कांठ पुलिस को घटना की जानकारी दी थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम ने पीछा कर अवैध रूप से गेहूं से भरे बहन को पकड़ लिया। विपणन निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने मंडी शुल्क एवं अन्य मामलों में 42955 का जुर्माना वसूल विपणन निरीक्षक ने कहा कि अगर कोई भी व्यापारी अवैध रूप से गेहूं की खरीद करेगा समान शुल्क चोरी और अधिक स्टॉक रखेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

जब्त हुआ वाहन। ● अमृत विचार

क्षमता से अधिक गेहूं स्टॉक करने की जांच को टीम गठित

कांठ, अमृत विचार : भारत सरकार खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के निर्देश पर जिलाधिकारी ने थोक एवं रिटेलर व्यापारियों को क्षमता से अधिक गेहूं खरीद कर स्टॉक करने को लेकर टीम गठित कर तहसील स्तरीय गठित टीम के इंस्पेक्टर को निर्देशों का कढ़ाई के साथ अनुपालन करने के निर्देश दिए हैं। भारत सरकार उपभोक्ता मामले व खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के निर्देश पर जिलाधिकारी अनुज सिंह ने व्यापारी थोक व्यापारी अधिकतम 3000 मेट्रिक टन रिटेलर प्रत्येक रिटेलर बिग चैन रिटेलर सभी के लिए गेहूं खरीद की एक क्षमता स्टॉक की निर्धारित कर दी है।

स्मार्ट मीटर का प्रचार तेज करेगा बिजली विभाग

मुरादाबाद , अमृत विचार: बिजली विभाग स्मार्ट मीटर योजना के प्रचार-प्रसार को तेज करने जा रहा है। उपभोक्ताओं तक इसकी जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए विभाग अब विज्ञापनों और होर्डिंग का सहारा लेगा। इसके तहत जनपद के प्रमुख चौराहों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग लगाए जाएंगे। गुरुवार को मुख्य अभियंता अशोक कुमार चौरसिया ने बताया कि विभागीय अधिकारियों के अनुसार, स्मार्ट मीटर प्रणाली लागू होने से बिजली चोरी पर काफी हद तक रोक लगेगी। साथ ही उपभोक्ताओं को सटीक और पारदर्शी बिलिंग की सुविधा मिलेगी, जिससे अनावश्यक विवादों में भी कमी आएगी। यह अभियान न केवल जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9412554796
0591 3591634

रोशन सिंह चौहान स्मारक महाविद्यालय
(सम्बद्ध-गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद)
ग्राम टाण्डा कोठी, पोस्ट खासपुर वाया पाकबड़ा (असमोली), जिला सम्भल-244102
आवश्यकता
1. बी०एड० विभाग में प्रवक्ताओं के-06 पद
2. एम०ए० -01 - 01 पद (शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, भूगोल व गृहविज्ञान)
3. एम०एस०सी० - 01-01 पद (रसायनशास्त्र व जन्तुविज्ञान) (वेतन व योग्यता :- एन०सी०टी०ई० एवं यू०जी०सी० मानकानुसार)
4. क्लर्क - 01 पद (योग्यता- NCC, C-Certificate एवं कम्प्यूटर, MS Office का ज्ञान व हिन्दी टाइपिंग) उम्र 20 से 28 वर्ष
5. एकेडमिक काउंसलर - 01 पद (फीमेल) उम्र 25 से 35 वर्ष (योग्यता पी०जी० के साथ एम०एड०)
सम्पर्क करें :- प्रबन्धक मनीष चौहान (एड0), मो0 - 9997746066, ई-मेल - manish.chauhanmbd@gmail.com

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

यश शर्मा बने उद्योग व्यापार मंडल के नगर सचिव

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर नगर इकाई में यश शर्मा को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल रामपुर का नगर सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी द्वारा की गई। उन्होंने यश शर्मा को नगर सचिव पद का कार्यभार विधिवत रूप से सौंपा और संगठन की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। संदीप अग्रवाल सोनी ने कहा कि संगठन लगातार व्यापारियों की समस्याओं को लेकर संघर्ष करता रहा है और आगे भी व्यापारियों के अधिकारों के लिए मजबूती से कार्य करता रहेगा। जिम्मेदारी मिलने के बाद यश शर्मा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, वह उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। व्यापार प्रतिनिधि मंडल के कई पदाधिकारियों ने यश शर्मा को फूल-मालाएं पहनाकर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

रामपुर पहुंचे फिल्म कलाकार, बचपन में प्यार से मुन्ने मियां नाम से पुकारते थे सभी

अपनी गली में पहुंचे तो बचपन की यादों में खो गए अभिनेता रजा मुराद

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: अपनी बुलंद आवाज की बदौलत फिल्मी दुनिया में शोहरत हासिल करने वाले मशहूर अभिनेता रजा मुराद गुरुवार सुबह अपने शहर रामपुर पहुंचे। यहां वह उस गली में भी पहुंचे, जहां उनका बचपन बीता। उन्होंने मीडिया के साथ अपने बचपन की यादों को साझा किया।

गुरुवार दोपहर जैसे ही वो मोहल्ले में पहुंचे तो आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। एक बुजुर्ग महिला ने उन्हें आवाज लगाई कि मुन्ने मियां कहां हैं। मुन्ना मियां नाम सुनकर तमाम युवा चौंक गए। तब रजा मुराद खुद बोल पड़े, उनका बचपन का नाम मुन्ने मियां ही है। आज यह नाम सुनकर उन्हें बहुत खुशी हुई।

बब्बू हलीम वालों के यहां पहुंचे तो लोगों ने ली रजा मुराद के साथ सेल्फी।

रामपुर में अभिनेता रजा मुराद।

अभी कोई तो जिंदा है जो उन्हें इस नाम से पुकार रहा है। शहर के जीना इनायत खां मोहल्ले से रजा मुराद की बचपन की यादें जुड़ी हैं। उनका बचपन इसी मोहल्ले में बीता है। यहां उनका पुश्तैनी घर भी हुआ करता था, बचपन की यादों को ताजा करते हुए रजा मुराद बोले, हमारा बचपन इन्हीं गलियों में बीता है। इसी गली में दोस्तों के साथ खेलते थे। उन्होंने प्राइमरी शिक्षा यहीं से पूरी की। घेर नज्जू खां मोहल्ले में इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन स्कूल में पढ़ते थे। तब गैस नहीं हुआ करती थी। उनकी मां चूल्हे पर खाना बना कर देती थीं। उनकी तीन बहनें भी थीं। उस वक्त शाहबाद गेट से सिविल लाइंस थाने तक कोई मकान या दुकान नहीं हुआ करती थीं, जबकि अब इस रोड पर तमाम आलीशान इमारतें खड़ी हैं। वह कोठी खासबाग में भी घूमने के लिए गए। आलीशान कोठी को देखा और बाग में भी घूमे। बताया कि इस बाग में करीब एक लाख से ज्यादा पौधे लगे थे और बड़े अच्छे फल आया करते थे। वो शहर में बब्बु हलीम वालों के यहां भी पहुंचे, जहां लोगों ने उनके साथ सेल्फी ली।

ऐसे शुरू हुआ फिल्मी सफर

रजा मुराद के वालिद मुराद खान नवाबी दौर में ही मुंबई चले गए थे और फिल्मों में अदाकारी करने लगे। करीब 550 फिल्मों में मुराद साहब ने काम किया। उन्होंने ज्यादातर फिल्मों में जज और पुलिस अधिकारियों का रोल अदा किया। पिता से मिली विरासत को आगे बढ़ते हुए रजा मुराद ने भी फिल्मी दुनिया में कदम रखा और तमाम नामचीन फिल्मों में काम किया। राम तेरी गंगा मैली हो गई, प्रेम रोग हिना और पद्मावत जैसी सुपरहिट फिल्मों में भी रजा मुराद ने शानदार भूमिका निभाई। वह कहते हैं उनके पास 586 फिल्मों की लिस्ट है, जिनमें उन्होंने काम किया है। उन्होंने और उनके पिता ने कुल मिलाकर करीब 1200 फिल्मों में काम किया है, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। फिल्मी दुनिया में आए बदलाव को लेकर बोले, यह दुनिया का दस्तूर है। बदलाव आता रहता है। पहले फिल्में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनती थी। इसके बाद पारिवारिक फिल्में बनने लगी, फिर डकैतों की फिल्में और एक्शन मूवी आने लगीं। समाज में बदलाव के साथ ही फिल्मों में भी बदलाव आता रहा है। पहले विलेन का रोल कुछ खास कलाकार ही किया करते थे, लेकिन अब किसी से भी विलेन का रोल दे दिया जाता है।

राजकीय पॉलीटेक्निक में 10 मई तक बढ़ी प्रवेश की तिथि

रामपुर, अमृत विचार: राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रवेश की अंतिम तिथि 30 अप्रैल से बढ़कर 10 मई हो गई है। कालेज प्राचार्य धर्मवीर सिंह ने बताया कि अब पॉलिटेक्निक कालेज में प्रवेश लेने के लिए छात्र-छात्राएं 10 मई तक प्रवेश ले सकत हैं। उन्होंने बताया कि पालिटेक्निक कालेज की प्रत्येक ट्रेड में छात्र-छात्राओं को तीन वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। पॉलिटेक्निक कॉलेज में इलेक्ट्रिकल के दो, इलेक्ट्रानिक का एक, इंस्टोमेंटेशन कंट्रोलर की एक और कंप्यूटर की एक ट्रेड है। राजकीय पॉलिटेक्निक कालेज में इंजीनियरिंग, तकनीकी और व्यावसायिक विषयों की दी जाती है। कालेज के प्रवक्ता सिमरत गिल सचिव संजीव कुमार सिंह ने ऑन लाइन प्रवेश प्रक्रिया को 30 अप्रैल से बढ़ाकर 10 मई कर दिया है। अभ्यर्थी 10 मई को रात 12 बज तक ऑन लाइन आवेदन कर सकते हैं।

10वीं में अंश और 12वीं में शिवांगी जिला टॉपर

आईसीएसई 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित, अच्छा रिजल्ट देखकर खुशी से उछले विद्यार्थी

आईसीएसई 10वीं और आईएससी 12वीं का परिणाम घोषित होने के बाद पास होने पर खुशी से उछलते छात्र-छात्राएं

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: गुरुवार दोपहर आईसीएसई 10वीं और आईएससी 12वीं का परिणाम घोषित हो गया। आईसीएसई 10वीं में अंश चंदेल ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त जिला टॉप किया है। आईएससी 12वीं की छात्रा शिवांगी सिंह ने 91 प्रतिशत अंकों के साथ जिला टॉप किया है। हालांकि जिले में आईसीएसई और आईएससी का एक ही स्कूल है।

शिक्षकों और परिजनों ने जिला टॉपर को मिठाई खिलाकर हर्ष जताया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लंढौरा नारायणपुर स्थित साईं सीनियर सेकेंडरी स्कूल का कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। हाईस्कूल में कुल 106 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से सभी छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त कर ली है। 10वीं में 70 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। 12वीं में 49 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी जिसके सापेक्ष रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. शिवांश सक्सेना ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय के डायरेक्टर दिलीप सक्सेना एवं मैनेजिंग डायरेक्टर अर्जित सक्सेना ने भी सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के निरंतर प्रयासों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन ने आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में भी छात्र-छात्राएं इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और अपने परिवार का नाम रोशन करते रहेंगे।

कक्षा 10 के मेधावी

अंश चंदेल- 96 प्रतिशत, जिला टॉपर

फलक खान 91 प्रतिशत

एंजिल शैलेजा यादव-88 .5 प्रतिशत

12वीं की जिला टॉपर

शिवांगी सिंह 91 प्रतिशत

12वीं की जिला टॉपर को मिठाई खिलाते परिजन।

10वीं जिला टॉपर को मिठाई खिलाते परिजन।

संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से गिरकर मिस्त्री घायल

बिलासपुर, अमृत विचार: एक राजमिस्त्री चलती ट्रेन से अचानक पटरियों पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए सीएचसी पर भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। घायल व्यक्ति की पहचान नगर के डाकखाना रोड पर सरकारी नलकूप के पास रहने वाले सोनू कश्यप के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि सोनू कश्यप पेशे से राजमिस्त्री हैं। किच्छा (उत्तराखंड) में उनकी ससुराल है। वह अपनी पत्नी के साथ ससुराल गए थे। वहां उन्होंने अपने साले सतीश के साथ हरियाणा जाकर गुरुदेव के दर्शन करने का कार्यक्रम बनाया। गुरुवार सुबह वह लालकुआं रेलवे स्टेशन से पुरानी दिल्ली तक पहुंचने के लिए अपने साले के साथ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में सवार हुए। इसी बीच ट्रेन के डिब्बे में वह गेट पर खड़े हो गए। ट्रेन जब स्थानीय रेलवे स्टेशन पहुंचने वाली थी, तभी अचानक उन्हें चक्कर आ गया और वह चलती ट्रेन में डिब्बे से बाहर पटरियों पर गिर पड़े। स्थानीय रेलवे स्टेशन और कुर्थिया फाटक के बीच पड़ने वाले श्मशान घाट के पास सड़क निर्माण कार्य हो रहा था।

पुलिस लाइन में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को दी विदाई

पुलिस लाइन में सेवानिवृत्त होने पर विदाई देते अधिकारी। • अमृत विचार

रामपुर, अमृत विचार: गुरुवार को उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों के सम्मान में पुलिस लाइन परिसर में विदाई समारोह हुआ। सेवानिवृत्त होने पर क्षेत्राधिकारी टांडा व लाइन द्वारा सप्रेम उपहार भेंट कर एवं फूलमाला पहनाकर सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस चंद्रपाल सिंह निवासी लक्ष्मीनगर थाना धामपुर, बिजनौर की प्रथम नियुक्ति स्थान व 15 जून 1990 को रिजर्व पुलिस लाइन बिजनौर में आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर हुई थी। 6 जिले बदायूं, बरेली, अमरोहा, संभल, पीलीभीत, रामपुर में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्ष 2018 में मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर पदोन्नति प्राप्त की।

सेवा काल में 35 नगद पुरस्कार, 31 उत्तम प्रविष्टि प्रदान की गई है। वर्तमान तैनाती पुलिस लाइन रामपुर है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी विमलेश यादव अगवानपुर, थाना सिविल लाइन मुरादाबाद की प्रथम नियुक्ति 15 अगस्त 1999 को पुलिस लाइन रामपुर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हुई थी। सेवा काल में 65 नगद पुरस्कार मिले हैं। दोनों को ससम्मान विदाई दी गई।

अर्थव्यवस्था को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे शुरू

रामपुर, अमृत विचार: जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सूर्य प्रकाश ने कहा कि भारत सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार के सर्वे कार्यों के सफल संचालन के लिए रामपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाने के उद्देश्य से नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत यह सर्वे कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सटीक आंकड़ों के संकलन में सहायता मिल सके। उक्त सर्वे कार्य जुलाई 2025 से दिसंबर 2026 तक संचालित हैं। जो भारत सरकार के सांख्यिकी कार्यक्रम मंत्रालय के अंतर्गत अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन सर्वेक्षणों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का आंकलन कर योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाना है। माह मई 2026 में जनपद के विकास खंड मिलक, चमरौआ एवं स्वार क्षेत्र में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में सर्वे कार्य किया जाएगा। इसके अंतर्गत ग्राम पिपलिया रजवाड़ा, बॉस नगली एवं हरदासपुर कोठरा में निर्धारित तिथियों पर सर्वेयरों द्वारा घर-घर जाकर आवश्यक सूचनाएं एकत्रित की जाएंगी। उन्होंने संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिवों, ग्राम प्रधानों एवं अन्य जिम्मेदार लोगों कार्य में पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करने की बात कही है।

हत्या में पति व प्रेमिका को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- कोर्ट ने 10-10 हजार रुपए का लगाया जुर्माना

आरोपी प्रेमिका अमनदीप कौर।

पुलिस हिरासत में आरोपी अमरीक सिंह।

अमृत विचार: न्यायालय एडीजे प्रथम रामपुर ने गुरुवार को पत्नी चरणजीत कौर की गला दबाकर हत्या करने के मामले में पति अमरीक सिंह और उसकी प्रेमिका अमनदीप कौर को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। गुरुवार को सजा सुनाने के दौरान दोपहर करीब डेढ बजे दोनों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा में जिला कारागार से कोर्ट लाया गया। उम्रकैद की सजा मिली तो दोनों आरोपी सन्न रह गए।

स्वार कोतवाली क्षेत्र के मिलक खानम थाना क्षेत्र के नानकारेन गांव निवासी सुखदेव सिंह ने 29 मार्च 2024 को अपनी चचेरी बहन चरणजीत कौर की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। चरणजीत कौर की शादी भगवंतनगर निवासी अमरीक सिंह से हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि अमरीक सिंह के अपनी प्रेमिका अमनदीप कौर से अवैध संबंध थे। आरोप है कि चरणजीत कौर इन संबंधों में बाधा बन रही थी, जिसके चलते अमरीक सिंह ने प्रेमिका के कहने पर पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने विवेचना के बाद दोनों के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 12 गवाहों सहित कई अहम साक्ष्य कोर्ट में पेश किए। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता प्रताप सिंह मौर्य ने दोनों के खिलाफ मजबूत पैरवी की। वहीं बचाव पक्ष ने आरोपियों को निर्दोष बताते हुए दो गवाह पेश किए, लेकिन कोर्ट ने अभियोजन के साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए दोनों को दोषी करार दिया। कोर्ट ने बुधवार को दोनों आरोपी पति अमरीक सिंह और प्रेमिका अमनदीप कौर को दोषी ठहराया था। जबकि गुरुवार को कोर्ट ने दोनों को उम्र कैद की सजा सुना दी। बचाव पक्ष के अधिवक्ता व आरोपियों के परिजनों ने बताया कि वो फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

रामपुर में नई वाहन पंजीकरण सीरीज प्रारंभ

रामपुर, अमृत विचार : सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रामपुर जिले में 29 अप्रैल 2026 से नई वाहन पंजीकरण सीरीज यूपी22बीएल प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इच्छुक वाहन स्वामी नई सीरीज प्रारंभ होने के अवसर पर च्वाइस रजिस्ट्रेशन नंबर का आरक्षण ऑनलाइन माध्यम से करा सकते हैं। इसके लिए वाहन स्वामी parivahan.gov.in पर जाकर ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया या प्रथम आगत-प्रथम पावत के सिद्धांत के आधार पर अपनी पसंद की पंजीकरण संख्या सुरक्षित कर सकते हैं।

कौशल विकास का माध्यम बनेगा अभियान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के लिए योजना बैठक।

- भाजपा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के लिए योजना बैठक

अमृत विचार: रामविहार स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान- 2026 के तहत योजना बैठक हुई। प्रदेश स्तर से नियुक्त अभियान प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष बरेली पवन शर्मा मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं के वैचारिक, संगठनात्मक एवं नेतृत्व कौशल के विकास का सशक्त माध्यम बनेगा।

उन्होंने प्रशिक्षण महा अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य एवं संगठन की मजबूती में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने की। जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि संगठन की शक्ति उसके प्रशिक्षित और जागरूक कार्यकर्ताओं में निहित होती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण महा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास और संगठनात्मक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपेक्षा की कि वे पूर्ण निष्ठा और अनुशासन के साथ इस अभियान में सहभागिता करें तथा इसे बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं, जिससे संगठन और अधिक सशक्त हो सके प्रशिक्षण महा अभियान का आयोजन दिनांक 8 एवं 9 मई को उत्सव पैलेस, रामपुर में किया जाएगा। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक सुभाष भटनागर, अभय गुप्ता, रविंद्र सिंह रवि, जगपाल यादव, अर्जुन रस्तोगी, विकास दीक्षित, प्रदीप गुप्ता, विवेक रुहेला, पारुल अग्रवाल, करतार सिंह लोधी, कुंवर बहादुर राजपूत, दीपक गुप्ता, पवन कुमार, रघुवीर सिंह जाटव, पवन शर्मा, पंकज सैनी, प्रमोद आहूजा, अशोक बिश्नोई, विवेक बिश्नोई, शुभम सक्सेना, कपिल गुप्ता, पूजा शर्मा, मीडिया प्रभारी आकाश सक्सेना आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूरिया न मिलने पर किसानों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

रामपुर, अमृत विचार: भाकियू अंबावता के कार्यकर्ता गुरुवार को प्रदेश सचिव अब्दुल हसन पाशा नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे। यूरिया किसानों को न मिलने की शिकायत पर प्रदर्शन किया। किसानों ने तीन सूत्रीय ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

प्रदेश सचिव अब्दुल हसन पाशा ने कहा कि किसानों को यूरिया पूरी नहीं मिल रही है। सहकारी समितियां पर अधिकारियों का कहना है कि हम रोज 80 कट्टे से ज्यादा वितरित नहीं कर सकते हैं। यह सुनकर किसानों में भारी आक्रोश पनप रहा है। खसरा खतौनी के आधार पर किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाए। यूरिया के कट्टे के साथ बेवजह की दवाई की बोतल यूरिया कटटे के साथ मिलाकर ना दें। बिलाल खान, शाहरुख मियां, फैजान, दयानंद, बंटी सागर, गुरमीत सिंह, गुरमेल सिंह, जीत सिंह, अजय सिंह, समीर वारसी, फैज वारसी, इसरार पाशा, शाहनवाज पाशा, सोहेल, मोहम्मद जुबेर, फहीम बबलू आदि रहे।

कलेक्ट्रेट में यूरिया ना मिलने पर प्रदर्शन करते किसान। • अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

डिजिटल दौर में सजग रहने की जरूरत: डॉ. पुरी

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति विशेष अभियान फेस 5 के द्वितीय चरण में बुधवार को कालेज सभागार में डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्यवक्ता डॉ. सोनू पुरी ने छात्राओं को डिजिटल युग की चुनौतियों और अवसरों की जानकारी दी। कहा कि डिजिटल दौर में सजग रहने की जरूरत है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुनीता ने बताया कि छात्राएं अधिक से अधिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करें जिससे मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्य को पूर्णता प्राप्त हो सके। उन्होंनेवित्तीय धोखाधड़ी, फिशिंग हमले और सोशल मीडिया पहचान की चोरी जैसे गंभीर विषयों की बाबत बताया। कहा कि जैसे-जैसे हम डिजिटल हो रहे हैं, हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ रही है। इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य समाज को एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करना है। संचालन डॉ. प्रीति लता ने किया और डॉ. मनोरमा चौहान ने आभार जताया। इस अवसर पर प्रो. अनिता देवी अग्रवाल, डॉ. प्रतिभा यादव, डॉ. जया कुमारी आदि मौजूद रहे।

दो तमंचो के साथ दो आरोपी गिरफ्तार किए

स्वार, अमृत विचार : पुलिस ने अलग अलग जगहों पर छापामार कार्रवाई कर दो आरोपियों से दो तमंचे एवं दो जीवित कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गुरुवार को मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि मोहल्ला नौगजा से पहले पुलिया के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी की घेराबंदी कर हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान 315 बोर का तमंचा एवं एक जीवित कारतूस बारमद कर बब्लू निवासी मोहल्ला रसूलपुर को गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई। वहीं दुसरी तरफ पुलिस नगर के मौहल्ला काशीपुर निवासी सहरोज उर्फ जग्गा उर्फ सोनू को गांव जालफ नगला मार्ग स्थित मजार के पास से हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से बारह बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद कर कोतवाली ले आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने दोनों आरोपियों को जेल भेजा है। कोतवाल अनुपम शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियो का आपराधिक इतिहास भी रहा है। आरोपियों के खिलाफ पूर्व में गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में पांच मुकदमे दर्ज हैं। इनमें हत्या के प्रयास, पशु क्रूरता अधिनियम और आर्म्स एक्ट से संबंधित मामले शामिल हैं।

बाइक पर पेड़ की डाल गिरने से श्रमिक की मौत

कांठ, अमृत विचार : थाना छजलैट क्षेत्र के ग्राम भीकनपुर निवासी बबली पुत्र मानचंद्र 40 वर्ष, रिजवान और आमिर राज मिस्त्री का काम कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। तीनों श्रमिक ऊमरी कलां के पास कार्य कर बाइक से घर वापस लौट रहे थे। सायं 7 :00 बजे करीब जबरदस्त आंधी तूफान आया। ऊमरी कलां छजलैट मार्ग पर जैसे ही उनकी बाइक ग्राम मथाना के पास पहुंची, आंधी तूफान से एक विशाल वृक्ष की डाल उनकी बाइक पर गिर गई। दुर्घटना में तीनों घायल हो गए। एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी कांठ लाया गया, जहां से जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान बबली की मौत हो गई।

आंधी से बिजली के तारों पर गिरे पेड़, मसवासी क्षेत्र में 32 गांवों की बिजली आपूर्ति हुई ठप

जगह-जगह उड़े होर्डिंग और बैनर, सड़कों पर पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

बारिश के बीच जाते लोग। ● अमृत विचार

आई आंधी में पेड़ों की स्थिति। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गुरुवार को शाम ढले आंधी से कहीं पेड़ और कहीं उनकी डालियां टूटकर बिजली के तारों पर गिर गए जिससे शहरी क्षेत्र समेत ग्रामीण क्षेत्र में बिजली ठप हो गई। तेज आंधी बारिश में दढ़ियाल-टांडा की हाईटेंशन लाइन में फाल्ट आने से मसवासी क्षेत्र के 32 गांवों की बिजली ठप हो गई। आंधी से आम के बागों में आंधी से नुकसान हुआ है।

सुबह से सूरज और बादलों के बीच लुका छिपी का खेल चल रहा था। शाम करीब 7:15 बजे तेज आंधी आने से जगह-जगह पेड़ या उनकी डालियां टूटकर बिजली की लाइनों पर गिर गईं और बिजली ठप हो गई। इसके अलावा शहर में लगे होर्डिंग और बैनर उड़ गए। तेज आंधी में स्वार रोड पर पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए जिसके कारण वाहनों के पहिए थम गए। ड्राइवर और यात्रियों ने काफी मशक्कत के बाद सड़क पर गिरे पेड़ों को उठाकर किनारे किया और इसके बाद यातायात सुचारु हो सका। बिलासपुर और शाहबाद रोड पर भी आंधी से पेड़ गिर गए। जिसके कारण यातायात बाधित हुआ लेकिन, लोगों ने सड़क से पेड़ हटवाकर रास्ता साफ किया। आम के बागों में आम की फसल को बहुत नुकसान पहुंचा है आंधी के बाद आम की फसल बाग में गिर गई है। मौसम वैज्ञानिक 2 मई तक गरज के साथ बारिश का अनुमान जता रहे हैं और यलो अलर्ट जारी किया गया है। मसवासी संवाददाता के मुताबकि गुरुवार शाम आई तेज आंधी और बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया लेकिन, आंधी और बारिश के बीच दढ़ियाल -टांडा के बीच स्थित हाईटेंशन लाइन में फॉल्ट आ गया। इसके चलते मसवासी नगर के अलावा भूबरा, चौपुरा, रहमतगंज, सीतारामपुर, कुंदनपुर, अलीगंज, मुकुंदपुर, हसनपुर, उत्तरी पट्टीकला, घोसीपुरा, सेमरा, लाडपुर, मानपुर, महाराजपुर, बब्बरपुरी, लोहार, इनायतगंज, खानपुर, मोतीपुरा, फतेहगंज, धर्मपुर, किशनपुर, मौलागढ़, शिकारपुर, शिवनगर समेत कई गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

> मौसम सामान्य होने के बाद दढ़ियाल-टांडा की एचटी लाइन की पेट्रोलिंग कराई जाएगी, जिसके बाद आपूर्ति बहाल की जाएगी।
> – श्याम सिंह, अवर अभियंता

हाल-ए-मौसम

अधिकतम तापमान	24 डिग्री से.
न्यूनतम तापमान	21 डिग्री से.
आद्रता	72 प्रतिशत
वायु वेग	13 किमी. प्रति घंटा

खनन माफिया ने चार एकड़ भूमि से उठाई गहरी मिट्टी

संवाददाता बिलासपुर

- मामले में किसानों ने कार्रवाई की मांग

अमृत विचार: खनन माफियाओं ने तीन छोटे किसानों की करीब चार एकड़ उपजाऊ भूमि को रात भर में मिट्टी विहीन कर दिया। माफियाओं ने जेसीबी और डंपरों की खेतों से करीब आठ-आठ फीट गहरी मिट्टी उठा ली, जिससे अब किसानों के खेत गहरे गड्ढों में तब्दील हो गए हैं।

बरेली जिले के गांव मोहनपुर निवासी इब्ने अली खां, जुबैदा बेगम और मोहब्बत अली की क्षेत्र के नवाबगंज मार्ग स्थित गांव चकफेरी में गाटा संख्या 205 की लगभग आठ एकड़ कृषि भूमि दर्ज है। देख रेख के लिए तीनों किसानों ने अपनी भूमि को नगर से सटे गांव हिरनखेड़ा निवासी सगीर अहमद खां को ठेके पर दे दिया। मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को प्रेषित शिकायत में पीड़ित किसानों का आरोप है कि क्षेत्र के खनन माफियाओं ने रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए बड़ी संख्या में जेसीबी और डंपर उनकी चार एकड़ खेत में उतार दिए। सुबह जब किसान अपने खेत पर पहुंचे, तो मंजर देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। चार एकड़ भूमि से उपजाऊ मिट्टी गायब थी और खेत किसी गहरी खाई जैसे नजर आ रहे थे। किसानों ने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन को सूचना देने के बावजूद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रशासन का मौन रहना माफियाओं के हौसलों को और अधिक हवा देता नजर आया। कोतवाली पुलिस और तहसील प्रशासन से के बाद पीड़ित किसानों ने अब मुख्यमंत्री से मामले की शिकायत की है। किसानों की मांग है कि माफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी जमीन को पूर्ववत स्थिति में लाया जाए और हुए आर्थिक नुकसान का मुआवजा दिलाया जाएं। हल्का लेखपाल अवनीश कुमार का कहना है कि इसकी एक जांच आख्या तैयार कर उच्चाधिकारियों को सौंप दी है। अधिकारियों के निर्देशानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

रोवर्स-रेंजर्स ने बनाए टेंट, पाक कला में कमला टोली प्रथम

रचनात्मक कार्यों का अवलोकन करते अतिथि। ● अमृत विचार

रामपुर, अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय रजा नगर में गुरवार को रोवर्स-रेंजर्स ने टेंट निर्माण किया और बिना बर्तन के भोजन बनाया। इससे पहले प्रतिभागियों को छह टोलियों में विभाजित किया गया। पाक कला में कमल टोली प्रथम रही। इससे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आरएस गिरि ने ध्वजारोहण किया प्रार्थना एवं झंडा गीत हुआ। रोवर्स-रेंजर्स शिविर के तीसरे दिन प्रतिभागियों को झांसी की रानी टोली, कमल टोली, मदर टेरेसा टोली, शहीद भगत सिंह टोली, सरस्वती टोली एवं प्रकृति टोली में बांटा गया। सभी टोलियों को टेंट निर्माण एवं पाक कला का दायित्व सौंपा गया। पाक कला में कमल टोली प्रथम, झांसी की रानी टोली द्वितीय जबकि, सरस्वती टोली तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शीतल सिंह, विशिष्ट अतिथि सुनील कुमार जीएसटी सुपरिंटेंडेंट, रोवर्स प्रभारी डॉ. जोगेंद्र कुमार, रेंजर्स प्रभारी डॉ. मनीषा रानी, डॉ. कैलाश चंद्र, डॉ. बाल मुकुंद वर्मा, राजेश कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार आदि रहे।

इमला लिखकर हो जाती थी होमगार्ड की भर्ती

- एक माह प्रशिक्षण मिलने के बाद मिल जाती थी नौकरी
- भर्ती परीक्षा को लेकर बोले होमगार्ड

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: होमगार्ड की नौकरी कर रहे लोगों ने बताया कि पहले इमला लिखने और फिजिकल टेस्ट के बाद ही भर्ती हो जाती थी। इसके बाद भर्ती हुए होमगार्ड को एक माह का प्रशिक्षण दिया जाता था। प्रशिक्षण के दौरान का उन्हें कोई पैसा नहीं मिलता था, अब प्रशिक्षण के दौरान भी पूरा मानदेय मिलेगा।

लिखित परीक्षा पास करने के बाद होमगार्ड का फिजिकल होगा और इसके बाद तीन माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस वर्ष से होमगार्ड को प्रशिक्षण का काल का मानदेय भी मिलेगा। होमगार्ड की परीक्षा में यूपीएससी की तर्ज पर विज्ञान, इतिहास, विश्व राजनीति, इतिहास, खेल और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे गए थे। प्रश्न पत्र देखकर अधिकांश परीक्षार्थियों के सिर चकरा गए। तीन दिन हुई होमगार्ड की परीक्षा के लिए 16704 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था जिसके सापेक्ष तीनों दिन हुई छह पालियों में 3,773 परीक्षार्थी नदारद रहे। परीक्षार्थियों ने बताया था कि पेपर बहुत कठिन आए हैं और किन विषयों की तैयारी करें यह भी साफ नहीं था। होमगार्ड की पहली बार लिखित परीक्षा हुई और सवालों ने उन्हें उलझा दिया। क्योंकि पेपर की तैयारी करने के लिए उनके पास कोई दिशा नहीं थी। जबकि 20-20 वर्ष से नौकरी कर रहे होमगार्डों ने बताया कि उनके समय में तो नापतौल हुई और इसके बाद एक महीने की ट्रेनिंग ली और होमगार्ड के पद पर तैनाती हो गई थी।

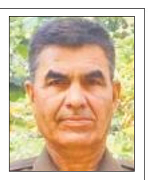
> होमगार्ड भर्ती के लिए पहली बार लिखित परीक्षा हुई है। जब भर्ती हुए तब किसी ने कोई एक सवाल भी नहीं पूछा था। नापतौल के बाद ट्रेनिंग हुई और भर्ती हो गए थे।
> – चरण सिंह

> जब हम होमगार्ड में भर्ती हुए तब परीक्षा नहीं होती थी। केवल लंबाई और सीने की नापतौल होती थी। इसके बाद एक माह की ट्रेनिंग हुई थी और होमगार्ड में भर्ती हो गए थे।
> – शांति स्वरूप

> इस बार होमगार्ड भर्ती के पेपर देखे बहुत कठिन थे। बिल्कुल ऐसा लग रहा था कि यूपीएससी की परीक्षा के पेपर हों। परीक्षा में दिमाग घुमा देन वाल प्रश्न पूछे गए थे।
> – प्रेम सिंह

> होमगार्ड भर्ती 2011 के बाद हो रही है। पहले लखनऊ से टीम आती थी और वह करीब आठ दिन रुककर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होमगार्ड की क्रॉस चेक करने को नाप तौल करती थी। होमगार्ड को इमला लिखवाया जाता था और यही उसकी योग्यता का आधार था। अब होमगार्ड को करीब 30 हजार रुपये प्रतिमाह मिल जाता है जोकि, सम्मान जनक राशि है।
> – कमलेश चौहान, कमांडेंट होमगार्ड

> होमगार्ड को हमारे समय में इतना मानदेय भी नहीं मिलता था और लोग होमगार्ड में भर्ती भी नहीं होना चाहते थे। जो भर्ती में पहुंच जाता था उसकी भर्ती हो ही जाती थी।
> – फूल सिंह लोधी

किशोरियों को लगी एचपीवी वैक्सीन

रामपुर, अमृत विचार : मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर एक गंभीर बीमारी है, लेकिन समय पर एचपीवी वैक्सीन के माध्यम से इससे बचाव संभव है। जिले में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाया गया था और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम को किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगवाई गई। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बतया कि महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए किशोरियों को एचपीवी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीन का टीका लगवाया गया। इस अभियान के तहत 14 वर्ष तक की किशोरियों को वैक्सीन लगवाई गई। उन्होंने बताया कि किशोरियों को गार्डासिल-4 क्वाड्रिवैलेंट और एचपीवी वैक्सीन की एक खुराक दी गई। जोकि, सर्वाइकल कैंसर से बचाव में प्रभावी मानी जाती है।

स्टेडियम में लगेगी 15 लाख से बरमूडा घास

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

सीगनखेड़ा स्थित स्टेडियम में बनी क्रिकेट पिच। ● अमृत विचार

- सिंगनखेड़ा में तैयार हो रहा 22 बीघा जमीन पर क्रिकेट स्टेडियम
- 5 लाख की लागत से 3 पिचें तैयार, घास लगते ही शुरू होंगे डे-नाइट क्रिकेट मैच

अमृत विचार: सींगनखेड़ा स्थित क्रिकेट स्टेडियम पर 15 लाख रुपये की कीमत की बरमूडा और सिलेक्शन वन घास की रोपाई होगी। बरमूडा घास अपनी असाधारण गर्मी और सूखे को सहन करने की क्षमता और भारी उपयोग के बावजूद जल्दी ठीक होने की क्षमता के लिए जानी जाती है। सिलेक्शन वन घास अपनी घनी बनावट, मुलायम सतह और तेजी से बढ़ने की क्षमता के कारण क्रिकेटरों को लोकप्रिय है। स्टेडियम पर 5 लाख की लागत से 3 पिचें तैयार हो चुकी हैं।

सींगनखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम के सामने उसी तर्ज पर क्रिकेट स्टेडियम तैयार कराया जा रहा है। करीब 22 बीघे रकबे में बन रहे स्टेडियम पर तीन पिच बनकर तैयार हो गई हैं और अब बारमूडा घास और सिलेक्शन वन घास की रोपाई शुरू कराई जाएगी। घास रोपित होने के बाद स्टेडियम मैच कराने के लिए तैयार हो जाएगा। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि स्टेडियम का पवेलियन दूसरे चरण में तैयार कराया जाएगा। फिलहाल स्टेडियम पर मैच शुरू हो जाएं इसका प्रयास किया जा रहा है। बताया कि स्टेडियम पर डे-नाइट क्रिकेट मैच हो सकेंगे। बरमूडा घास की बाबत बताया कि बरमूडा घास गर्मी को सहन कर सकती है उन्होंने सिलेक्शन वन घास की बाबत बताया कि यह खेल के मैदानों के लिए उपयोग की जाती है यह घास घनी और मुलायम सतह के कारण क्रिकेटरों को बहुत भाती है। इस लिए प्रयास किया जा रहा है स्टेडियम पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानक की घास रोपित कराई जाए। घास रोपित होने के बाद स्टेडियम पर मैच शुरू करा दिए जाएंगे बताया कि बरमूडा घास बहुत तेजी से फैलती और इस पर गर्मी-सर्दी का असर नहीं होता है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम पर दोनों तरह की घास को रोपित कराया जा सकता है।

> सींगनखेड़ा स्टेडियम पर तीन पिचें बनवा दी गई हैं और मैदान भी तैयार हो चुका है। घास रोपित होने बाद स्टेडियम मैच खेलने के लिए तैयार हो जाएगा। स्टेडियम पर पवेलियन आदि दूसरे चरण में बनवाया जाएगा।
> – संतोष कुमार, प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी

न्यूज डायरी

स्वार में श्रद्धा के साथ मनाई गौतम बुद्ध की जयंती

स्वार, अमृत विचार : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तमनगर में भगवान गौतम बुद्ध की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत वंदना सभा से हुई। आचार्यों एवं दीदीयों ने भगवान बुद्ध के चित्र के समक्ष सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में रंगोली एवं साज सज्जा का विशेष आकर्षण रहा। प्रमुख अंजलि मौर्य ने भगवान गौतम बुद्ध के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बिहार राज्य के गया तीर्थ स्थल पर प्राचीन पीपल वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उन्होंने कहा कि एक राजकुमार होते हुए भी उन्होंने सांसारिक सुखों का त्याग कर सन्यास धारण किया और मानवता को शांति व अहिंसा का संदेश दिया। इस अवसर पर ब्रजकिशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह, धर्मेंद्र कुमार, उमेश राजपूत, संजय सिंह, गौरव सिंह, प्रकाश बाबू, दिलीप कुमार, विजेंद्र सिंह, बालिका शिक्षा प्रमुख राधा शर्मा, पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य तथा अंजली मोर्य टैगोर सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे।

वीर खालसा समिति ने नामित सभासदों को सम्मानित किया

रामपुर, अमृत विचार : गुरुवार को वीर खालसा सेवा समिति ने नगर पालिका में नामित सभासद मुकेश रस्तोगी, पीयूष, अजय अरोड़ा, विवेक बिश्नोई और पूजा को शॉल ओढ़ाकर और बुके देकर सम्मानित किया। मुख्यातिथि जतिन कुमार सिडाना ने सभी को सम्मानित किया। उन्होंने कहा नामित सभासद समाज की सेवा के लिए हमेशा आगे बढ़कर सेवा करेंगे। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दीं। समिति के अध्यक्ष अवतार सिंह ने शहर विधायक आकाश सक्सेना का धन्यवाद किया। कहा कि सभी नामित सभासद बनाने में शहर विधायक ने अहम जिम्मेदारी निभाई है। अवतार सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर गुलशन अरोड़ा, सेवा सिंह, नारायण सिंह, मनिंदर सिंह, वजीर सिंह, कमलजीत सिंह, गुरमीत सिंह, नरेंद्र पाल, लकी, सनी, कपूर आदि मौजूद रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाई बुद्ध पूर्णिमा

मिलक, अमृत विचार : गुरुवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में वंदना सत्र में बुद्ध पूर्णिमा मनाई। शुभारंभ प्रधानाचार्य आनंद पाल सिंह व संयोजक महेंद्र पाल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद भगवान बुद्ध के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन किया गया। मुख्यवक्ता मोहर सिंह ने भगवान गौतम बुद्ध के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व शाक्य गणराज्य की तत्कालीन राजधानी कपिलवस्तु के नजदीक लुंबिनी में हुआ था, जो आजकल नेपाल देश का हिस्सा है। मोहर सिंह ने कहा कि बुद्ध के उपदेश आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने करुणा, अहिंसा और मध्यम मार्ग का संदेश दिया, जिसे अपनाकर समाज में शांति स्थापित की जा सकती है। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। अंत में शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

निबंध में जरनेन और पोस्टर मेकिंग में अनम प्रथम

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरुवार को अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में छात्राओं में कलात्मक एवं साहित्यिक अभिरुचि विकसित करने के उद्देश्य से प्रथम प्रतियोगिता पोस्टर मेकिंग एवं निबंध प्रतियोगिता हुई। निबंध प्रतियोगिता में जरनेन फातिमा जबकि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अनम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुनीता के नेतृत्व में हुई निबंध प्रतियोगिता में जरनेन फातिमा, प्रथम, इरम फातिमा ने द्वितीय, सानिया ने तृतीय और अनम एवं सिमरन ने संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में अनम ने प्रथम, अलीशा आरिफ एवं सानिया ने संयुक्त रूप से द्वितीय, सिमरन ने तृतीय एवं नूर अफशां ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में डॉ. टिकेंद्र सिंह, डॉ. यामिनी सिंह, डॉ. मनोरमा चौहान रहे। संचालन विभागीय परिषद की प्रभारी डॉ. प्रीति लता ने किया।

बिलासपुर सीएचसी में जगह-जगह पसरी गंदगी

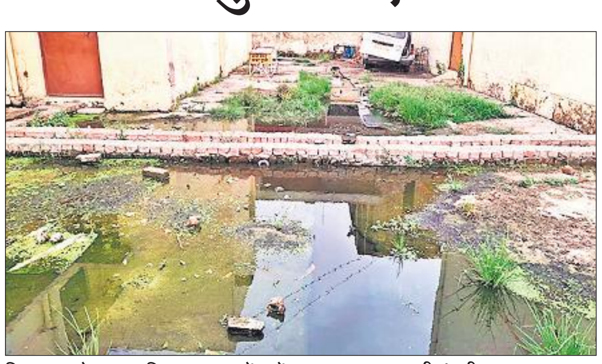
बिलासपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जलभराव तथा पसरी गंदगी।

बिलासपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पसरी गंदगी। ● अमृत विचार

संवाददाता बिलासपुर

अमृत विचार: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में चारों तरफ पसरी गंदगी और अनदेखी के कारण अब यह केंद्र मरीजों के इलाज के बजाय बीमारियों का घर बनता जा रहा है। सीएचसी के सबसे संवेदनशील हिस्से, यानी आक्सीजन प्लांट के चारों ओर लंबी-लंबी घास उग आई है। प्लांट के ठीक बगल में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं।

यह स्थिति न केवल संक्रमण को न्योता दे रही है, बल्कि सूखे कचरे और घास के कारण आग लगने जैसी बड़ी दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। इसके अलावा परिसर के कई हिस्सों में पानी का भारी जमाव हो रहा है। रुके हुए गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे अस्पताल में भर्ती मरीजों को डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा सता रहा है। तीमारदारों का कहना है कि जलभराव और पसरी गंदगी के कारण पैदल चलना भी दूभर हो गया है। अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ भारी नाराजगी जाहिर की है। आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सफाई व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो रहा है। तीमारदारों का कहना है कि हम यहां इलाज कराने आते हैं, लेकिन गंदगी देखकर लगता है। कि कहीं और बीमार न पड़ जाएं। अस्पताल परिसर की इस दुर्दशा पर स्वास्थ्य अधिकारियों ने फिलहाल आंख मूंद रखी हैं। अब देखना यह है कि उच्च अधिकारी इस गंभीर मामले में कब संज्ञान लेते हैं और व्यवस्था को दुरुस्त करते हैं। चिकित्साधीक्षक डॉ. पदम् सिंह का कहना है कि सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करवाया जा रहा है। आक्सीजन प्लांट के आसपास लगे कूड़े के ढेर को भी हटवा दिया जाएगा।

बच्चों के विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट दो महिला घायल

बिलासपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के मोहल्ला शीरी मियां में हरी ड्रेस स्कूल के पास रहने वाले जमीर अहमद व वासिद आपस में पड़ोसी हैं। बुधवार की रात करीब साढ़े आठ बजे उनके घर की महिलाओं में बच्चों के हंगामे को लेकर कहासुनी और फिर मारपीट हो गई। जिसमें जमीर की पत्नी भूरी बेगम और वासिद की पत्नी फरहाना घायल हो गईं। रात में ही दोनों पक्ष शिकायत लेकर कोतवाली पहुंचे। पुलिस ने दोनों घायल महिलाओं का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज व मेडिकल परीक्षण कराया। जमीर पक्ष का कहना था कि पड़ोसन के बच्चे उनके घर के बाहर हंगामा कर रहे थे। मना करने पर उनके घर में घुसकर मारपीट की गई, जिससे भूरी बेगम को पेट में गंभीर चोटें लगी हैं। वहीं, वासिद पक्ष का कहना था कि गंभीर चोटें लगी हैं।

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

कर्ज से परेशान युवक का फंदा लगाने का प्रयास

हसनपुर, अमृत विचार : नगर में आर्थिक तंगी और पारिवारिक कलह से तंग आकर एक इलेक्ट्रीशियन ने फांसी के फंदे पर लटक कर जान देने की कोशिश की। पीड़ित व्यक्ति शहर के एक किराए के मकान में अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहता था। परिजनों के अनुसार, इलेक्ट्रीशियन लंबे समय से कर्ज के बोझ तले दबा था, जिसे लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। बुधवार देर शाम को मौका पाकर उसने कमरे में फांसी लगा ली। आनन-फानन में परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची।

महिला आरक्षण पर सदन में गरमाई बहस

हसनपुर, अमृत विचार : हसनपुर के निवासी कांठ विधायक कमाल अख्तर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार की नीयत और नीति में स्पष्ट विरोधाभास नजर आता है। उन्होंने सदन में कहा कि वर्ष 2011 में यह बिल संसद के दोनों सदनों में सर्वसम्मति से पारित हुआ था और उस समय यह स्पष्ट किया गया था कि जनगणना के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। लेकिन अब मौजूदा परिस्थितियों में 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने की बात कही जा रही है, जो राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास प्रतीत होता है। कमाल अख्तर ने सवाल उठाया कि जब उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव 2011 की जनगणना के आधार पर नहीं कराए जा रहे हैं, तो फिर केंद्र स्तर पर उसी आधार पर महिला आरक्षण लागू करने की बात कैसे उचित हो सकती है। उन्होंने इसे सरकार का दोहरा रवैया बताया।

स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा, अमृत विचार : जोया क्षेत्र के मोहल्ला चौकीदारान की महिलाओं ने स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाए जाने की मांग उठाई है। इस संबंध में मंगलवार को उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी नितिन गौड़ को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आरोप लगाया कि मीटर में बैलेंस कम होते ही बिना किसी पूर्व सूचना के विद्युत आपूर्ति काट दी जाती है, जिससे परिवारों को अंधेरे में रहना पड़ता है। इसका असर बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जीवन पर पड़ रहा है।

पुरानी रंजिश में युवक पर रॉड से हमला, गंभीर हालत में भर्ती

कोतवाली क्षेत्र में तमाशबीन बने रहे लोग, चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

आरोपी फैज।

सड़क पर रॉड से पिटाई करता आरोपी।

अमृत विचार: नगर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक पर सरेआम हमला कर दिया। हमलावरों ने युवक को सड़क पर घेरकर रॉड से पीट दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान लोग तमाशबीन बने रहे किसी ने भी युवक को बचाने का प्रयास नहीं किया। पीड़ित भर्ती है।

घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के बिनौर मार्ग की है। बुधवार रात को नल नई बस्ती निवासी जाने आलम पुत्र मोबिन पाशा पर बिजनौर मार्ग पर कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने पहले उसे रोका और फिर सड़क पर गिराकर लाठी-डंडों व रॉड से मारपीट की। हमले के दौरान आसपास मौजूद लोग मूकदर्शक बने रहे। घटना को वहां से गुजर रहे राहगीरों ने अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि युवक ने कुछ समय पहले प्रेम विवाह किया था, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते हमला किया। पीड़ित के पिता ने नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एएसपी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि मामले में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले आरोपी फैज को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि हमला करने वाला मुख्य आरोपी फरार है उसकी गिरफ्तारी की जाएगी।

सांसद के सेवा केंद्र पर मैनेजर पर चाकू से हमला

अमरोहा, अमृत विचार : रजबपुर थाना क्षेत्र में स्थित सांसद कंवर सिंह तंवर के सेवा केंद्र पर मैनेजर पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में मैनेजर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के हिरणपुरा गांव निवासी श्यामवीर सिंह सांसद कंवर सिंह तंवर के सेवा केंद्र पर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। आरोप है कि केंद्र पर काम करने वाले रसोईया अमरीश सैनी ने किसी बात को लेकर उन पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि 29 अप्रैल की आरोपी ने चाकू से श्यामवीर सिंह के सिर और चेहरे पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी, जिसके आधार पर रजबपुर थाने में आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गंगा एक्सप्रेसवे पर वाहनों की रफ्तार तेज, टोल से राहत

हसनपुर, अमृत विचार: मंगरोला में स्थित गंगा एक्सप्रेस में टोल बूथ उद्घाटन के बाद से ही गंगा एक्सप्रेसवे पर वाहनों का भारी दबाव और तेज रफ्तार का सिलसिला जारी है। एक्सप्रेसवे की आधुनिक और स्मूथ सड़क मिलने के कारण चालक अपनी गाड़ियों को फर्राटे भरते हुए दौड़ा रहे हैं।वर्तमान में इस एक्सप्रेसवे पर टोल टैक्स की वसूली शुरू नहीं हुई है, जिसका फायदा उठाते हुए बड़ी संख्या में वाहन चालक बिना किसी शुल्क के यात्रा का आनंद ले रहे हैं।

सड़क की बेहतरीन गुणवत्ता के चलते कई वाहन चालक निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज गाड़ी चलाने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं, जो चिंता का विषय है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने पूरी तैयारी की है।एक्सप्रेसवे पर किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस और क्रेन की तैनाती की गई है। जगह-जगह सुरक्षा टीमें और रेस्क्यू वाहन मुस्तैद हैं ताकि दुर्घटना की स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। हालांकि, प्रशासन ने अपील की है कि अति-उत्साहित न हों और यातायात नियमों का पालन करें।

स्कूल वाहन का स्टेयरिंग फेल चालक की मौत, एक घायल

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वाहन।

अमृत विचार: डिडौली थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में जुगाड़ वाहन चालक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। हादसा जोया-बम्बूगढ़ मार्ग पर पतखोई गांव के पास हुआ, जब एक स्कूल वाहन का स्टेयरिंग अचानक फेल हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसा डिडौली कोतवाली क्षेत्र में पतखोई गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब आठ बजे अमरोहा की ओर जा रहा टाटा मैजिक स्कूल वाहन अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे से टकराया। इसी दौरान सामने से आ रहे जुगाड़ वाहन से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे में जुगाड़ वाहन चला रहे दिलशाद (37) पुत्र रियाज निवासी मोहल्ला अहमद नगर, थाना अमरोहा नगर की मौत हो गई। उनके साथ सवार उनके साढ़ू दानिश निवासी दिल्ली दरवाजा, थाना नखासा (संभल) घायल हो गए। घटना के बाद स्कूल वाहन का चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर डिडौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र बालियान ने बताया कि मामले में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

प्रदूषण के खिलाफ प्रदर्शन 131वें दिन भी जारी

- भाकियू संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने जुबिलेंट फैक्ट्री के खिलाफ दी तहरीर

संवाददाता, गजरौला

थाना प्रभारी को तहरीर देते भाकियू कार्यकर्ता। • अमृत विचार

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों का प्रदूषण के खिलाफ धरना प्रदर्शन गुरुवार को 131वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान नाईपुरा की किसान महिलाओं ने कहा कि जुबिलेंट फैक्ट्री ने जमीन में बोरवेल के जरिए केमिकल युक्त जहरीला पानी डालकर 300 फीट तक का पानी जहरीला कर दिया है, जिसे पीकर गंभीर बीमारियां हो रही हैं। शुद्ध पेयजल के लिए 131 दिन से धरना दिया जा रहा है। जिला प्रशासन व उत्तर प्रदेश की सरकार ने अभी तक इसका संज्ञान नहीं लिया है।

गजरौला क्षेत्र के लाखों लोग बीमारियों से ग्रस्त हैं। लेकिन फैक्ट्री के ऊपर कार्रवाई नहीं की जा रही है और ना ही फैक्ट्री को जमीन में पानी डालने के लिए रोका जा रहा है। यदि फैक्ट्री ने जमीन में पानी डालना बंद नहीं किया तो गजरौला क्षेत्र की महिलाएं फैक्ट्री के आगे धरना लगाने को मजबूर होंगी। जिले में जंगल राज सा फैल चुका है। प्रशासन जनता के हित में नहीं, फैक्ट्रियों के हित में खड़ा नजर आ रहा है। चुनाव में वोट की चोट से इन क्षेत्रीय नेताओं को और सरकार को जवाब देने के लिए तैयार हैं। जल्द समाधान नहीं किया गया तो किसान और महिला किसान उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे। थाने पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार को जुबिलेंट फैक्ट्री के खिलाफ तहरीर दी। इस दौरान रिंकी रावत, प्रकाशो, चांदनी, अकबरी, वकीला, नूर जहां बेगम, नफीसा, मुनीजा, नजमा, देवेंद्र, मुनेश, कुसुम बानो, कुसुम, सवरी, सूरजमुखी, अंजुम, मुसर्रत, फरजाना, सवारा, गंगाराम, शमसुद्दीन, मुनी सलमानी, सोमपाल, विजय चौधरी, अमन, संदीप, अयूब, फैसल, आदिल, अजय पाल, अंकित, होमपाल सिंह, रामप्रसाद, ओमप्रकाश, जीशन, राष्ट्रीय प्रमुख अरुण सिधु, प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान, मंडल अध्यक्ष अहसान अली आदि किसान मौजूद रहे।

निष्ठा के साथ पूरा करें गन्ना सर्वेक्षण कार्य

संभल/रजपुरा, अमृत विचार: डीएसएम शुगर रजपुरा में गन्ना सर्वेक्षण को प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद संभल के जिला गन्ना अधिकारी, वरिष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, गन्ना समिति रजपुरा के सचिव और चीनी मिल के वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में गन्ना विकास विभाग के अधिकारी, आईटी हेड, मुख्य गन्ना प्रबंधक, समिति के सुपरवाइजर और फील्ड स्टाफ ने भाग लिया। प्रशिक्षण में गन्ना सर्वेक्षण की प्रक्रिया, डेटा संकलन, जीपीएस सर्वे और ऑनलाइन रिपोर्टिंग पर चर्चा की गई।

इमाम अली रज़ा की यौमे विलादत मनाई

संवाददाता, सैदनगली

जश्न में तकरीर करते मौलाना • अमृत विचार

अमृत विचार: नगर के इमामबारगाह दादे हिमायत अली मे आठवें इमाम हजरत अली रज़ा अलैहिस्सलाम की यौमे विलादत के सिलसिले से एक नूरानी जश्न का आयोजन हुआ।

जश्न का आगाज़ गुलाम सैयदेन रिज़वी ने हदीसे किसा की तिलावत और खुदा की हम्द से किया। नाते रसूल रियाजुल हसन ने पढ़ी। नाते पाक के बाद अम्मार हैदर रिज़वी, मुहम्मद अब्बास, गुलाम हैदर रिजवी, हसन मेहदी, दावर अब्बास, मुहम्मद हैदर, जाफ़र अब्बास, सफदर अली, मिसाल अब्बास, शबीह हैदर, सुहैल अब्बास, डॉ लईक हैदर आदि ने कलाम पढ़े। मौलाना कम्बर अली ने तक़रीर मे कहा कि आठवे इमाम अली रजा की विलादत 11 जीकाद को हुई थी इमाम का नाम अली है और मशहूर लक़ब रज़ा है। इमाम का रोजा ईरान के शहर मशहद मे है जहां पूरी दुनिया भर के लोग ज़्यारत करने के लिए जाते हैं। मौला रजा ने दुनिया को मानवता, भाईचारे का संदेश दिया। मुल्क व कौम की तरक्की के लिए दुआ कराकर जशन का समापन हुआ द्य इस मौके पर काफी तादाद मे लोग मौजूद रहे।

परिवारों में संस्कारित वातावरण के बिना हिंदू राष्ट्र की कल्पना असंभव

- राष्ट्र सेवी की ओर से गायत्री यज्ञ

संवाददाता, हसनपुर

यज्ञ में आहुति डालते श्रद्धालु। • अमृत विचार

अमृत विचार: ब्लॉक क्षेत्र के गांव नगलिया मुंशी में राष्ट्र सेवी संगठन के द्वारा गायत्री यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। विश्व शांति की कामना के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने यज्ञ कुंड में आहुतियां अर्पित की।

गुरुवार को शांतिकुंज हरिद्वार के साधक एवं यज्ञ पुरोहित संजय गोयल ने कहा कि गांवों में देवस्थान तो बने हुए हैं। लेकिन सामूहिक आयोजनों के अभाव में वे सूने पड़े रहते हैं। उन्होंने धार्मिक स्थलों पर सप्ताह में कम से कम एक बार सामूहिक प्रार्थना व सत्संग करने का आह्वान किया।संजय गोयल ने संस्कारों पर जोर देते हुए कहा, कि परिवारों में संस्कारित वातावरण का निर्माण, नियमित साधना और यज्ञ के बिना शांति संभव नहीं है। बिना संस्कारों के भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में देखना असंभव है।कार्यक्रम में राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, रूपचंद्र चौहान, निर्दोष देवी, पुष्पा देवी, कुसुमलता, गायत्री देवी, ओमपाल सिंह, छत्रपाल सिंह, थल प्रकाश व कैलाश सिंह आदि उपस्थित रहे।

ट्रेड डील के विरोध में भाकियू (चढूनी) का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

अमरोहा, अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित किसान ट्रेड डील के विरोध में जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरनाम सिंह चढूनी के आह्वान पर जिलाध्यक्ष राहुल सिद्धू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान और पदाधिकारी एकत्र हुए और प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने ट्रेड डील के विरोध में नारेबाजी की और इसे किसान विरोधी बताते हुए तत्काल निरस्त करने की मांग की। जिलाध्यक्ष राहुल सिद्धू ने कहा कि डील किसानों और मजदूरों के हितों के खिलाफ है, जो स्वीकार नहीं। आशंका जताई कि इस तरह की ट्रेड व्यवस्था लागू होने पर देश के किसानों की आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है।

समारोह से चोरी हुई बाइक बरामद, दो शातिर चोर गिरफ्तार

हसनपुर, अमृत विचार: संभल के थाना हयातनगर स्थित गाव कमालपुर सराय शाहपुर निवासी गोविंद कुमार पुत्र देवराज सिंह 26 अप्रैल को सिरसा गुर्जर गांव में रिश्तेदारी में शादी में शामिल होने आए थे। यहां से उनकी बाइक अज्ञात चोरों ने पार कर दी थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम लगी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गजरौला रोड स्थित एक बंद पेट्रोल पंप के समीप से कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर निवासी जगत सिंह पुत्र चुन्ना और राजू पुत्र शिवकुवर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की बाइक बरामद की गई। पुलिस टीम में शामिल कांस्टेबल दीपेश, आकाश और आनंद तोमर की तत्परता से इस चोरी का सफल अनावरण हुआ। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

करंट से संविदा लाइनमैन की मौत

- जलालपुर बिजलीघर पर करीब तीन घंटे रखा शव, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: शटडाउन लेने के बावजूद 11 केवी लाइन में करंट दौड़ने पर लाइन जोड़ रहे संविदा लाइनमैन की मौत के मामले में पुलिस ने बिजलीघर के लाइनमैन व एसएसओ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात आई भयंकर आंधी से क्षेत्र के जलालपुर बिजलीघर की आपूर्ति से जुड़े गांव यकबगडी में 11 केवी की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। जलालपुर गांव निवासी 28 वर्षीय संविदा लाइनमैन नितिन सैनी बुधवार सुबह शटडाउन लेकर साथी लाइनमैन निपेंद्र के साथ यकबगडी में टूटी लाइन को जोड़ने गया था। बताया जाता है कि नितिन लाइन जोड़ ही रहा था कि करंट आने से उसे जोरदार झटका लगा। झुलसकर मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जानकारी पर पहुंचे परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जलालपुर बिजलीघर पर करीब तीन घंटे तक शव रखकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। मौके पर पहुंचे विभागीय अधिकारियों ने मृतक लाइनमैन के परिवार को डेढ़ लाख रुपये की मदद दी। सूचना पर पहुंचे पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने किसी तरह गुस्साए लोगों को शांत कराया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मामले में मृतक की पत्नी प्रीति की तहरीर पर बिजलीघर पर तैनात एसएसओ सचिन कुमार निवासी गांव बल्दाना व लाइनमैन निपेंद्र कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

विद्युत लाइन से निकली चिंगारी, 70 क्विंटल राख

रहरा, अमृत विचार : खेत के ऊपर से होकर गुजर रही विद्युत लाइन की चिंगारी से एक किसान का करीब 70 क्विंटल भूसा जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान की आर्थिक मदद की मांग की है। आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव करनपुर खादर निवासी चंद्रपाल पुत्र बलवंत सिंह के गांव से करीब 200 मीटर दूर खेत में गेहूं निकासी के बाद करीब 60 से 70 क्विंटल भूसे का ढेर पड़ा हुआ था। जिसके ऊपर से विद्युत लाइन गुजर रही है। सुबह करीब 11 बजे जर्जर तार टूट कर अचानक जमीन पर गिर गया। विद्युत तार से निकली चिंगारी की वजह से लगी आग से किसान का करीब 70 कुंतल भूसा जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर को पाया। स्थानीय लोगों ने जर्जर विद्युत लाइन की मरम्मत की मांग करते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से उसके नुकसान की भरपाई की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

आंबेडकर शोभायात्रा के दौरान किशोर पर जानलेवा हमला

बबराला अमृत विचार : गुन्नौर कस्बे में बुधवार शाम भीमराव आंबेडकर शोभायात्रा के दौरान एक किशोर पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला टंकी निवासी प्रेमशंकर ने बताया कि 29 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे उनका बेटा शिवम(15) आंबेडकर जयंती की रैली में शामिल था। इसी दौरान मोहल्ला अस्पताल क्षेत्र के रहने वाले सलीम, राशिद और रिहान ने उससे पानी मांगने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर तीनों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए शिवम के साथ मारपीट की और रैली न निकलने देने की धमकी दी। विरोध करने पर आरोपियों ने चेन से सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। परिजनों के मुताबिक, मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह उसकी जान बचाई। घायल किशोर की हालत गंभीर बताई जा रही है। पीड़ित के पिता ने आरोप लगाया कि आरोपी पहले भी विवादित और आपराधिक प्रवृत्ति के रहे हैं, जिससे उनके बेटे की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच क्षेत्राधिकारी के निर्देशन में की जा रही है।

ट्रक की टक्कर से ई-रिक्शा चालक समेत तीन छात्राएं घायल

चंदौसी , अमृत विचार : बदायूं रोड पर गुरुवार की दोपहर ट्रक ने ई रिक्शे में टक्कर मार दी। जिससे चालक व उसमें सवार तीन छात्राएं घायल हो गई। सभी का उपचार निजी अस्पताल में कराया गया। गुरुवार की दोपहर आईटीआई की छुट्टी होने पर ई रिक्शे से अपने गांव जा रही थी। जब ई बदायूं रोड पर पहुचा तो सामने से आ रहे ट्रक ने ई रिक्शे में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक को भगा ले गया। जिसे पुलिस ने बदायूं चुंगी पर पकड़ लिया। टक्कर लगने से ई रिक्शा चालक चंद्रपाल पुत्र मेवाराम निवासी गांव खेड़ादास थाना फैजगंज बेहटा जनपद बदायूं छात्रा चंचल, रितु व मोनिका घायल हो गई। जिनको उपचार के लिए पास के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में ट्रक स्वामी भी अस्पताल पहुंच गया। जिसने सभी का उपचार कराया।

ई-फार्मेसी के विरोध में 20 को बंद

कार्यालय संवाददाता,संभल

संभल में केमिस्टों की बैठक को संबोधित करते संदीप कुमार शर्मा। ● अमृत विचार

● **सीनियर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने बनाई रणनीति**

अमृत विचार: सीनियर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की बैठक का आयोजन ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एवं ओसीडीयूपी के बैनर तले किया गया। बैठक में अवैध ई-फार्मेसी के बढ़ते दायरे और उससे छोटे केमिस्टों की आजीविका पर पड़ रहे असर के विरोध में 20 मई को प्रस्तावित बंद को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई।

अध्यक्ष नवनीत कुमार शर्मा उर्फ संदीप शर्मा ने कहा कि कोविड काल में जारी जीएसआर 220 के प्रावधानों के बावजूद देश में अवैध ई-फार्मेसी का संचालन लगातार जारी है, जो छोटे व्यापारियों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। 20 मई को प्रस्तावित बंद केवल व्यापारिक मुद्दा नहीं है, बल्कि जनस्वास्थ्य और दवा की गुणवत्ता की रक्षा का एक बड़ा आंदोलन है। आशंका जताई कि ऑनलाइन दवाओं की आड़ में नकली, मिलावटी और चोरी की दवाओं की बिक्री बढ़ रही है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। सरकार से मांग की कि अवैध ई-फार्मेसी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और ऑनलाइन दवा बिक्री के लिए सख्त नियम लागू किए जाएं। चेयरमैन प्रदीप रस्तोगी ने कहा कि आंदोलन शांतिपूर्ण किया जाएगा। उपाध्यक्ष राजीव रस्तोगी ने कहा कि संगठन की मजबूती ही इस संघर्ष की सफलता सुनिश्चित करेगी। गौरव टंडन व सुमित राजा ने सभी से सहयोग की अपील की। संगठन मंत्री मोहम्मद शम्सी ने नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 का बोर्ड प्रत्येक केमिस्ट दुकान पर लगाने को कहा। बैठक में सुमित राजा, प्रवीण वार्ष्णेय, गौरव टंडन, राजीव रस्तोगी, मोहम्मद शम्सी, साजिद अहमद, सईद अहमद, अजय यादव, अनिल कुमार, नफीस अहमद, मोहम्मद जीशान, यासिर अहमद, जीशान चौधरी, सिद्धांत त्रिवेदी, मनोज मेनू, विशाल पाठक, मुज़म्मिल चौधरी, अंकुर मेहरोत्रा सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

12वीं में मुस्कान, केशव व लक्ष्य प्रताप बने जिला टॉपर

कार्यालय संवाददाता,संभल/चंदौसी

चंदौसी में हाईस्कूल की टॉपर छात्रा को मिठाई खिलाते स्कूल स्टाफ। ● अमृत विचार

आकृषि

मुस्कान यादव

केशव

● **हाईस्कूल में आकृषि वार्ष्णेय को मिले सबसे अधिक अंक**

अमृत विचार: आईसीएसई बोर्ड की इंटरमीडिएट व हाईस्कूल परीक्षा का परिणाम गुरुवार को घोषित हो गया है। चंदौसी सेक्रेड हार्ट कांवेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने बाजी मारी। जिससे परिवार में खुशी का माहौल है।

हाईस्कूल परीक्षा में आकृषि वार्ष्णेय ने 97.4 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, कुशाग्र अग्रवाल ने 96.5 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा, सुमेधा अग्रवाल ने 95.8 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जबकि इंटर में मुस्कान यादव, केशव वार्ष्णेय, लक्ष्य प्रताप सिंह ने 96.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं दर्पण वार्ष्णेय ने 95.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा तथा पुरुषार्थ राना ने 95. 25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। गुरुवार को परीक्षाफल घोषित होते ही इन बच्चों का खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उनका कहना था कि आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई है। सभी बच्चों के घर में खुशी का माहौल है और उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ था। प्रधानाचार्य सिस्टर टेरेसा व उप प्रधानाचार्य सिस्टर टोवल,शिक्षक दीपक कुमार व शशांक वार्ष्णेय ने सभी मेधावी छात्र व छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

क्या कहती हैं हाई स्कूल की टॉपर

छोटेलाल कालोनी निवासी आकृषि वार्ष्णेय ने 97 .4 प्रतिशत अंक लेकर जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पिता स्वास्थय विभाग में नौकरी करते हैं, तो मां सरकारी स्कूल में सहायक अध्यापिका है। स्कूल के अलावा प्रतिदिन पांच से छह घंटे तक नियमित पढ़ाई करते थे। अब इंटर बायो ग्रुप से करके भविष्य में डाक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहते हैं। उनका मानना है कि कठिन परिश्रम से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

क्या कहती हैं इंटरमीडिएट की टॉपर

आवास विकास निवासी मुस्कान यादव के पिता विनोद कुमार यादव बैंक में नौकरी करते है। जबकि मां ममता गृहिणी। मुस्कान ने 96 .5 प्रतिशत अंक प्राप्त करके जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुस्कान नीट की तैयारी कर रही है और डॉक्टर बनना चाहती है। वह बताती है कि नियमित सात से आठ घंटे पढ़ाई करती थे। अगर कठिन परिश्रम किया जाए तो निश्चित ही सफलता मिलेगी।

बिजली संकट पर फूटा किसानों का गुस्सा, सब स्टेशन पर धरना प्रदर्शन

विद्युत आपूर्ति का समाधान न होने पर सड़क जाम करने की दी चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, संभल

बिजली घर पर धरना-प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिले में गहराते बिजली संकट को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ने लगा है। भारकियू असली के बैनर तले किसानों ने बिजलीघर पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों का कहना है कि लगातार हो रही अघोषित कटौती और अनियमित आपूर्ति के चलते उनकी खड़ी फसलें बर्बाद हो रही हैं।

धरने का नेतृत्व कर रहे प्रदेश प्रवक्ता जयवीर सिंह यादव ने कहा कि 'ईस्ट वन' फीडर से जुड़े करीब 10 से 12 गांवों में बिजली की स्थिति बेहद खराब है। दिन में पर्याप्त बिजली न मिलने के कारण किसान समय पर सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। किसानों ने 24 तारीख को एक्सईएन संभल को ज्ञापन सौंपकर बिजली आपूर्ति में सुधार, तय समय पर और विशेष रूप से दिन में बिजली उपलब्ध कराने की मांग की थी। आरोप लगाया कि 30 तारीख तक न तो कोई अधिकारी किसानों से मिलने पहुंचा और न ही बिजली आपूर्ति में कोई सुधार हुआ। इससे किसानों में नाराजगी और अधिक बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा गांवों में 18 घंटे और कृषि कार्य के लिए 10 घंटे बिजली देने के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं।

संजीव गांधी ने कहा कि जमीनी हकीकत यह है कि किसानों को महज तीन से चार घंटे ही कृषि कार्य के लिए बिजली मिल पा रही है। जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह यादव ने कहा कि मक्का, मेंथा और सब्जी की फसलें सूखने लगी हैं। बीज, खाद और सिंचाई पर भारी लागत लगाई है, लेकिन बिजली की कमी के चलते मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। धरने पर बैठे किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। जरूरत पड़ने पर अनिश्चितकालीन धरना देकर सड़क जाम करेंगे।

न्यूज डायरी

बेमौसम बारिश से चंदौसी में स्टेशन रोड पर जलभराव

अमृत विचार : चंदौसी शहर में गुरुवार की शाम दस मिनट हुई बारिश से स्टेशन रोड पर जल भराव हो गया। जिससे लोगों को आने-जाने में काफी दिनों का सामना करना पड़ा। शहर में गुरुवार को मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। सुबह बादल होने के साथ - साथ बूंदाबादी हुई थी। दोपहर में धूप निकली, लेकिन तेजी नहीं थी। शाम पांच बजे अचानक आंधी आई और बिजली की गडगड़ाहट के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। करीब दस मिनट हुई बारिश से स्टेशन रोड पर जल भराव हो गया। जिससे लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। घंटे बाद भी आवागमन सुचारू नहीं हो सका।

चंदौसी चौराहा को वंदे मातरम चौक घोषित करने की मांग

संभल, अमृत विचार : प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक वंदे मातरम चौक स्थापित करने की मुहिम के तहत संभल के चंदौसी चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित करने की मांग उठाई गई है। विश्व हिंदू महासंघ के बैनर तले पदाधिकारी जिलाध्यक्ष महेश शर्मा के नेतृत्व में नगरपालिका कार्यालय पहुंचे और अधिशासी अधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग को प्रमुखता से रखा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि यह कोई आंदोलन या विरोध प्रदर्शन नहीं है, बल्कि राष्ट्रभावना से जुड़ी एक सकारात्मक पहल है। इसके तहत पूरे उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक वंदे मातरम चौक स्थापित करने की मांग की जा रही है, ताकि लोगों में देशभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस संबंध में डीएम को भी ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई निर्णय न होने पर संगठन ने एक बार फिर प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया है। हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन पहले से किसी शहीद, स्वतंत्रता सेनानी या महान योद्धा के नाम पर किसी चौराहे का नामकरण करने की योजना बना चुका है, तो संगठन किसी अन्य प्रमुख चौराहे को भी चिन्हित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस दौरान धर्मपाल सिंह, विनोद नाथ, प्रेम राज सिंह, प्रकाश चंद्र शर्मा, सुधीर कुमार शर्मा, रजत तिवारी, सुमित ठाकुर, राकेश वाष्र्णेय, रविशंकर ,अशोक शर्मा, रिंकू प्रधान, ठाकुर अशोक, प्रमोद प्रधान आदि मौजूद रहे।

सेमिनार में हुई बाल रोग व गुर्दा रोग पर चर्चा

चंदौसी, अमृत विचार : आटा माल स्थित एक रेस्टोरेंट में गुरुवार को आईएमए के तत्वाधान में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में स्थानीय चिकित्सक जुटे और रोगों और उनके इलाज पर चर्चा की गई। आईएमए चंदौसी द्वारा बाल रोग चिकित्सा, गुर्दा रोग एवं दर्द निवारण पर मेडिकल सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि म डॉ . तरुण पाठक सीएमओ संभल रहे।जिन्होंने दी प्रजवलित कर सेमिनार का शुभारंभ किया। सेमिनार में डा . अर्जुन अग्रवाल, डा . अंकित सिंघल, डा . निदा खान ने बाल रोग, गुर्दा रोग व दर्द निवारण रोग पर चर्चा की। इस दौरान स्थानीय चिकित्सा चिकित्सकों द्वारा संबंधित रोग के बारे में विशेषज्ञ चिकित्सकों से विभिन्न प्रकार की जानकारी ली। इस दौरान आईएमए के अध्यक्ष डा . सर्वेश सक्सैना, सचिव डा . शशांक चौधरी समेत शहर प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद रहे।

अवैध ई - रिक्शा संचालन पर प्रतिबंध लगाने की मांग

चंदौसी , अमृत विचार : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई ने गुरुवार को नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें अवैध ई रिक्शा को तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने बताया कि शहर में बिना रजिस्ट्रेशन के दौड़ रहे ई-रिक्शा और उनके कारण लगने वाले भीषण जाम से आम जनता और व्यापार बेहद प्रभावित हो रहा है। बड़ी संख्या में अवैध और बिना रजिस्ट्रेशन वाले ई-रिक्शा सड़कों पर चल रहे हैं। इसके कारण मुख्य मार्गों जैसे आजाद रोड, मालगोदाम मार्ग और फव्वारा चौक बड़ा बाज़ार पर रोजाना घंटों का भारी जाम लग रहा है। कई नाबालिग और अप्रशिक्षित चालक लापरवाही से ई-रिक्शा दौड़ा रहे हैं। उपयोग भारी समान ढोने के लिए किया जा रहा है। जिससे कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है। बड़ी घटना का इंतजार ना करते हुए पंजीकृत ई रिक्शा ही नगर में प्रवेश दिया जाए। अधिशासी अधिकारी धर्मराज राम ने आश्वासन दिया की तत्काल प्रभाव से अपंजीकृत ई रिक्शा पर कार्रवाई की जाएगी और नगरपालिका में पंजीकरण किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में आकाश आहूजा, निशांत शर्मा, रितिक शुभम अग्रवाल, गोविंद, तुषार क्रिस्टल आदि मौजूद रहे।

मंदिरों के पुजारियों को मिले वेतन एवं भत्ता

चंदौसी, अमृत विचार : नगर में राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संगठन विस्तार को लेकर घंटाघर मंदिर पर एक बैठक की गई। बैठक में पुजारियों को वेतन व अन्य भत्ते की मांग उठाई गई। बैठक में राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने बताया कि राष्ट्रीय पुजारी परिषद का गठन कोरोना काल में हुआ था। सरकार से पुजारी को 40000 रुपए वेतन प्रति माह मिलने एवं मंदिरों का संरक्षण सरकार द्वारा किए जाने की मांग की। कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 20 अप्रैल 2022 को पुजारी एवं पुरोहित कल्याण बोर्ड बनाने की घोषणा को अति शीघ्र क्रियाशील करवाना। देश के सभी बड़े-बड़े मंदिर सरकार के अधीन है। उनसे होने वाली आमदनी में से 50 प्रतिशत छोटे मंदिरों पर खर्च हो। संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने चंदौसी नगर का संगठन का विस्तार करते हुए उपाध्यक्ष अरविन्द मिश्रा, शिवओम तिवारी महामंत्री, विवेक उपाध्याय, मंत्री, गौरव शर्मा, कमल शर्मा प्रचार मंत्री, हर्ष को उपाध्यक्ष की घोषणा की। हरिओम शर्मा ने की व संचालन पुजारी अमरपाल शर्मा ने किया। पुजारी महेंद्र, पंडित हिरदेश शर्मा, नन्हेंलाल शर्मा, रामसेवक शर्मा, पंडित कमल शर्मा, पंडित मोहित शर्मा, पंडित राजेंद्र प्रकाश शर्मा, सुरेश शर्मा, दीनदयाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

फुटबॉल चैंपियनशिप में बेटियों का जलवा, डीएफए बहजोई बना विजेता

संभल/बहजोई, अमृत विचार : संभल के हिंद स्टेडियम में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया फुटबॉल चैंपियनशिप ने जिले की बालिकाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच दिया। फाइनल में डीएफए बहजोई ने रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में डीएफए संभल को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबलों में अनुशासन, टीम वर्क और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समापन समारोह में पहुंचे संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज के समय में खेल बेटियों के लिए सिर्फ शौक नहीं, बल्कि एक मजबूत करियर विकल्प बन चुका है। आयोजकों ने बताया कि इस चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को राष्ट्रीय स्तर के ट्रायल में भेजा जाएगा।

मौत बनकर आई तेज रफ्तार कार

संवाददाता,संभल

जुनावई में हादसे के बाद टूटी चारपाई व पलटा ई रिक्शा।

मृतक सलीम व अलशिफा।

● **मौत बनकर आई तेज रफ्तार कार**
● **पल भर में ली पिता-पुत्री की जान**

अमृत विचार: जुनावई क्षेत्र के दुवारी कला गांव में बुधवार रात का सन्नाटा एक तेज धमाके से टूट गया और कुछ ही पलों में खुशहाल परिवार मातम में बदल गया। गर्मी के चलते गांव के अधिकांश लोग घरों के बाहर चारपाई डालकर सो रहे थे। मुख्य मार्ग के किनारे बसे घरों के लोग अक्सर सड़क के पास ही रात बिताते हैं, लेकिन इस बार यही आदत एक परिवार के लिए जानलेवा साबित हो गई।

गांव निवासी सलीम अपनी आठ वर्षीय बेटी अलशिफा के साथ सड़क किनारे चारपाई पर सो रहा था। रात करीब 12:30 बजे, जब पूरा गांव गहरी नींद में था, तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर उनकी चारपाई पर चढ़ गई। हादसा इतना भीषण था कि पिता-पुत्री को संभलने तक का मौका नहीं मिला और दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। तेज धमाके जैसी आवाज सुनते ही गांव के लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। अनहोनी की आशंका से लोग उस दिशा में दौड़े, जहां से आवाज आई थी। मौके पर पहुंचते ही लोगों के होश उड़ गए। चारपाई के पास खून से लथपथ सलीम और उसकी मासूम बेटी पड़े थे। यह दृश्य देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। घटना के बाद कार चालक भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन ग्रामीणों ने उसे घेरकर पकड़ लिया। इस बीच परिवार की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में चीख-पुकार और मातम का माहौल छा गया। जिसने भी यह मंजर देखा, वह स्तब्ध रह गया। थाना प्रभारी धीरज सिंह ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

देश के सामाजिक ताने बाने को बिगाड़ रही भाजपा

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष फिरोज खान के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे फतेहपुर से सांसद और सपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि भाजपा लगातार देश के सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने का काम कर रही है और असल मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही है। संजय निषाद द्वारा अखिलेश यादव पर दिए गए बयान को लेकर उन्होंने कहा कि संजय कब क्या कह दें, इसका कोई भरोसा नहीं है। उनके बयानों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं है। गाजीपुर की घटना का जिक्र करते हुए सपा सांसद ने कहा कि एक पिछड़े वर्ग की बेटी के साथ जिस तरह की घटना हुई, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

संभल में सपा नेता फिरोज खां के आवास पर पत्रकार वार्ता करते नरेश उत्तम पटेल।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बहजोई,अमृत विचार: धनारी थाना क्षेत्र में हाइवे पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

राधे श्याम (40) निवासी ग्राम मझावली थाना बनियाठेर और सुरेश (35) निवासी मुजफ्फरपुर थाना हयातनगर मोटरसाइकिल से भात कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मझावली से गुन्नौर जा रहे थे। धनारी क्षेत्र से आगे पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राधे श्याम गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालात का जायजा लिया।

गंगा एक्सप्रेस वे पर बाइक सवार घायल

बहजोई, अमृत विचार : गंगा एक्सप्रेस वे पर सफर के दौरान एक बाइक सवार युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घायल हो गया। सीएचसी बहजोई से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। दिशांत वैश्य (35) निवासी काजी टोला, अलीगढ़ गंगा एक्सप्रेसवे पर बाइक से यात्रा कर रहा था, तभी वह घायल अवस्था में मिला। घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को बहजोई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

भारतीय ज्ञान परम्परा व मिशन कर्मयोग पर कार्यक्रम आयोजित

मनोटा,अमृत विचार: असमोली ब्लॉक स्थित मुमताज मॉडर्न पब्लिक स्कूल में गुरुवार को भारतीय ज्ञान परंपरा एवं मिशन कर्मयोग विषय पर प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वामी कृष्णानंद झा ने विद्यार्थियों को जीवन के मूल उद्देश्य और कर्मयोग के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। वर्तमान में शिक्षा के व्यवसायीकरण पर चिंता जताते हुए उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनः स्थापित करने की आवश्यकता बताई। स्वामी जी ने विद्यार्थियों को कर्मयोगी बनकर समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाने का संकल्प लिया।

टाटा मैजिक की टक्कर से बाइक सवार छात्र घायल

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: गजरौला मार्ग पर सड़क हादसे में कोचिंग जा रहे दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी बाइक को एक मिनी टाटा मैजिक ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों भाई बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को नगर के सीएचसी में भर्ती कराया गया है। गुरुवार की सुबह गजरौला मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप के समीप सैदनंगली थाना क्षेत्र के गांव तुगलकाबाद निवासी विजेंद्र सिंह के पुत्र आजाद और शिवकुमार अपनी बाइक से केसीसी एकेडमी में कोचिंग के लिए जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक मिनी टाटा मैजिक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगने के बाद दोनों भाई सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायलों को तत्काल नगर के सीएचसी में भर्ती कराया गया।

बाइक ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, चालक घायल

हसनपुर, अमृत विचार : हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के मनौटा चौकी क्षेत्र के गांव में सड़क हादसे में युवक घायल हो गया। गांव निवासी युवक गुरुवार की दोपहर बाद अपने गांव से लिंक मार्ग गजरौला मार्ग पर आ रहा था इसी दौरान बुल्ले खां के बाग सामने एक तेज रफ्तार बाइक ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में कोतवाली क्षेत्र के गांव आगापुर उर्फ याकूबपुर निवासी ई-रिक्शा चालक मोहम्मद हसन पुत्र कल्लू, निवासी गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

महिला सशक्तिकरण पर बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान परिसर में विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन करते सत्ता पक्ष के सदस्य।

सरकार के खिलाफ विरोध जताते विपक्षी पार्टियों के सदस्य। अमृत विचार

राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बना विशेष सत्र

विधानसभा : सत्ता और विपक्ष में सीधा टकराव, तेज रही बयानों की धार, इतिहास से लेकर नीयत तक पर उठाए गए सवाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: महिला सशक्तिकरण पर बुलाए गए विशेष सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा का माहौल गुरुवार को पूरी तरह सियासी टकराव में तब्दील रहा। कार्यवाही शुरू होते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए।

विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा के लोग महिला सम्मान की बात करते हैं, लेकिन यही लोग थे जब बसपा ने सपा से समर्थन वापस ले लिया था तो सपा के गुंडे स्टेट गेस्ट हाउस में मायावती को सिलिंडर लीक कर जान से मारना चाहते थे। ये लोग अब महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं। स्व. फूलन देवी को डाकू बना देने में इन्हीं सपा के लोगों का हाथ था। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा ने लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया और अब राजनीतिक कारणों से सवाल उठा रहे हैं। मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने बहस को और तीखा करते हुए कहा कि "इतिहास गवाह है कि महिलाओं ने संघर्ष किया, लेकिन कुछ लोग हर दौर में विरोध की राजनीति करते रहे।" उन्होंने विपक्ष

सदन में बोलते मुख्यमंत्री योगी।

पर सामाजिक विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाया। इस बीच सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय ने भी विपक्षी दलों पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि "मर्यादा भी लौट आए तो कांग्रेस और सपा के आचरण पर शर्माएगी।" उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में नारी शक्ति को कमजोर करने का काम इन्हीं दलों ने किया। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने सदन के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा थी कि महिलाओं को राजनीति में भी अवसर मिले पर सपा-कांग्रेस के कारण ऐसा नहीं हो सका। भाजपा विधायक केतकी सिंह ने कहा कि विपक्ष की ओर से महिला आरक्षण का विरोध करना लोकतंत्र का काला दिन है।

मुद्दा और तेज होने के संकेत

दिनभर चली बहस में साफ दिखा कि महिला आरक्षण का मुद्दा अब केवल विधायी चर्चा नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति और जनसंदेश का माध्यम बन चुका है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश कर रहा है, वहीं विपक्ष इसकी टाइमिंग और क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर रहा है। महिला आरक्षण पर यह विशेष सत्र नीतिगत बहस से ज्यादा राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन में बदलता दिखा। आने वाले चुनावी माहौल में यह मुद्दा और तेज होने के संकेत साफ हैं।

सपा-कांग्रेस महिला विरोधी थे और रहेंगे : पूजा पाल

सपा विधायक पूजा पाल ने कहा कि पीएम मोदी ने देश की आबादी को सम्मान दिलाने का प्रयास किया। विपक्ष में बैठे सपा और कांग्रेस जो खुद को महिला हितैषी बताते हैं, यही लोग इसका विरोध करने लगे। ये लोग दिखा रहे कि ये महिला विरोधी थे, हैं और रहेंगे। उस दिन महिलाएं टीवी पर टकटकी लगाकर देख रही थीं, ये वो महिलाएं थी जो गरीब थीं, किचन में काम कर रही थीं, लेकिन जब बिल पास नहीं हुआ तो उनके मन को ठेस पहुंची। उन्होंने माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाए जाने का जिक्र करते हुए सीएम योगी को धन्यवाद दिया।

सपा कांग्रेस के लोग महिलाओं को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते हैं। कांग्रेस के प्रमुख परिवार की दो-दो महिलाएं संसद की सदस्य हैं और यूपी के प्रमुख विपक्षी दल के नेता के घर की महिला सांसद है, लेकिन वो गरीब महिलाओं का विरोध करते हैं। पूर्व मंत्री राजा भइया ने कहा कि एक दिन वह भी आ सकता है, जब पुरुषों को आरक्षण मांगना पड़ेगा। इस दौरान विधान सभा अध्यक्ष ने तंज कहा कि बेटा बचाओ अभियान शुरू होगा।

विपक्ष ने भी पलटवार में कोई कमी नहीं छोड़ी। कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की घोषणा की जाए। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने इसे "राजनीतिक दिखावा" बताते हुए कहा कि यदि सरकार गंभीर होती तो बिल लागू करने में देरी नहीं होती। सपा के संग्राम यादव ने मुख्यमंत्री के भाषण को "दोहराव" बताते हुए नई नीति की मांग की। सत्र के दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान और राजभर के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे माहौल और गरमा गया। विधानसभा अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो सकी।

सात विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी, सदन पटल पर दी गई जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को विधायी कार्यवाही के दौरान नए विधेयकों के पारित होने के साथ-साथ पूर्व सत्र में पारित महत्वपूर्ण प्रस्तावों को राज्यपाल की मंजूरी मिलने की औपचारिक जानकारी भी सदन पटल पर दी गई। सदन की कार्यसूची के क्रमांक-10 के अंतर्गत प्रमुख सचिव ने घोषणा करते हुए बताया कि विधानसभा और विधान परिषद से पूर्व में पारित कई विधेयकों को राज्यपाल की स्वीकृति मिल चुकी है और वे अब अधिनियम का रूप ले चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, राज्य विश्वविद्यालय द्वितीय संशोधन विधेयक 2026, नगर निगम संशोधन विधेयक 2026, नगर पालिका संशोधन विधेयक 2026, विनियोग विधेयक 2026 तथा राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2026 शामिल हैं। इन सभी को फरवरी 2026 के सत्र में विधानसभा व विधान परिषद से पारित कर राज्यपाल के पास भेजा गया था, जहां 24 फरवरी 2026 को स्वीकृति मिलने के बाद ये विधेयक कानून बन गए। सदन में दी गई इस सूचना का उद्देश्य सदस्यों को यह अवगत कराना था कि जिन विधेयकों पर पूर्व में चर्चा कर मंजूरी दी गई थी, वे अब विधिक रूप से लागू हो चुके हैं। यह प्रक्रिया विधानमंडल की औपचारिकता का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है, जिसके तहत पारित विधेयकों की अंतिम स्थिति सदन के समक्ष रखी जाती है।

विधान परिषद में महिला आरक्षण पर गरमाई बहस, कई सदस्यों ने विचार रखे

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए सरकार प्रयासरत : केशव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य द्वारा प्रस्तुत नारी सशक्तीकरण विरोधियों के आचरण संबंधी निंदा प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में महिला सशक्तीकरण को लेकर गुरुवार को बुलाए गए विशेष सत्र की शुरूआत हुई। नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'नारी सशक्तीकरण विषय पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिस पर पांच घंटे की चर्चा निर्धारित की गई। साथ ही प्रमुख सचिव ने वर्ष 2026 के तेरहवें से अठारहवें अधिनियमों की घोषणा की।

चर्चा की शुरुआत करते हुए नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने की और सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री ने जून 1995 में वीआईपी गेस्ट हाउस प्रकरण से शुरुआत की, 2013 में आरोपी तत्कालीन विधायक अरुण वर्मा गैंगरेप पीड़िता की हत्या का जिक्र किया, संदिग्ध परिस्थितियों में होने वाली मौत को लेकर तत्कालीन सपा सरकार को घेरा। बदायूं में सामूहिक दुष्कर्म कर हत्या की घटना, बुलंदशहर में ईंट-भट्टा हत्याकांड फरवरी 2014, जब महिला ने रेप का विरोध किया तो उस भट्ठे के मालिक आस मोहम्मद ने जिंदा जला दिया था, आदि की चर्चा करते हुए समाजवादियों को महिला आरक्षण बिल का विरोधी की संज्ञा दी।

शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है और इसे लागू किया जाना चाहिए। रालोद के योगेश चौधरी ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए समर्थन किया। सुभासपा के विछे लाल राम ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग दोहराई। भाजपा की प्रज्ञा त्रिपाठी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विधेयक का विरोध महिलाओं का अपमान है। भाजपा सदस्य रमा निरंजन और वंदना वर्मा ने भी महिला सशक्तिकरण में सरकारी प्रयासों को रेखांकित किया। राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी विधेयक के समर्थन में विचार रखे। इसके अलावा भाजपा के भूपेंद्र चौधरी, सपा के राजेंद्र चौधरी और भाजपा के देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी चर्चा में भाग लिया।

दूसरे पहर में जयपाल सिंह व्यस्त की अध्यक्षता में पुनः शुरू सदन की कार्यवाही के दौरान संजय कुमार निषाद, आशीष पटेल, मान सिंह यादव, विजय लक्ष्मी गौतम, हरी सिंह ढिल्लों, अशोक कटियार, अश्वनी त्यागी, संतोष सिंह, नरेन्द्र कश्यप, आकाश अग्रवाल, गोविंद नारायण शुक्ल और लालजी प्रसाद निर्मल सहित कई सदस्यों ने नारी सशक्तीकरण पर अपने विचार रखे।

लोकसभा में पारित बिल लागू हो : सपा

नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने महिला विधेयक को अपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रदेश में महिला अपराध के मामले अधिक हैं और सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है। महिला सम्मान को "दिखावा" करार दिया। उन्होंने बिना परिसीमन के महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने तथा पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को आरक्षण में समुचित भागीदारी सुनिश्चित करने की भी मांग की। सपा सदस्य आशुतोष सिन्हा ने महिला आरक्षण विधेयक की प्रक्रिया का जिक्र करते हुए बताया कि 19 सितंबर 2023 को लोकसभा में पेश होकर 20 सितंबर को पारित, 21 सितंबर को राज्यसभा से मंजूर और 28 सितंबर को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद भी अब तक इसे लागू नहीं किया गया।

निधन पर दी गई श्रद्धांजलि

कार्यवाही के दौरान पूर्व सदस्य अरुण कुमार सिंह मुन्ना और आनंद भूषण सिंह बब्बू राजा के निधन पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। साथ ही पूर्व सदस्य महेन्द्र यादव और मोहसिना खलील किदवई के निधन पर सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

पंकज व धर्मपाल ने देखी कार्यवाही

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: महिला आरक्षण के मुद्दे पर बुलाए गए उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने राज्यपाल दीर्घा में बैठकर कार्यवाही देखी। कार्यवाही के बाद मीडिया से बातचीत में पंकज चौधरी ने विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक महिलाओं के नाम पर राजनीति कर सपा अपना "वास्तविक चेहरा" उजागर कर रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता

विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान राज्यपाल दीर्घा में बैठे भाजपा नेता।

और इसकी मूल भावना समानता व न्याय पर आधारित है।

पंकज चौधरी ने आरोप लगाया कि विपक्ष महिला आरक्षण जैसे गंभीर मुद्दे का भी राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भाजपा इसे महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देने का माध्यम मानती है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग की महिलाओं को समान अवसर मिलना चाहिए और यही भाजपा की नीति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। यह केवल कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और अधिकार सुनिश्चित करने का संकल्प है।

आयुष कॉलेजों में शुरू होगा सोवा रिग्पा पाठ्यक्रम

2500 वर्ष पुरानी चिकित्सा पद्धति की पढ़ाई को बढ़ावा देगी प्रदेश सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। प्रदेश सरकार आयुष कॉलेजों में 2500 वर्ष पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली सोवा रिग्पा (अमची) और सिद्ध पद्धति के पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा को संस्थागत पहचान देना, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित करना और मरीजों को वैकल्पिक उपचार

विकल्प उपलब्ध कराना है।

सरकार की योजना है कि आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के साथ सोवा रिग्पा को भी मुख्यधारा में शामिल किया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि ये पद्धतियां कैंसर, गठिया, मानसिक रोग और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों के पूरक उपचार में प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार के अनुसार पाठ्यक्रम निर्माण, मानकों के निर्धारण और आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। सरकार की मंजूरी मिलते ही चयनित आयुष कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

वाराणसी बनेगा हब

वाराणसी में सोवा रिग्पा का प्रमुख केंद्र विकसित किया जाएगा, जो शोध, प्रशिक्षण और उपचार का समेकित हब होगा।

रोजगार के अवसर

इन पाठ्यक्रमों से युवाओं को नए रोजगार मिलेंगे और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी।

क्या है सोवा रिग्पा

* तिब्बती मूल की प्राचीन चिकित्सा पद्धति
* शरीर-मन संतुलन पर आधारित
* जड़ी-बूटियों व प्राकृतिक तत्वों से उपचार

क्या है सिद्ध पद्धति

* दक्षिण भारत की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली
* वात, पित्त, कफ संतुलन पर आधारित
* आहार व जीवनशैली पर जोर

लापरवाही | वर्ष 2023-24 से पूर्व मनरेगा में पौधरोपण के कार्य 30 फीसद से कम खर्च में फंसे

जियो टैग नहीं हो पाए 5 .41 लाख कार्य

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में वर्ष 2023-24 से पूर्व मनरेगा के तहत कराए गए 5,41,369 कार्यों की जियो टैगिंग नहीं हुई है। इतनी संख्या में आज भी कार्य केंद्र के नरेगा सॉफ्ट पर लंबित हैं। इनमें सबसे ज्यादा कार्य पौधरोपण के बदले नियम के पेंच में फंसे हैं। जिनमें 30 फीसद से कम खर्च हुआ है और जियो टैगिंग इससे अधिक खर्च होने पर पूर्ण होती है।

जिम्मेदार अधिकारी इस प्रगति पर चुप्पी साधे हैं। जबकि, जानकारों की मानें तो वर्ष 2023-24 से पूर्व

● **पहले पौधों की खरीद का बना था एस्टीमेट, बाद में मिले नि:शुल्क**

पौधरोपण अभियान के बदले नियम की वजह से पौधों की खरीद नहीं की गई। पौधे वन विभाग से निशुल्क लेकर लगाए गए। इस कारण पहले से बने एस्टीमेट के अनुसार कार्य में खर्च 30 फीसद से कम आया और द्वितीय जियो टैगिंग नहीं हो पाई। दूसरी वजह पौधरोपण के बाद मौके पर उतने पौधे नहीं मिले। इससे दो साल में अनुरक्षण कार्य में खर्च 30 फीसद से कम हुआ। कई कार्य विवाद की वजह से शुरू नहीं हो पाए या विरोध की वजह से बीच में ठप होने से मानकों के पेंच में पोर्टल पर लंबित रह गए। इस मामले पर मनरेगा मुख्यालय के ज्वाइंट कमिश्नर संजय पांडेय से संपर्क किया तो वह स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाए।

केंद्र ने बनाई गाइडलाइन, गांव-गांव सत्यापन शुरू

दो से तीन वर्षों में स्थलों पर काफी परिवर्तन हो चुका है। यह भी कह सकते कि उतने पौधे व कार्य नहीं हैं। इस वजह से जियो टैगिंग होना मुश्किल है। ऐसी स्थिति में केंद्र ने कार्य पूर्ण करने के लिए गाइडलाइन बनाकर जारी की है। इस क्रम में गांव-गांव भौतिक सत्यापन शुरू हो गया है। सत्यापन के बाद गांव में बैठकें करके रिपोर्ट के आधार पर जियो टैगिंग करके पोर्टल पर कार्य पूर्ण किए जाएंगे।

इन वर्षों के इतने कार्य लंबित

वर्ष 2024-25 में 1,99,265

वर्ष 2025-26 में 3,29,945

मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप, सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ: समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सुधार की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि कई विधानसभा क्षेत्रों में मृतक, डुप्लीकेट, स्थानांतरित और अपात्र मतदाताओं के नाम शामिल हैं। सपा ने रायबरेली की हरचंदपुर और बछरावां तथा झांसी की बबीना सीट का हवाला देते हुए कई बूथों पर अनियमितताओं का दावा किया। इसके अलावा बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में फार्म-19 जमा न होने का मुद्दा भी उठाया गया। सपा ने निर्वाचन आयोग से संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

फसल क्षति पर हजारों किसानों को मिली मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में फसल क्षति से प्रभावित किसानों को राहत देने का अभियान तेज कर दिया गया है। खराब मौसम, अग्निकांड, ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन को सक्रिय रहकर नुकसान का आकलन करने और शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026-27 में अग्निकांड से 8 जिलों में 111.134 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई, जिसमें 668 किसानों में से 51 को

● **प्रभावित किसानों को राहत देने का अभियान तेज**

1.81 लाख से अधिक की राहत दी जा चुकी है। ओलावृष्टि से सबसे अधिक नुकसान हुआ, जहां 13 जिलों में 38,369.72 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई। इसमें 1,07,104 किसानों में से 23,983 किसानों को 14.92 करोड़ से अधिक की सहायता वितरित की गई है। अतिवृष्टि से 9 जिलों में 1,358.678 हेक्टेयर फसल को नुकसान हुआ, जहां 3,920 किसानों में से 1,849 किसानों को 1.09 करोड़ की राहत मिली है। शेष किसानों का आकलन तेजी से किया जा रहा है और उन्हें जल्द सहायता देने की प्रक्रिया जारी है।

न्यूज ब्रीफ

संविधान सम्मत नहीं है नारी वंदन प्रस्ताव

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. विधान परिषद में नारी वंदन प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सपा के सदस्य राजेन्द्र चौधरी

ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे त्रुटिपूर्ण और संविधान सम्मत न होने की बात कही। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित हुआ था, न कि केवल एनडीए सरकार द्वारा। सपा सदस्य ने आरोप लगाया कि भाजपा इस मुद्दे पर भ्रम फैला रही है और वास्तविक आरक्षण लागू करने के बजाय परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। सपा की विचारधारा को राममनोहर लोहिया से जोड़ते हुए कहा कि पार्टी शुरू से महिला समानता और आरक्षण की पक्षधर रही है।

महिला आरक्षण पर सरकार का समर्थन

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने महिलाओं को राजनीति में उचित भागीदारी देने के मुद्दे पर केंद्र

और राज्य की पहल का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला लंबे समय से संसद और विधानसभाओं में लंबित होने पर चिंता भी व्यक्त की, उन्होंने महिला आरक्षण बिल न पास होने को "अति-दु:खद, दुर्भाग्यपूर्ण और चिंतनीय" बताया है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बसपा प्रमुख ने कहा कि इस विषय पर उत्तर प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाना स्वागतयोग्य कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बहुजन समाज पार्टी इस पहल का समर्थन करती है और महिला आरक्षण के पक्ष में है।

पॉलीटेक्निक : आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)-2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पहले यह तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी, जिसे अभ्यर्थियों के हित में बढ़ाकर अब 10 मई 2026 कर दिया गया है। परिषद के सचिव ने बताया कि अभ्यर्थियों और विभिन्न संस्थाओं की मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। साथ ही आवेदन पत्रों में त्रुटि सुधार की तिथियों में भी बदलाव किया गया है। अब अभ्यर्थी 8 मई से 11 मई 2026 तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी परिषद के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर या हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। परिषद के अनुसार, प्रदेश में पॉलीटेक्निक की कुल 2,71,093 सीटों के मुकाबले अब तक करीब 3 .5 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन कर दिया है। साथ ही अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे बढ़ी हुई समय-सीमा का लाभ उठाते हुए समय पर आवेदन करें और आवश्यक सुधार भी निर्धारित अवधि में पूरा कर लें।

धार्मिक स्थलों के लिए 17 परियोजनाएं मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग ने बुलंदशहर, चंदौली और चित्रकूट में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए 997 लाख रुपये की 17 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य धार्मिक स्थलों का कायाकल्प कर वहां बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। बुलंदशहर जिले में 3.15 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें ऊंचागांव के सिद्ध बाबा (काल भैरव) मंदिर, खुर्जा के बौद्ध महासभा संस्थान, डिबाई के मां आशवर देवी मंदिर, शिकारपुर के शिव मंदिर और अनूपशहर के छोटी माता मंदिर का विकास शामिल है। चंदौली में 4.76 करोड़ रुपये की छह परियोजनाएं मंजूर हुई हैं। इसमें शंकर मंदिर, हनुमान मंदिर और काली मंदिर जैसे प्रमुख स्थलों के विकास के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन को भी बढ़ावा देने की योजना शामिल है। चकिया और चहनिया क्षेत्रों में बहुउद्देशीय सुविधाओं का विकास कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था तैयार की जाएगी। चित्रकूट में 2.06 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है। पालेश्वरनाथ मंदिर, राम शैया स्थल, वाल्मीकि घाट और महर्षि आश्रम परिक्रमा पथ जैसे स्थलों के विकास से यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सरकार आस्था और विकास को साथ लेकर काम कर रही है।

अब तक के सभी समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है।

-कार्ल मार्क्स, जर्मन दार्शनिक

विकास का महामार्ग

उत्तर प्रदेश का गंगा एक्सप्रेस वे केवल 594 किमी लंबा राजमार्ग नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक संरचना को पुनर्परिभाषित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसे एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की धुरी कहना अतिशयोक्ति नहीं, परंतु यह तभी संभव होगा, जब सड़क निर्माण के साथ-साथ औद्योगिक, सामाजिक और संस्थागत सुधार समान गति से और साथ-साथ आगे बढ़ें। मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ने वाला यह एक्सप्रेसवे यूपी के पश्चिमी, मध्य व पूर्वी हिस्सों को एक आर्थिक गलियारे में बदलने की क्षमता रखता है।

पहले जहां इन क्षेत्रों के बीच यात्रा में 13 से 14 घंटे लगते थे, अब यह दूरी 6 से 7 घंटे में सिमट सकती है। 120 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति केवल यात्रियों की सुविधा नहीं बढ़ाएगी, बल्कि लॉजिस्टिक्स लागत को घटाकर व्यापार की प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ाएगी। तेजी से माल की ढुलाई होने से कृषि उत्पाद, डेयरी, हस्तशिल्प और लघु उद्योगों को नए और बड़े बाजार मिलेंगे। यह कहना भी सर्वथा उचित है कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के बदलते विकास मॉडल की अभिव्यक्ति है। जो राज्य कभी पलायन और अवसरहीनता के लिए जाना जाता था, वह अब निवेश आकर्षित करने की दिशा में सक्रिय है। एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्रों— जिनमें लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउसिंग, खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई क्लस्टर शामिल हो सकते हैं— स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देंगे, हालांकि इन क्षेत्रों में वास्तविक निवेश और रोजगार सृजन इस बात पर निर्भर करेगा कि भूमि, बिजली, श्रम और नीति स्थिरता कितनी प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जाती है। धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। मेरठ से प्रयागराज, जो कुंभ और संगम के कारण वैश्विक पहचान रखता है का सीधा जुड़ाव तीर्थ यात्रियों के लिए वरदान होगा, परंतु टोल शुल्क का सवाल यहां प्रासंगिक है। यदि टोल अत्यधिक हुआ, तो आम यात्रियों के लिए यह सुविधा सीमित हो सकती है, इसलिए टोल नीति में संतुलन आवश्यक है, ताकि लागत वसूली और सामाजिक समावेशन दोनों साथ चल सकें।

रणनीतिक दृष्टि से शाहजहांपुर के पास 3.5 किमी की हवाई पट्टी इस परियोजना को विशेष बनाती है। आपातकालीन या युद्ध की स्थिति में यह लड़ाकू विमानों के लिए आपातकालीन वैकल्पिक रनवे के रूप में काम कर सकती है, जिससे हिंडन, आगरा और बरेली एयरबेस को लाभ पहुंचेगा, युद्ध या ऐसी स्थितियों में इन सैन्य एयर बेस पर दबाव कम होगा और सामरिक लचीलापन बढ़ेगा। जहां तक इस एक्सप्रेस वे की लागत का प्रश्न है, इसके निर्माण में करीब 37,350 करोड़ रुपये, यानी लगभग 63 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर खर्च हुए हैं। पहली नजर में अधिक लग सकता है, लेकिन भूमि अधिग्रहण, उच्च गुणवत्ता निर्माण, पुलों, इंटरचेंज और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखें, तो यह लागत राष्ट्रीय औसत के अनुरूप ही है। असली सवाल लागत नहीं, बल्कि निवेश पर मिलने वाले सामाजिक-आर्थिक प्रतिफल का है। वस्तुतः गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए 'सड़क' से अधिक 'संभावनाओं का मंच' है। यह विकास का गेटवे तभी बनेगा, जब इसके किनारे उद्योग, कौशल और निवेश की वास्तविक धारा बहे।

प्रसंगवश

गौतम बुद्ध एवं उनके समकालीन मत

डॉ. सुभाष चंद्र
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

जिस वक्त सिद्धार्थ ने प्रव्रज्या ली, उस समय मानसिक जगत में बहुत उथल-पुथल मची हुई थी। देश में अलग-अलग दर्शन की बासठ परंपराएं विद्यमान थीं। इनमें से कम से कम छः ध्यान देने योग्य थीं। इन दार्शनिक परंपराओं में से पहली परंपरा के मुखिया का नाम पूर्ण-काश्यप था। इनका मत अक्रियावाद कहलाता था। उनका विचार था कि 'कर्म' का 'आत्मा' पर किसी भी तरह से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दूसरी परंपरा नियतिवाद के नाम से जानी जाती थी। इसके मुख्य उपदेशक मक्खली गोसाल थे। इनका मत 'भाग्यवादी' या 'पूर्व निश्चयवादी' था। इनके अनुसार न कोई कुछ कर सकता है और न होने से रोक सकता है।

तीसरी परंपरा 'उच्छेदवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रस्तुतकर्ता अजित केसकंबल थे। इनका मत 'सर्वनाशवाद' का था। इनके अनुसार यज्ञ, होम बेकार हैं। कर्मफल जैसी कोई चीज नहीं होती, जिन्हें 'आत्मा' भोग सके या उसे भुगतने पड़े। चौथी परंपरा 'अन्योन्यवाद' कहलाती थी। इस मत के मुखिया पकुध कच्चायन थे। इनके अनुसार प्राणी सात तत्वों- पृथ्वी, जल, तेज, वायु, सुख, दुःख और आत्मा के समुच्चय से मिलकर बना है। ये सारे तत्व स्वतः निर्मित हैं और नित्य हैं। इनका किसी भी तरह से नाश नहीं हो सकता है। पांचवी परंपरा 'विक्षेपवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रवर्तक संजय बेलट्ठिपुत्त थे। इनके दर्शन में घोर संदेहवाद था।

छठी परंपरा 'चातुर्याम संवरवाद' के नाम से जानी जाती थी। इसके प्रमुख निगण्ठनाथ पुत्त थे, जो उस समय जीवित थे, जब गौतम प्रकाश की खोज में रत थे। इनका मानना था कि 'आत्मा' को अपने पूर्व जन्मों के कर्म तथा वर्तमान जन्म के कर्मों के परिणाम स्वरूप ही पुनर्जन्म ग्रहण करना पड़ता है, इसलिए इन्होंने सलाह दी थी कि तपश्चर्या के द्वारा बुरे कर्मों को समाप्त कर देना चाहिए।

बुद्ध ने अपने समकालीन दार्शनिकों के मतों को स्वीकार नहीं किया। बुद्ध का उनकी शिक्षाओं को अस्वीकार करना सकारण था। बुद्ध का कहना था यदि पूर्ण-काश्यप के सिद्धांत को माना जाए, तब तो कोई कुछ भी बुरा कर सकता है, किसी को भी हानि पहुंचा सकता है, एक, दूसरे की हत्या कर सकता है और उस पर किसी भी प्रकार का सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं होगा। यदि मक्खली गोसाल का सिद्धांत ठीक मान लिया जाए, तो मनुष्य भाग्य का गुलाम हो जाएगा तथा वह किसी भी तरह से अपने को बंधनों से मुक्त नहीं कर सकेगा।

यदि अजित केसकंबल का सिद्धांत ठीक मान लिया जाए तो इंसान के लिए खाने, पीने और मौज करने के अलावा कोई कार्य शेष नहीं रहता। यदि संजय बेलट्ठिपुत्त का सिद्धांत सत्य मान लिया जाए तो मनुष्य केवल जल की तरह यों ही बहता रहेगा तथा उसका जीवन निरूद्देश्य हो जाएगा। यदि निगण्ठनाथ पुत्त का मत सही मान लिया जाए तो मनुष्य का जीवन कायक्लेश और तपश्चर्या के अधीन हो जाएगा, जिससे उसकी इच्छाओं और मूल भावनाओं का सर्वथा निच्छेद हो जाएगा।

इसीलिए इन दार्शनिकों का कोई भी मत बुद्ध को उपयुक्त प्रतीत नहीं हुआ और आपने अन्यत्र ही कहीं से प्रकाश पाने की उम्मीद रखी। बुद्ध के अनुसार चार आर्य सत्य हैं। पहला- दुःख है, दूसरा दुःख का कारण है, तीसरा दुःख के कारण का निवारण है तथा चौथा दुःख निवारण का मार्ग है। चारों आर्य सत्य से निजात पाने के लिए बुद्ध ने आष्टांगिक मार्ग का अनुसरण बताया था। वे हैं सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वचन, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। बुद्ध के अनुसार इसी मार्ग के अनुसरण से मानव का कल्याण संभव है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एग्जिट पोल्स: कहीं हैट्रिक तो कहीं सत्ता परिवर्तन के आसार

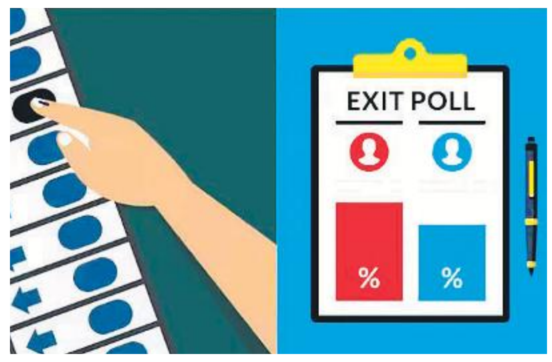

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी, इन पांच महत्वपूर्ण राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भारतीय लोकतंत्र के महापर्व का एक महत्वपूर्ण अध्याय संपन्न हो गया है। अब जनता का जनादेश ईवीएम में सुरक्षित है और पूरे देश की नजर चार मई को आने वाले अंतिम परिणामों पर टिकी है, लेकिन परिणामों से पहले, विभिन्न सर्वेक्षण एजेंसियों के 'एग्जिट पोल' ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। इन आंकड़ों ने कहीं जश्न का माहौल बना दिया है, तो कहीं रणनीतियों पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। ये एग्जिट पोल्स न केवल संभावित परिणामों का संकेत देते हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं, क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों और मतदाताओं की बदलती प्राथमिकताओं को भी उजागर करते हैं, हालांकि एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। फिर भी इन अनुमानों के जरिए हम राजनीतिक रुझानों और संभावित सत्ता संतुलन को समझने की कोशिश कर सकते हैं।

पश्चिम बंगाल की 294 सीटों पर हुआ मुकाबला इस साल का सबसे दिलचस्प चुनाव रहा है। यहां बहुमत के लिए 148 सीटों की आवश्यकता है। एग्जिट पोल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो अपने एग्जिट पोल में चाणक्य स्ट्रैटेजीज ने भाजपा को 150-160, टीएमसी को 130-140, कांग्रेस को शून्य तथा अन्य को 6-10 सीटें दी हैं। केवल पीपुल्स पल्स का एग्जिट पोल ऐसा सामने आया है, जिसमें टीएमसी की सत्ता वापसी का अनुमान लगाया गया है। इस एग्जिट पोल में टीएमसी को 117-187, भाजपा 95-110, कांग्रेस 1-3, लेफ्ट 0-1 तथा अन्य को शून्य सीटें मिलने का अनुमान है। पीपुल्स पल्स को छोड़कर बंगाल के सभी एग्जिट पोल्स राज्य में सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा कर रहे हैं। भाजपा को यहां स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। 'प्रजापोल' जैसे सर्वेक्षण तो भाजपा को 200 के पार ले जा रहे हैं। यदि ये आंकड़े सही साबित होते हैं, तो यह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक बड़ा उलटफेर होगा। भाजपा का ध्रुवीकरण और 'परिवर्तन' का नारा जमीनी स्तर पर काम करता दिख रहा है, जबकि टीएमसी के लिए सत्ता विरोधी लहर और भ्रष्टाचार के आरोप बड़ी चुनौती बन गए हैं।

असम की 126 सीटों पर मतदान नौ अप्रैल को ही संपन्न हो गए थे। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। यहां हिमंत बिस्वा सरमा का नेतृत्व और विकास के साथ-साथ पहचान की राजनीति का मेल भाजपा के लिए 'विनिंग फॉर्मूला' साबित होता दिख रहा है। असम में सभी एग्जिट पोल्स एक स्वर में भाजपा की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। यहां भाजपा गठबंधन न केवल सत्ता बचाए रखने में सफल दिख रहा है, बल्कि उसकी सीटें पिछली बार के मुकाबले बढ़ने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन यहां काफी पिछड़ता नजर आ रहा है। एग्जिट पोल्स के अनुसार, भाजपा गठबंधन को 68 से लेकर 100 सीटों तक मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 22-36 सीटों तक सीमित दिख रहा है।

केरलम की 140 सीटों पर भी नौ अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां सत्ता की चाबी पाने के लिए 71 सीटों की जरूरत है। केरलम का रिवाज रहा है कि यहां हर पांच साल में सत्ता बदलती है, जिसे पिछले चुनाव में वामपंथी मोर्चे (एलडीएफ) ने तोड़ा था, लेकिन इस बार के एग्जिट पोल्स संकेत दे रहे हैं कि जनता फिर से 'यूडीएफ' (कांग्रेस गठबंधन) की ओर लौट रही है। पिनाराई विजयन की सरकार को तगड़ा झटका लगने का अनुमान है। यहां पर एग्जिट पोल्स अपेक्षाकृत एकमत दिखाई देते हैं और पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाला एलडीएफ 49-65 सीटों तक सिमटता दिख रहा है, जबकि यूडीएफ को 70-90 सीटों के बीच स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है।

तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां बहुमत का आंकड़ा 118 है। तमिलनाडु में मुकाबला हमेशा की तरह दो द्रविड़ दिग्गजों के बीच है। यहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला डीएमके गठबंधन बढ़त बनाता दिख रहा है, हालांकि एआईएडीएमके गठबंधन भी कुछ पोल्स में कड़ी टक्कर देता नजर आ रहा है, लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े के करीब फिलहाल डीएमके ही दिख रही है। स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके गठबंधन को 122-160 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि एआईएडीएमके गठबंधन 65-110 सीटों के बीच रह सकता है।

पुडुचेरी की 30 सीटों पर एक्सिस माई इंडिया का पोल भाजपा गठबंधन (16-20 सीटें) को स्पष्ट बहुमत दे रहा है, जबकि कांग्रेस गठबंधन 6-8 सीटों पर सिमटता दिख रहा है। यह संकेत देता है कि छोटे, लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस केंद्रशासित प्रदेश में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है।

यद्यपि एग्जिट पोल एक रोमांचक तस्वीर पेश करते हैं, लेकिन इनकी विश्वसनीयता पर हमेशा प्रश्नचिह्न लगा रहता है। इतिहास गवाह है कि एग्जिट पोल कई बार पूरी तरह धराशायी हुए हैं। हाल के वर्षों में हरियाणा, महाराष्ट्र (जहां महायुति की जीत का अंतर पोल्स से कहीं ज्यादा था) और झारखंड (जहां एनडीए की हार हुई) के नतीजों ने दिखाया है कि साइलेंट वोटर की नब्ज पकड़ना सर्वे एजेंसियों के लिए कितना कठिन है। इन सर्वे की अपनी सीमाएं भी हैं। दरअसल एग्जिट पोल एक बहुत छोटे 'सैंपल साइज' पर आधारित होते हैं। करोड़ों मतदाताओं वाले राज्यों में कुछ हजार लोगों की राय पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती। कई बार मतदाता अपना असली झुकाव नहीं बताते या मतदान केंद्र से बाहर निकलते समय दबाव महसूस करते हैं। आज के दौर में एग्जिट पोल सूचना से ज्यादा मनोरंजन का हिस्सा बन गए हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। आज के दौर में एग्जिट पोल सूचना से ज्यादा मनोरंजन का हिस्सा बन गए हैं।

आमने सामने

पीएम नरेंद्र मोदी ने सत्ता में आते ही महिलाओं के नाम जनधन खाते खोले, तो सपा के लोगों ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि कहां हैं 15 लाख रुपये, जबकि इन्हीं अकाउंट में कोविड के दौरान महिलाओं को शासन की सहायता दी गई। सपा के लोग महिलाओं के सम्मान के प्रति कभी संवेदनशील नहीं हैं।

-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सदन का विशेष सत्र बुलाया गया, तो उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री जी नारी सशक्तिकरण पर अपनी बात रखेंगे, पर उन्होंने यहां प्रवचन किया। यही बातें मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहीं। यही बातें मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहीं। मुख्यमंत्री ने यहां भी वही पुराना कैसेट जारी कर दिया।

-संग्राम यादव
सपा विधायक

मजदूर दिवस: श्रमिक अधिकार व खोता बचपन

संध्या राजपुरोहित
लेखिका

हर वर्ष पहली मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। यह दिन श्रमिकों के अधिकारों, उनके सम्मान और उनके संघर्षों को याद करने का अवसर है, किंतु इसी अवसर पर यह प्रश्न और तीखा हो उठता है कि क्या हमने उन बच्चों को देखा है, जिनका बचपन मजदूरी के बोझ तले दब गया है? मध्य प्रदेश, जहां देश की बड़ी आदिवासी आबादी निवास करती है, इस प्रश्न को और गहराई देता है। झाबुआ, अलीराजपुर, धार, डिंडोरी, मंडला और बड़वानी जैसे जिलों में बचपन अक्सर समय से पहले ही वयस्कता का बोझ उठाने लगता है। बच्चे परिवार की आय में हाथ बंटाने के लिए खेतों में काम करते हैं, जंगल से संसाधन जुटाते हैं, या शहरों में जाकर निर्माण स्थलों पर मजदूरी करते हैं।

इस समस्या की गंभीरता केवल अनुभवजन्य नहीं, बल्कि आंकड़ों में भी स्पष्ट दिखाई देती है। यूनिसेफ और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की संयुक्त रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में लगभग 16 करोड़ बच्चे बाल श्रम में संलग्न हैं, जिनमें से लगभग आधे खतरनाक परिस्थितियों में काम करते हैं। देश में 2011 की जनगणना के अनुसार पांच से 14 वर्ष आयु वर्ग के एक करोड़ से अधिक बच्चे किसी न किसी रूप में श्रम में लगे थे और विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है।

हालिया अभियानों और सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2023–24 के दौरान देशभर में 44,000 से अधिक बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया, जिनमें बड़ी संख्या आदिवासी और वंचित वर्गों से संबंधित थी। मध्य प्रदेश में भी 2024 के दौरान रायसेन जिले से 50 से अधिक आदिवासी बच्चों को जबरन मजदूरी से छुड़ाया जाना इस समस्या की जड़ों की गहराई को उजागर करता है।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह समस्या केवल बाल श्रम नहीं, बल्कि जीविका संकट का परिणाम है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि आदिवासी समुदायों में गरीबी का स्तर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। सीमित कृषि भूमि, जंगल आधारित आजीविका का कमजोर होना और रोजगार के अवसरों का अभाव परिवारों को मजबूर कर देता है कि वे बच्चों को भी कमाने के लिए आगे बढ़ाएं।

आदिवासी समुदायों की आर्थिक स्थिति प्रायः कमजोर होती है। ये लोग वनों, पहाड़ों और दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी होती है। इन समुदायों की आजीविका मुख्यतः कृषि, वनोपज संग्रह, और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर होती है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों की कटाई और औद्योगिक विकास के कारण आदिवासियों की पारंपरिक जीविका के स्रोत नष्ट होते जा रहे हैं। इस कारण परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय हो जाती है और बच्चों को भी कम उम्र में ही श्रम कार्यों में लगना पड़ता है।

बच्चों की यह मजबूरी कई बार उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में काम करने पर विवश कर देती है। कुछ बच्चे पटाखा फैक्ट्री में लगाए जाते हैं, तो कई बच्चे खेतों में मजदूरी करते हैं। वहीं कुछ निर्माण स्थलों, ईंट-भट्टों और खदानों में काम करने को मजबूर हो जाते हैं। कई बार वे घरेलू नौकर के रूप में शहरी परिवारों में काम करने के लिए भेज दिए जाते हैं, जहां उनके साथ दुर्व्यवहार और शोषण की घटनाएं आम होती हैं।

कई बार उन्हें न्यूनतम मजदूरी से भी कम पैसे दिए जाते हैं और उनके काम के घंटों की कोई सीमा नहीं होती। उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता है और वे कानूनी सुरक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस प्रकार बचपन की मासूमियत श्रम के कठोर बंधनों में जकड़ जाती है। मौसमी पलायन इस समस्या को और जटिल बना देता है। मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों से हर वर्ष हजारों परिवार गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की ओर पलायन करते हैं। श्रम विभाग और विभिन्न सामाजिक संगठनों की रिपोर्ट्स बताती हैं कि इन परिवारों के साथ जाने वाले बच्चे अक्सर स्कूल से कट जाते हैं और मजदूरी में शामिल हो जाते हैं। इस प्रकार शिक्षा का अधिकार कागजों तक सीमित रह जाता है।

शिक्षा के संदर्भ में स्थिति चिंताजनक है। आदिवासी बहुल जिलों में ड्रॉपआउट दर भी सामान्य से अधिक पाई गई है, विशेषकर प्राथमिक से माध्यमिक स्तर पर। शिक्षा से यह दूरी पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाले गरीबी के चक्र को मजबूत करती है। वे अपने माता-पिता की तरह असंगठित श्रम में फंस जाते हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार मध्य प्रदेश में बच्चों में कुपोषण की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। जब कुपोषित बच्चे कठोर श्रम में लगते हैं, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास और अधिक प्रभावित होता है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

> बच्चों की मजबूरी कई बार उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में काम करने पर विवश कर देती है। कुछ बच्चे पटाखा फैक्ट्री में लगाए जाते हैं, तो कई बच्चे खेतों में मजदूरी करते हैं।

सोशल फोरम

घर जो कभी सोता नहीं था

रश्मि त्रिपाठी
ब्लॉगर

लखनऊ के पुराने मोहल्ले कैसरबाग में, पीपल वाले चौराहे से दो गलियां छोड़कर, एक हवेली खड़ी थी, जिसे सब 'जागता घर' कहते थे। 187 साल पुरानी, तीन मंज़िला, 14 कमरों की हवेली। उसकी खिड़कियों से रात के तीन बजे भी पीली रोशनी छनकर सड़क पर गिरती थी। लोग कहते थे कि जब पूरा शहर सो जाता है, तब भी वो घर जागता रहता है। हवेली के आखिरी वारिस थे रघुवीर बाबू। 78 साल की उम्र, कमर झुकी हुई। उनकी दिनचर्या उल्टी थी। जब मोहल्ले में सब्ज़ी वाले की आवाज़ गूंजती, रघुवीर बाबू सोने जाते। जब रात 11 बजे गलियां सुनसान हो जातीं, वो लालटेन जलाकर जाग जाते।

हवेली में घड़ी नहीं थी। रघुवीर बाबू कहते, 'घड़ी का क्या है, वो तो वक़्त को कैद करती है। ये घर वक़्त को जीता है।' रात भर वो क्या करते थे? कभी छत पर बैठकर तारों की गिनती। कभी नीचे तहखाने में अपने दादा के ज़माने के खत पढ़ते। कभी रसोई में आधी रात खिचड़ी चढ़ा देते और कहते, 'हो सकता है कोई मुसाफिर भूखा गुज़र जाए।'

1931 की बात है। रघुवीर बाबू के दादा, ठाकुर शिव प्रताप सिंह, अंग्रेज़ों के खिलाफ पर्चे छापते थे। हवेली का तहखाना क्रांतिकारियों का अड्डा था। रात-रात भर मशीन चलती, पर्चे छपते और जवान लड़के आते-जाते। एक रात अंग्रेज़ सिपाहियों ने छापा मारा। शिव प्रताप ने सबको पिछले दरवाज़े से निकाल दिया, खुद पकड़े गए। जाते-जाते उन्होंने अपनी पत्नी से सिर्फ इतना कहा था, 'चिराग जलता रहना चाहिए। जब तक एक भी क्रांतिकारी बाहर है, ये घर सो नहीं सकता।' उस दिन से हवेली का चिराग नहीं बुझा। शिव प्रताप नौ साल बाद जेल से लौटे, मगर घर की आदत बदल चुकी थी। दिन में सोना, रात में जागना। वो कहते थे, 'रात ईमानदार होती है बेटा। दिन में तो सब मुखौटा पहन लेते हैं।'

ये आदत उनके बेटे को लगी, और बेटे से रघुवीर बाबू को।

2020 आया। लखनऊ बदल रहा था। बिल्डर हवेली के चक्कर काटने लगे। 'बाबू, 12 करोड़ देंगे। क्या करोगे इस भूतहा घर में?' हवेली नहीं बिकी। आज 2026 है। रघुवीर बाबू अब नहीं हैं। पर हवेली वहीं है। अब अविनाश और उनकी पत्नी वहां रहते हैं। उन्होंने हवेली को 'रात लाइब्रेरी' बना दिया है। रात 10 बजे से सुबह पांच बजे तक उसके दरवाज़े खुले रहते हैं। छात्र आते हैं पढ़ने। लेखक आते हैं लिखने। कोई मुसाफिर आता है तो खिचड़ी मिलती है। और हाँ, UPSC वाले लड़के तो वहीं सोते-बैठते हैं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अमेरिका-ईरान तनाव का भारतीय शादियों पर प्रभाव

धनीश शर्मा
लेखक

वर्तमान समय में पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव भारत जैसे देशों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खासकर भारतीय शादियों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है, जो पहले से ही महंगाई और बढ़ते खर्चों के दबाव में हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय तनाव का सबसे बड़ा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उसका असर घरेलू बाजार पर भी दिखाई देता है। शादी-विवाह के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

शादी समारोहों में बड़ी मात्रा में भोजन तैयार किया जाता है, जिसके लिए गैस सिलेंडरों की आवश्यकता अधिक होती है। कई क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों की कमी की शिकायतें सामने आती हैं। इससे कैटरिंग व्यवसाय और हलवाइयों को काफी परेशानी होती है। कई बार समय पर सिलेंडर न मिलने से भोजन व्यवस्था प्रभावित हो जाती है, जिससे पूरे आयोजन पर असर पड़ता है।

महंगाई का असर केवल गैस तक सीमित नहीं रहता। तेल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन महंगा होता है, जिसका सीधा असर सब्जियों, खाद्य सामग्री, टेंट, सजावट, बैंड-बाजा और अन्य सेवाओं पर पड़ता है। परिणामस्वरूप शादी का कुल खर्च काफी बढ़ जाता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ता है, जिनके लिए शादी का बजट संभालना चुनौती बन जाता है।

खाड़ी में तनाव के असर से सोना और चांदी के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। प्रतिदिन इनके भाव में होने वाली वृद्धि का सीधा असर भारतीय शादियों पर भी पड़ रहा है। हमारे समाज में विवाह के दौरान आभूषणों का विशेष महत्व होता है, खासकर लड़की पक्ष के लिए। अधिकांश परिवार अपनी बेटी की शादी में सोने-चांदी के गहने देना सामाजिक जिम्मेदारी और सम्मान से जोड़कर देखते हैं, लेकिन जब बाजार में सोने-चांदी के दाम आसमान छूने लगते हैं, तो इसका सबसे अधिक आर्थिक दबाव लड़की वालों पर पड़ता है। कई बार रिश्ते तय होने के बाद विवाह की तारीख आने तक कीमतें इतनी बढ़ जाती हैं कि पहले बनाया गया बजट पूरी तरह बिगड़ जाता है। इससे परिवारों को अतिरिक्त कर्ज लेना पड़ता है या अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। महंगाई का यह बोझ शादी जैसे शुभ अवसर को भी तनावपूर्ण बना देता है।

इन परिस्थितियों में अब कई लोग सादगीपूर्ण शादी की ओर भी बढ़ रहे हैं। वे अनावश्यक खर्चों को कम कर रहे हैं और अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार ही आयोजन कर रहे हैं। इससे आर्थिक बोझ कम होता है और समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर अब हमारी सामाजिक परंपराओं तक पहुंच चुका है। शादी जैसे पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजनों पर भी वैश्विक राजनीति का प्रभाव दिखाई देने लगा है, हालांकि भारतीय समाज में ऐसे लोग भी हैं, जो दिखावे के साथ करोड़ो रुपये विवाह में खर्चा करने में पीछे नहीं हैं, जिससे मिडिल क्लास के लोगों के घरों में होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम में उसका असर साफ दिखाई देता हैं। आपसी होड़ में विवाह का बजट पॉकेट के बाहर हो जाता है, जिससे मिडिल क्लास के कई परिवार कर्जो में डूब जाते हैं ये भी भारतीय समाज की कड़वी सच्चाई है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

खोज

ऐसे हुआ ब्लेड का आविष्कार

शेविंग के इतिहास में 19वीं सदी का दौर एक बड़ा बदलाव लेकर आया। 1800 के मध्य में पुरुषों के बीच क्लीन शेव के साथ मूंछें रखने का ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय होने लगा, लेकिन उस समय आज जैसे आधुनिक ब्लेड उपलब्ध नहीं थे। शुरुआती दौर में लोग कांसे या धातु की गोल, तेज वस्तुओं से शेव करते थे। बाद में 1890 के आसपास स्ट्रेट रेजर का चलन बढ़ा, जिन्हें टिकाऊ और प्रभावी माना जाता था, लेकिन इन्हें इस्तेमाल करना आसान नहीं था और धार बार-बार तेज करनी पड़ती थी।

इसी समस्या ने अमेरिकी आविष्कारक किंग कैंप जिलेट को नया समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। पेशे से ट्रैवलिंग सेल्समैन रहे जिलेट को 1895 में शेविंग करते समय यह अहसास हुआ कि रेजर की धार जल्दी खत्म हो जाती है। उन्होंने ऐसा पतला, सस्ता और आसानी से बदला जा सकने वाला ब्लेड बनाने का विचार किया। शुरुआत में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने इसे असंभव माना, लेकिन बाद में आविष्कारक विलियम निकर्सन की मदद से कई वर्षों की मेहनत के बाद यह सपना साकार हुआ। 1903 में पहला सेफ्टी रेजर बाजार में आया और 1904 में इसका पेटेंट कराया गया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान कंपनी ने अमेरिकी सैनिकों को शेविंग किट उपलब्ध कराई, जिससे इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। सैनिकों द्वारा लाखों ब्लेड और रेजर के उपयोग ने कंपनी को वैश्विक पहचान दिलाई। आगे चलकर जिलेट ने मल्टी-ब्लेड तकनीक, डिस्पोजेबल रेजर और आधुनिक ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स के जरिए बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। 2005 में प्रॉक्टर एंड गैंबल द्वारा अधिग्रहण के बाद यह ब्रांड आज भी शेविंग इंडस्ट्री का अग्रणी नाम बना हुआ है।

वैज्ञानिक के बारे में

किंग कैंप जिलेट का जन्म 5 जनवरी 1855 को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य में हुआ था। उनके पिता एक हार्डवेयर व्यापारी थे, जिससे उन्हें बचपन से ही व्यवसाय और तकनीक में रुचि मिली। युवावस्था में वे एक ट्रैवलिंग सेल्समैन के रूप में काम करते थे, जिसने उन्हें लोगों की जरूरतों को समझने का अवसर दिया। वे केवल आविष्कारक ही नहीं, बल्कि एक विचारक भी थे और समाज सुधार से जुड़े विचार रखते थे। उन्होंने "The Human Drift" नामक पुस्तक भी लिखी। 1932 में उनका निधन हुआ, लेकिन उनके आविष्कार ने उन्हें अमर बना दिया।

गिद्धों की अद्भुत जीवन रक्षा तकनीक

गिद्ध एक ऐसा पक्षी है, जिसे अक्सर उपेक्षा की दृष्टि से देखा जाता है, लेकिन वही प्रकृति का सबसे कुशल सफाईकर्मी है। अपनी अद्भुत पाचन शक्ति, अनोखी जीवन रक्षा तकनीक और सामाजिक व्यवहार से गिद्ध पर्यावरण को स्वच्छ और संतुलित बनाए रखते हैं। आसमान में अथाह ऊंचाइयों पर हवा में तैरते, धरती पर पसरे सन्नाटे के साक्षी गिद्धों को देखकर मन में आकर्षण नहीं, बल्कि एक प्रकार की उपेक्षा का भाव ही पैदा होता है। उनका गंजा सिर, भारी सशक्त चोंच और मृत जीवों पर निर्भर जीवनशैली उन्हें 'अप्रिय' पक्षियों की पंक्ति में खड़ा कर देती है। किंतु यदि हम प्रकृति को उसके वास्तविक स्वरूप में समझने का प्रयास करें, तो यही गिद्ध हमें पृथ्वी के सबसे महत्वपूर्ण और कुशल सफाईकर्मी के रूप में दिखाई देते हैं, ऐसे प्रहरी जो बिना किसी पहचान या प्रशंसा के हमारे पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में सहायक होते हैं।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

जटायु और संपाती का गौरव

भारतीय संस्कृति और रामायण के अमर प्रसंगों में गिद्ध केवल पक्षी नहीं, बल्कि उच्च आदर्शों और त्याग के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

शौर्य और त्याग का प्रतीक

जब रावण माता सीता का हरण कर ले जा रहा था, तब वृद्ध जटायु ने ही अपनी क्षीण होती शक्ति की परवाह किए बिना उसका मार्ग रोका और वीरतापूर्वक युद्ध किया। यह केवल संघर्ष नहीं, बल्कि नारी-सम्मान की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण था। भगवान राम द्वारा जटायु का अंतिम संस्कार स्वयं करना, इस पक्षी की श्रेष्ठता और त्याग का प्रमाण है।

संपाती दूरदृष्टि का अद्भुत उदाहरण जटायु के ज्येष्ठ भ्राता संपाती ने अपनी असाधारण तीक्ष्ण दृष्टि से हजारों मील दूर लंका में सीता जी की उपस्थिति को पहचान लिया था। यह प्रसंग गिद्धों की उस विलक्षण दृष्टि-क्षमता की ओर संकेत करता है, जिसे आज का आधुनिक विज्ञान भी स्वीकार करता है। गिद्ध 3-4 किलोमीटर की ऊंचाई से भी धरती पर पड़े 3 फुट के मवेशी को भी देख लेता है।

पैरों पर विसर्जन: जीवन बचाने की एक अनूठी तकनीक

पहली नजर में यह व्यवहार विचित्र लगता है कि गिद्ध अपने ही पैरों पर मूत्र विसर्जन करते हैं, लेकिन यह कोई असामान्य आदत नहीं, बल्कि उनके लिए एक अत्यंत उपयोगी वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे यूरोहाइड्रोसिस कहा जाता है। गिद्धों के पास पसीने निः सृत करने वाली ग्रंथियां नहीं होतीं। भीषण गर्मी में, जब अधिकांश जीव पसीने के माध्यम से शरीर का तापमान नियंत्रित करते हैं, ऐसे में पैरों पर तरल का विसर्जन 'वाष्पीकरण द्वारा शीतलन' का कार्य करता है, जो उनके शरीर को ठंडा रखता है।

प्राकृतिक सैनिटाइजर

सड़े-गले मांस के संपर्क में रहने से उनके पैरों पर अनेक हानिकारक जीवाणु चिपक जाते हैं। इनके मूत्र में उपस्थित अम्लीय तत्व इन जीवाणुओं को नष्ट कर देते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा समाप्त हो जाता है। यह प्रक्रिया उन्हें एक प्रकार की प्राकृतिक रोग-प्रतिरोधक सुरक्षा प्रदान करती है।

सामाजिक सूचना तंत्र और ऊंची उड़ान

गिद्धों की उड़ान अद्वितीय है। वे हवा की गर्म धाराओं का उपयोग करते हुए बिना पंख फड़फड़ाए घंटों तक आकाश में मंडराते रहते हैं, जिससे ऊर्जा की अत्यधिक बचत होती है। इनका सामाजिक व्यवहार भी अत्यंत रोचक है। एक गिद्ध जब मृत पशु देखता है, तो किसी ऊंचे वृक्ष पर बैठकर विशेष प्रकार से 'चैंव-चैंव' की आवाज निकालते हुए गर्दन घुमाकर कुछ संकेत करता है। इस संकेत में यह सूचना होती है कि मरे हुए पशु की किस्म, स्थान और कितने गिद्धों के लिए भोजन उपलब्ध है। इस आवाज को जो भी दूसरा गिद्ध सुनता है, वह उसी तरह का संकेत अपने पीछे वाले गिद्धों के लिए भी कर देता है। भोजन की मात्रा के अनुसार गिद्ध एकत्र होने पर सबसे पहले खबर देने वाले को आगे चलने का सम्मान देते हैं, क्योंकि उसे उस पशु के मांस का सबसे नरम भाग खाने का अधिकार होता है। ऐसी सामाजिकता और न्यायप्रिय उदारता यदि मनुष्यों में भी होती, तो समाज में लूट-खसोट न होती।

सुदृढ़ पाचन शक्ति: प्रकृति की जैविक प्रयोगशाला

गिद्धों का पाचन तंत्र किसी चमत्कार से कम नहीं। उनके पेट में मौजूद प्रबल अम्ल एंथ्रैक्स, हैजा और बोटुलिज्म जैसे खतरनाक बैक्टीरिया को भी नष्ट कर देता है। वास्तव में, वे प्रकृति की जैविक प्रयोगशाला हैं, जो मृत शवों का निस्तारण कर पर्यावरण को संक्रमण मुक्त बनाए रखते हैं।

पारिस्थितिकी संकट और संरक्षण

भारत में एक समय गिद्धों की संख्या में तीव्र गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण पशुओं में प्रयुक्त दवा दर्द निवारक दवा डाइक्लोफेनाक था। इस दवा के अवशेष वाले मृत पशुओं को खाने से गिद्धों की मृत्यु होने लगी। गिद्धों की कमी से पर्यावरण में सड़न और आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ी, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वे केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के अभिन्न रक्षक हैं।

उपेक्षा से उपयोगिता की ओर

गिद्ध हमें यह गहरा संदेश देते हैं कि प्रकृति में कोई भी जीव अनावश्यक नहीं होता। उनका हर व्यवहार चाहे वह कितना ही असामान्य क्यों न लगे जीवन के संतुलन के लिए जरूरी होता है। वे गंदगी के बीच रहकर भी संसार को स्वच्छ बनाते हैं और मृत्यु के बीच रहकर भी जीवन की रक्षा करते हैं। वास्तव में, गिद्ध केवल सफाईकर्मी नहीं, बल्कि प्रकृति के ऐसे नेकनीयत रखने वाले नायक हैं, जो बिना किसी पहचान के हमारी पृथ्वी को सुरक्षित और पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने में निरंतर लगे हुए हैं।

मरीन लाइफ

जाइंट आइसोपोड : गहरे समुद्र का अद्भुत सफाईकर्मी

विशाल आइसोपोड (Giant Isopod) समुद्र की गहराइयों में पाया जाने वाला एक बेहद अनोखा और रहस्यमय जीव है, जो देखने में जमीन पर पाए जाने वाले कीड़ों या जूं जैसे जीवों से मिलता-जुलता लगता है, लेकिन आकार में उनसे कहीं अधिक बड़ा होता है। सामान्यतः जहां स्थलीय कीट छोटे होते हैं, वहीं यह समुद्री जीव लगभग 16 इंच तक लंबा हो सकता है, जो इसे अपने वर्ग के जीवों में खास बनाता है। यह मुख्य रूप से समुद्र तल यानी डीप-सी (Deep Sea) में रहता है, जहां सूरज की रोशनी तक नहीं पहुंच पाती और तापमान बेहद कम होता है। इतनी कठिन परिस्थितियों में जीवित रहना ही इसे एक अद्भुत जीव बनाता है। विशाल आइसोपोड का शरीर कठोर खोल से ढका होता है, जो इसे बाहरी खतरों से बचाता है और इसके कई पैर होते हैं, जिनकी मदद से यह समुद्र की सतह पर धीरे-धीरे चलता है। यह जीव मांसाहारी प्रवृत्ति का होता है, लेकिन खुद शिकार करने की बजाय यह अधिकतर समुद्र में मरे हुए जीवों को खाकर जीवित रहता है, जिसे "स्कैवेंजिंग" कहा जाता है। समुद्र की गहराइयों में भोजन की कमी होती है, इसलिए यह जीव लंबे समय तक बिना खाए भी रह सकता है और जब इसे भोजन मिलता है, तो यह एक साथ अधिक मात्रा में खा लेता है।

इसकी सूंघने की क्षमता बहुत तेज होती है, जिससे यह दूर से ही मरे हुए जीवों का पता लगा लेता है। वैज्ञानिकों के लिए यह जीव खास रुचि का विषय है, क्योंकि यह हमें समुद्र के गहरे और कम खोजे गए हिस्सों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। इसके अध्ययन से यह भी पता चलता है कि पृथ्वी पर जीवन कितनी कठिन परिस्थितियों में भी संभव है। विशाल आइसोपोड न केवल समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह प्रकृति की अद्भुत विविधता और अनुकूलन क्षमता का भी बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, यह जीव अत्यधिक दबाव (pressure) वाली परिस्थितियों में भी आसानी से जीवित रह सकता है, जहां सामान्य जीवों का टिक पाना कठिन होता है। इसकी धीमी जीवनशैली और ऊर्जा बचाने की क्षमता इसे लंबे समय तक जीवित रहने में मदद करती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव लाखों वर्षों से लगभग उसी रूप में मौजूद है, जिससे यह 'जीवित जीवाश्म' (living fossil) जैसा प्रतीत होता है। गहरे समुद्र में इसकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि प्रकृति ने हर परिस्थिति के अनुसार जीवन को ढालने की अद्भुत क्षमता विकसित की है।

वैज्ञानिक फैक्ट

क्यों आता है हमें पसीना

पसीना आना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, जो हमारे शरीर को स्वस्थ और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब शरीर का तापमान बढ़ता है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए शरीर पसीना छोड़ता है। यह प्रक्रिया शरीर की प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम की तरह काम करती है।

मानव शरीर में लाखों स्वेद ग्रंथियां होती हैं, जो त्वचा के माध्यम से पसीना बाहर निकालती हैं। जब हम गर्म वातावरण में होते हैं, व्यायाम करते हैं या तनाव महसूस करते हैं, तो हमारा मस्तिष्क शरीर को ठंडा रखने के लिए इन ग्रंथियों को सक्रिय कर देता है। पसीना त्वचा पर आकर वाष्पित होता है, जिससे शरीर का तापमान कम हो जाता है। सौभाग्य से, शरीर में तापमान को महसूस करने और नियंत्रित करने के लिए बहुत ही परिष्कृत तंत्र मौजूद हैं। जैसे ही आपके शरीर का आंतरिक तापमान बढ़ने लगता है, आपका हाइपोथैलेमस (आपके मस्तिष्क का एक छोटा सा क्षेत्र) आपके पूरे शरीर में फैली हुई एक्राइन पसीना ग्रंथियों को बताता है कि पसीना उत्पन्न करके आपको ठंडा करने का समय आ गया है।

हालांकि शरीर को ठंडा करना सिर्फ पसीने के टपकने जितना आसान नहीं है। इस प्रक्रिया के लिए पसीने का कुछ हिस्सा त्वचा से वाष्पित होना जरूरी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि पसीने के जरिए शरीर को ठंडा करने की प्रक्रिया भौतिकी के एक सिद्धांत पर आधारित है, जिसे 'वाष्पीकरण की ऊष्मा' कहा जाता है। पसीने को त्वचा से वाष्पित करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है और वह ऊर्जा ऊष्मा है। शरीर की अतिरिक्त ऊष्मा पसीने की बूंदों को वाष्प में परिवर्तित करने में उपयोग होने लगती है, जिससे आपको ठंडक महसूस होने लगती है।

पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण है गर्मी या शारीरिक गतिविधि। इसके अलावा, भावनात्मक स्थिति जैसे डर, घबराहट या तनाव भी पसीना बढ़ा सकते हैं। आपने अक्सर देखा होगा कि परीक्षा या इंटरव्यू के समय हाथों में पसीना आने लगता है। यह भी शरीर की प्रतिक्रिया ही है। पसीने का एक और महत्वपूर्ण काम शरीर से विषैले तत्वों (toxins) को बाहर निकालना है। पसीने में ज्यादातर पानी और नमक होता है, लेकिन यह शरीर की सफाई में भी मदद करता है। कुछ लोगों को जरूरत से ज्यादा पसीना आता है, जिसे 'हाइपरहाइड्रोसिस' कहा जाता है। यह एक मेडिकल स्थिति हो सकती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी खास कारण के भी अत्यधिक पसीना आता है। ऐसे मामलों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी होता है। पसीने से कभी-कभी बदबू भी आती है, जो सीधे पसीने की वजह से नहीं, बल्कि त्वचा पर मौजूद बैक्टीरिया के कारण होती है। जब ये बैक्टीरिया पसीने के साथ प्रतिक्रिया करते हैं, तब गंध उत्पन्न होती है। पसीना आना कोई बीमारी नहीं, बल्कि शरीर की एक जरूरी प्रक्रिया है। यह हमें गर्मी से बचाता है, शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है और स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक होता है। इसलिए पसीने को लेकर घबराने की जरूरत नहीं, बल्कि इसे शरीर की एक प्राकृतिक और लाभदायक क्रिया के रूप में समझना चाहिए।

इलाज में सहायक मस्तिष्क कोशिकाओं की आणविक क्रियाएं

आसान नहीं है दर्द को दूर करना। बिछुड़ने के गम और कारोबारी घाटे से अथवा चोट या घाव लगने के दर्द की न्यूरो-फिजियोलॉजी को समझना आसान बिल्कुल नहीं है। आयुर्वेद और भारत की लोकचिकित्सा में बहुत से दर्द निवारक तो बताए गए हैं, लेकिन अवसाद और इससे पैदा दर्द की मॉलिक्यूलर बायोलॉजी बिल्कुल अलग है। मध्यकाल में युद्धों के दौरान लगे घावों से पैदा दर्द के अहसास को दूर करने के लिए योद्धा लोग अक्सर अफीम को साथ रखते थे ताकि वे इसकी कुछ मात्रा के सेवन एक दवा के रूप में कर सकें। इनकी फार्माकोलॉजी और रासायनिक एवं इनके एक्टिंग मैकेनिज्म पर भी बहुत काम हुआ है। लोगों को अफीम के बारे में अमूमन मालूमात हैं, जो एक दर्दनिवारक नशीला पदार्थ है। शरीर विज्ञानियों ने शरीर के भीतर ही छिपे हुए कुदरती दर्दनिवारकों (बॉडीज ऑन नेचुरल ऑपिओइड्स) का पता लगाया है। इन सबको एंटागोनिस्ट कहा जाता है, जो मॉडर्न फार्माकोलॉजी की एक टर्म है। बात अफीमचियों द्वारा नशे के रूप में अफीम का सेवन करने की नहीं है। मॉडर्न क्लिनिकल फार्माकोलॉजी एक और विधा है, जिसमें दवा के असर को जीवों में देखा जाता है। सभी जीव इन कुदरती या शरीर द्वारा बनाए गए दर्द निवारकों को सिंथेसायिज करके लैब में बनाकर देखा जाता और फार्मूला सिद्ध होने के बाद इसे ड्रग इंडस्ट्री द्वारा बड़े स्तर पर एक प्रोडक्ट या दवा के रूप में उपलब्ध कराया जा सकता है। गोली या पेय के प्रति सभी लोग एक जैसी प्रतिक्रिया नहीं देते। दर्द निवारक की अधिक मात्रा, जैसे कि एस्पिरिन में मौजूद एक्टिव पुनर्प्राप्त रसायन एसिटिल सैलीसाइलिक एसिड जिसे सैलीसाइलिक एसिड से हासिल किया जाता है। इसके मॉलिक्यूल प्रोस्टाग्लैंडीन के स्राव को रोकते हैं, जो कि दर्द की अनुभूति के लिए एक मध्यस्थ कुदरती द्रव है।

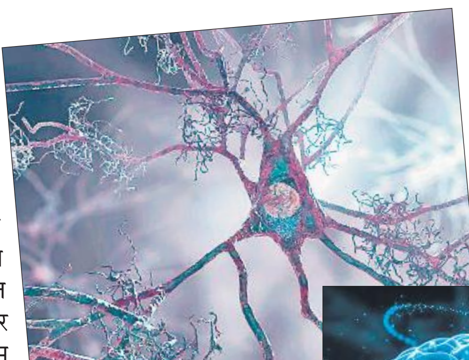

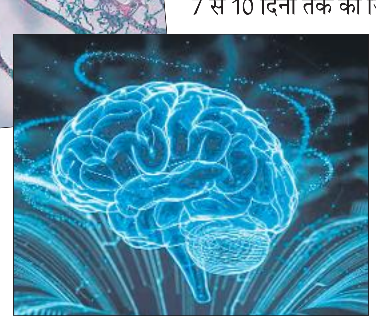

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

प्रोस्टाग्लैंडिन लिपिड यौगिक होते हैं, जो ऊतक क्षति या संक्रमण वाले स्थानों पर स्थानीय रूप से उत्पन्न होते हैं। ये रासायनिक संदेशवाहक के रूप में कार्य करते हैं और सूजन, रक्त प्रवाह और प्रजनन जैसी शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करते हैं।

पारंपरिक हार्मोनों के विपरीत, प्रोस्टाग्लैंडिन आवश्यकता पड़ने पर शरीर में संश्लेषित होते हैं और आमतौर पर अपने उत्पादन स्थल के निकट ही कार्य करते हैं, साथ ही इनका अर्द्ध-जीवनकाल बहुत कम होता है। एस्पिरिन के काम करने के तरीके में साइक्लोऑक्सीजिनेज एंजाइमों, खास तौर पर साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 और साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 को हमेशा के लिए रोकना शामिल है। यह रुकावट एराकिडोनिक एसिड को प्रोस्टाग्लैंडीन और थ्रोम्बोक्सेन में बदलने से रोकती है। ये दोनों कई शारीरिक प्रक्रियाओं में शामिल होते हैं। साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 के एक्टिव हिस्से में मौजूद एक सेरीन अवशेष को एसिटाइलेट करके, एस्पिरिन प्लेटलेट्स में थ्रोम्बोक्सेन ए-2 के बनने को रोक देती है, जिससे प्लेटलेट्स का जमा होना और खून के थक्के बनना कम हो जाता है। इसलिए हृदयाघात से पीड़ितों को एस्पिरिन की मामूली सी मात्रा नियमित तौर से लेने की सलाह दी जाती है। यह हमेशा रहने वाला असर प्लेटलेट की 7 से 10 दिनों तक की जिंदगी तक बना रहता है। एस्पिरिन द्वारा साइक्लोऑक्सीजिनेज-13 को रोकने की वजह से ही इसमें सूजन-रोधी, दर्द-निवारक और बुखार-रोधी गुण भी होते हैं। कम मात्रा में लेने पर, एस्पिरिन मुख्य रूप से प्लेटलेट्स में मौजूद साइक्लोऑक्सीजिनेज-1 पर असर डालती है, जिससे दिल की बीमारियों से सुरक्षा मिलती है, लेकिन ज्यादा मात्रा में लेने पर, यह साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 को भी रोकती है, जिससे इसके सूजन-रोधी और दर्द-निवारक असर और भी बढ़ जाते हैं।

प्रख्यात विज्ञान पत्रिका साइंस में छपी एक स्टडी के मुताबिक, साइंटिस्ट्स ने ब्रेन की एक ऐसी प्रक्रिया को ईजाद किया है, जिससे मालूम होता है कि कुछ लोगों में क्रोनिक दर्द से डिप्रेशन क्यों होता है, लेकिन दूसरों में नहीं। ये नतीजे इस सोच को चुनौती देते हैं कि लंबे समय तक दर्द से डिप्रेशन होना तय है। जानवरों पर स्टडी के साथ-साथ इंसानों में बड़े पैमाने पर ब्रेन इमेजिंग का इस्तेमाल करके, टीम ने पाया कि लगातार दर्द हिप्पोकैंपस में धीरे-धीरे बदलाव लाता है। यह ब्रेन का एक हिस्सा जो याददाश्त में अपनी भूमिका के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है। ये बदलाव इस बात पर असर डालते हैं कि कोई व्यक्ति समय के साथ डिप्रेशन में जाता है या इमोशनली मजबूत रहता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक के प्रोफेसर जियानफेंग फेंग ने बताया है कि क्रोनिक दर्द अक्सर डिप्रेशन या एंग्जायटी में बदल जाता है, लेकिन अब तक हम यह नहीं समझ पाए हैं कि ऐसा कुछ लोगों के साथ क्यों होता है और दूसरों के साथ नहीं। शोध के नतीजों से पता चलता है कि हिप्पोकैंपस एक कंट्रोल सेंटर की तरह काम करता है, जो ब्रेन को लंबे समय तक दर्द के प्रति इमोशनल रिस्पॉन्स को रेगुलेट करने में मदद करता है। डिप्रेशन होना इस बात पर निर्भर करता है कि यह सिस्टम समय के साथ कैसे रिस्पॉन्स देता है।

एडल्ट्स को प्रभावित करता क्रोनिक दर्द

क्रोनिक दर्द दुनियाभर में 20 प्रतिशत से ज्यादा एडल्ट्स को प्रभावित करता है और यह एंग्जायटी और डिप्रेशन से बहुत ज्यादा जुड़ा हुआ है, लेकिन लगातार दर्द वाले कई लोगों में ये दिक्कतें कभी नहीं होतीं और इस अंतर के पीछे के बायोलॉजिकल कारण अभी भी साफ नहीं है। इसका पता लगाने के लिए, रिसर्चर्स ने यूनाइटेड किंगडम के बायोबैंक समेत बड़े पॉपुलेशन डेटासेट से ब्रेन स्कैन की जांच की। जिन लोगों को क्रोनिक दर्द था और जिनमें डिप्रेशन नहीं हुआ, उनका हिप्पोकैंपल वॉल्यूम थोड़ा बड़ा था और इस हिस्से में एक्टिविटी ज्यादा थी। उन्होंने कुछ सीखने और याद रखने वाले कामों में भी बेहतर परफॉर्म किया, जिससे पता चलता है कि ब्रेन शुरू में लगातार दर्द के हिसाब से ढल सकता है। इसके उलट, जिन लोगों को क्रोनिक दर्द और डिप्रेशन दोनों थे, उनमें हिप्पोकैंपल वॉल्यूम कम था, एक्टिविटी में रुकावट थी और कॉग्निटिव परफॉर्मेंस खराब थी। लंबे समय के डेटा से पता चला कि ये अंतर एक साथ दिखने के बजाय धीरे-धीरे सामने आते हैं।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	76,913.50	23,997.55
गिरावट	582.86	180.10
प्रतिशत में	0.75	0.74

सोना 1,54,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,42,700 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, शुक्रवार, 1 मई 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

फोनपे के पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 70 करोड़ के पार

नई दिल्ली। ऑनलाइन भुगतान मंच फोनपे पर 29 अप्रैल 2026 तक कुल पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या 70 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। कंपनी ने कहा कि यह उपलब्धि भारत में उसके व्यापक पहुंच और भुगतान तथा वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में उसके डिजिटल मंच के विस्तार को दर्शाती है। यह उपभोक्ताओं के बढ़ते भरोसे, और भरोसेमंद डिजिटल भुगतान अनुभव पर कंपनी के लगातार ध्यान को भी प्रतिबिंबित करती है। कंपनी के अनुसार, पहले 10 लाख उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने में उसे 136 दिन लगे थे, जबकि अब इतने ही नए उपयोगकर्ता जोड़ने में लगभग छह दिन लगते हैं।

20 एकड़ का परिसर बनाएगी इन्फोसिस

अमरावती। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस ने विशाखापत्तनम में 20 एकड़ में स्थायी परिसर स्थापित करने की योजना की घोषणा की है, जो इस क्षेत्र की आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी संभावनाओं में उसके विश्वास को दर्शाता है। कंपनी की बृहस्पतिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सुविधा 7,000 पेशेवरों का संभालने की क्षमता के हिसाब से तैयार की जाएगी। इसमें कहा गया कि पिछले दो वर्ष में बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में इन्फोसिस की वृद्धि तेज रही है जहां कर्मचारियों की संख्या 250 से बढ़कर 1,900 हो गई है। निकट भविष्य में अतिरिक्त 750 पद सृजित होंगे।

सुनील राव बने रोब्लॉक्स भारत इकाई के नए एमडी

नई दिल्ली। गेमिंग कंपनी रोब्लॉक्स ने सुनील राव को भारत इकाई का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राव देश में रोब्लॉक्स के वरिष्ठ प्रतिनिधि एवं बाजार प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। वे स्थानीय दलों और भागीदारों के साथ मिलकर भारत में कंपनी की रणनीति के दैनिक क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। राव मई में कंपनी से जुड़ेंगे।

बड़े शहरों में 20% तक बढ़े फ्लैट के दाम

नई दिल्ली। बढ़ती निर्माण लागत के बीच देश के सात प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च तिमाही में फ्लैट के दाम सालाना आधार पर आठ से लेकर 20 प्रतिशत तक बढ़ गए। संपत्ति सलाहकार फर्म जेएलएल इंडिया ने गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि बीती तिमाही में फ्लैट की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 70,631 इकाई हो गई, जो एक साल पहले 65,222 इकाई थी। वहीं, नए घरों की आपूर्ति 13 प्रतिशत बढ़कर 90,023 इकाई हो गई। गणना में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता शामिल हैं।

जन-धन खातों में 64,000 करोड़ की जमा के साथ शीर्ष पर उत्तर प्रदेश

देशभर में जन-धन खातों में कुल जमा राशि का 18 प्रतिशत है यूपी के खातों में

नई दिल्ली, एजेंसी

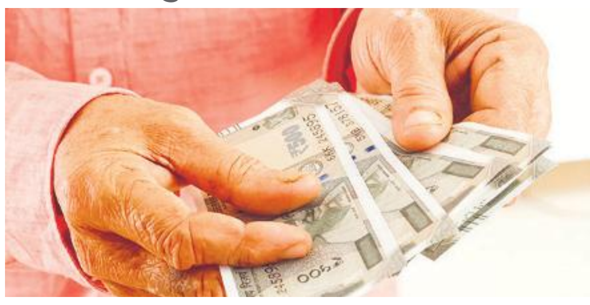

- बिजनेस कॉरेस्पॉडेंट नेटवर्क का संचालन करने वाली बीएलएस ई-सर्विसेज ने जारी किए आंकड़े
- दो दूसरे नम्बर पर हैं बिहार और पश्चिम बंगाल, जहां 30,000-30,000 करोड़ रुपये जमा हैं

वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने वाली प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत खुले खातों और जमा राशि के मामले में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। राज्य में इस साल अप्रैल तक 10.32 करोड़ जन-धन खातों में करीब 64,000 करोड़ रुपये जमा हैं, जो कुल जमा का लगभग 18 प्रतिशत है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

बैंक प्रतिनिधि (बिजनेस कॉरेस्पॉडेंट) नेटवर्क का संचालन करने वाली बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, देशभर में जन-धन खातों में कुल जमा राशि अप्रैल 2026 तक बढ़कर लगभग 3.07 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

आंकड़ों के अनुसार, आठ अप्रैल 2026 तक जन-धन खातों की कुल संख्या बढ़कर 58.06 करोड़ हो गई जो अप्रैल 2025 में 55.28 करोड़ और अप्रैल 2024 में 52.01 करोड़ थी। जमा राशि में भी इसी अनुपात में बढ़ोतरी देखी गई है।

अप्रैल 2024 के 2.34 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर यह अप्रैल 2026 में 3.07 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना, भारत सरकार का एक प्रमुख वित्तीय कार्यक्रम है। इसके तहत शून्य राशि यानी बिना किसी रकम के बैंक खाते खोले जाते हैं। इसका उद्देश्य हर परिवार को बैंकिंग सेवा से जोड़ना है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में खोले गए कुल 10.32 करोड़ जन-धन खातों में करीब 64,000 करोड़ रुपये जमा हैं। यह कुल जमा का लगभग 18 प्रतिशत है। उसके बाद बिहार और पश्चिम बंगाल का स्थान है, जहां क्रमशः 30,000-30,000 करोड़ रुपये जमा हैं।

बीएलएस ई-सर्विसेज के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) लोकनाथ पांडा ने कहा कि बिजनेस कोरेस्पोंडेंट केंद्र अब बैंक शाखाओं के प्रभावी विस्तार के रूप में कार्य कर रहे हैं। इससे न केवल ग्राहकों की भागीदारी बढ़ी है, बल्कि वित्तीय समावेश के प्रति लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

अन्य बड़े राज्यों की स्थिति

राजस्थान (24,000 करोड़ रुपये), महाराष्ट्र (22,000 करोड़ रुपये) और मध्य प्रदेश (19,000 करोड़ रुपये) के साथ कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड और गुजरात जैसे राज्यों में भी खातों की सक्रियता में तेजी दर्ज की गई है।

जमा में यह बढ़ोतरी बैंक प्रतिनिधि नेटवर्क में तेजी से विस्तार का नतीजा है। बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सेंटर बैंक का ऐसा सेवा केंद्र होता है जहां बैंक की शाखा न होते हुए भी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके कारण बैंकिंग सेवाओं को गांवों और दूर-दराज क्षेत्रों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

कच्चे तेल में उबाल से फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स 583 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

- 1,237.5 अंक तक लुढ़कने बाद दोपहर के सत्र में संभला
- निफ्टी भी 180 अंक गिरकर 23,997.55 अंक पर बंद हुआ

कच्चे तेल के ऊंचे स्तर, कमजोर वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स करीब 583 अंक नुकसान में रहा जबकि निफ्टी 180 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 582.86 अंक यानी 0.75 प्रतिशत टूटकर 76,913.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,237.5 अंक तक लुढ़क गया था लेकिन दोपहर के सत्र में कुछ संभल गया। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 180.10 अंक यानी 0.74 प्रतिशत गिरकर 23,997.55 पर बंद हुआ।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग एक प्रतिशत से अधिक टूटकर बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए थे।

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर :- सन फार्मा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

नुकसान में रहे शेयर :- हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर नुकसान में रहे।

स्माल कैप 0.58% और मिडकैप 0.84% फिसला

मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.84 प्रतिशत के नुकसान में रहा जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में धातु खंड को सर्वाधिक 2.13 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा। पीएसयू बैंक खंड में 1.66 प्रतिशत, रियल्टी खंड में 1.44 प्रतिशत और जिंस खंड में 1.36 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,468.42 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा कि शुरुआत में घबराहट भरी बिकवाली के बाद बाजार में सुधार देखने को मिला। हालांकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि यह गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल में आए तेज उछाल की वजह से आई।

सरकारी बैंकों में एक साल में हुईं 50 हजार नयी भर्तियां

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकारी क्षेत्र के बैंकों के परिचालन को मजबूत बनाने के लिए कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त रूप से बढ़ाने की रणनीति के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 50,000 से ज़्यादा उम्मीदवारों का चयन किया गया जो इससे पिछले साल से 33 प्रतिशत अधिक है। ये नियुक्तियां बैंक कर्मी चयन संस्थान (आईबीपीएस) के जरिये की जाती हैं।

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक एक विज्ञप्ति में बताया कि उसके वित्तीय सेवा विभाग ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में मानव संसाधन क्षमता को मज़बूत करने के लिए लगातार और लक्षित उपाय किए हैं। ये उपाय कर्मचारियों की संख्या को संतुलित तरीके से बढ़ाने, काम करने के तरीके को बेहतर बनाने और शासन-केंद्रित सुधारों के ज़रिए किए जा रहे हैं। सरकारी बैंकों में संस्थान के जरिये होने वाली ये भर्तियां इसमें शामिल बैंकों के कर्मचारियों से जुड़ी खास ज़रूरतों के हिसाब से होती है। यह केंद्रीकृत और मानकीकृत ढांचा, चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और कुशलता सुनिश्चित करता है।

विज्ञप्ति में सरकारी बैंकों से प्राप्त जानकारी के आधार पर बताया गया है कि 2025-26 में सरकारी बैंकों में कुल 50,552 उम्मीदवारों का चयन हुआ है और उन्हें नौकरी के प्रस्ताव के पत्र जारी किए गए हैं। यह बैंकिंग क्षेत्र की बढ़ती व्यावसायिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कर्मचारियों की संख्या में हुई एक बड़ी बढ़ोतरी को दिखाता है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या 30,827 थी, जो अब बढ़कर 37,860 हो गई।

समाधान योजनाओं को एनसीएलटी की मंजूरी में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी

कहा-यह गंभीर स्थिति, युद्धस्तर पर नहीं हुआ समाधान तो दिवाला कानून का उदद्देश्य ही विफल हो जाएगा

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में समाधान योजनाओं की मंजूरी में हो रही देरी पर स्वतः संज्ञान लेते हुए स्थिति को 'गंभीर' बताते हुए कहा है कि इस समस्या का युद्धस्तर पर समाधान नहीं हुआ तो दिवाला कानून का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा।

न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने बुधवार को देशभर की एनसीएलटी पीठों में स्टाफ और बुनियादी ढांचे की कमी को भी रेखांकित किया। इसके साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि मामले को मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत के समक्ष रखा जाए ताकि इसे उचित पीठ को सौंपा जा सके।

शीर्ष अदालत में एनसीएलटी की प्रधान पीठ की तरफ से रखी गई रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में 383 आवेदन समाधान योजनाओं की मंजूरी के लिए लंबित हैं, जिनमें देरी एक महीने से लेकर 700 दिनों से अधिक तक की है।

दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत किसी ऋणग्रस्त कंपनी को उबारने के लिए कर्ज समाधान योजना पेश की जाती है। इसमें आमतौर पर कंपनी के पुनर्गठन, कर्ज के पुनर्समायोजन या अधिग्रहण के जरिए उसके कारोबार को फिर से पटरी पर लाने की योजना शामिल होती है।

शीर्ष अदालत ने यह आदेश 2023 में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायालय (एनसीएलएटी) के एक आदेश के खिलाफ दायर दो याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया। उच्चतम न्यायालय ने 16 अप्रैल को सुनवाई के दौरान एनसीएलटी से देशभर में लंबित मामलों, उनकी अवधि और देरी के कारणों का विवरण मांगा था।

इसके साथ ही भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड को भी मामले में पक्षकार बनाते हुए आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

अब इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक में स्वयं सहायता समूह खोल सकते हैं बचत खाता

नई दिल्ली, एजेंसी

डाक विभाग के अंतर्गत आने वाले सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाले इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक ने स्वयं सहायता समूह बचत खाता आरंभ करने की गुरुवार को घोषणा की। डाक विभाग का कहना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय समावेशन बढ़ाना और महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों को बल मिलेगा।

आईपीपीबी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर विश्वेश्वरन ने कहा कि बैंक का डोरस्टेप बैंकिंग मॉडल (ऐसी सेवा जिसके तहत बैंक अपने ग्राहकों को बैंक शाखा में आए बिना, उनके घर या कार्यस्थल पर ही बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं) और डिजिटल बुनियादी ढांचे द्वारा हमारा लक्ष्य स्वयं सहायता समूहों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने और सतत आर्थिक विकास को गति देने में सक्षम बनाना है।

इंडिया पोस्ट पेमेन्ट्स बैंक स्वयं सहायता समूह बचत खाता योजना के अंतर्गत न्यूनतम प्रारंभिक जमा राशि तथा मासिक औसत शेष राशि की आवश्यकता नहीं होगी। पर इस सुविधा पर राशि सीमा 2 लाख रुपये लागू होगी। लागू बचत दरों के अनुसार त्रैमासिक ब्याज भुगतान किया जाएगा। नकद जमा और निकासी, प्रति माह खाता विवरण, खाता बंद करने, तथा क्यूआर कार्ड जारी करने जैसी सुविधाओं के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा।

एफडीआई नियमों में ढील पर अधिसूचना जल्द

नयी दिल्ली, एजेंसी

- चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को होगा फायदा

सरकार 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियां के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में ढील से जुड़े फैसले को जल्द अधिसूचित करेगी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि अधिसूचना विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत जारी की जाएगी, जिसके बाद संशोधित प्रावधान लागू हो जाएंगे।

मार्च में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2020 में जारी प्रेस नोट-3 को संशोधित करने की मंजूरी दी थी। इस संशोधन के तहत 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियां को विभिन्न क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग के तहत भारत में निवेश की अनुमति होगी। हालांकि यह राहत उन संस्थाओं पर लागू नहीं होगी जो चीन/हांगकांग या भारत से भूमि सीमा साझा करने वाले अन्य देशों में पंजीकृत हैं। सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक घटकों, पॉलिसिलिकॉन और इंगट-वाफर जैसे विनिर्माण क्षेत्रों में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का निपटान 60 दिनों के भीतर किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, मंत्रिमंडलीय सचिव की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा जिन अन्य क्षेत्रों या गतिविधियों को जोड़ा जाएगा, वे भी इस दायरे में आएंगे।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इन बदलावों को अधिसूचित कर दिया है, लेकिन आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने अभी तक फेमा कानून के तहत अधिसूचना जारी नहीं की है।

एफडीआई 90 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद

डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कुल एफडीआई के 90 अरब डॉलर के पार पहुंच जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सुधारात्मक उपाय, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि देश को अच्छा निवेश आकर्षित करने में मदद कर रही है।

जल्द ही ऋण गारंटी के साथ बिना कुछ गिरवी रखे मिल सकेगा कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

- कंपनियों के लिए कर्ज गारंटी को लेकर ईसीएलजीएस जैसी व्यवस्था पर काम जारी

सरकार पश्चिम एशिया संकट के बीच कंपनियों के लिए आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) जैसी व्यवस्था शुरू करने पर विचार कर रही है। इसके तहत कर्ज गारंटी और बिना कुछ गिरवी रखे कर्ज उपलब्ध कराया जा सकता है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सरकार ने 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से प्रभावित सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और अन्य पात्र इकाइयों को परिचालन दायित्वों को पूरा करने तथा कारोबार फिर शुरू करने में सहायता देना था।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग में अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने यहां आयोजित 'सीआईआई एमएसएमई लीडरशिप समिट 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि ईसीएलजीएस जैसी व्यवस्था लाने पर विचार जारी है जिसमें बिना कुछ गिरवी रखे ऋण, ऋण गारंटी, कर्ज पुनर्गठन और ऋण स्थगन शामिल हो सकती हैं।

कच्चे माल की खरीद के लिए एनएसआईसी (राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि.) कार्यक्रम के तहत भी काम जारी है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य नियामकों से कुछ नियामकीय राहत देने पर भी विचार किया जा रहा है। सिंह ने उद्योग से इन प्रस्तावित उपायों पर प्रतिक्रिया भी मांगी।

पहले लागू आपात ऋण गारंटी योजना में लगभग सभी आर्थिक क्षेत्र शामिल थे और इसके तहत सदस्य ऋण संस्थानों द्वारा दिए गए ऋण पर 100 प्रतिशत गारंटी दी जाती थी।

दस साल, बेमिसाल : यूपीआई बना दुनिया का सबसे बड़ा तत्काल डिजिटल भुगतान मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

कहीं से कहीं को तत्काल भुगतान करने की सुविधा मुट्ठी में पड़े मोबाइल फोन के जरिए आम लोगों तक पहुंचने वाली यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) नाम की खोज ने बाजार में अपने 10 साल पूरे कर लिये हैं और देखते ही देखते यह ऐप आधारित भुगतान के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफार्म बन गयी है।

भारतीय रिज़र्व बैंक की देखरेख में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया ने 11 अप्रैल 2016 को इसका लोकार्पण किया था। एक दशक में यह भारत में डिजिटल पेमेंट्स के पारिस्थितकी तंत्र की रीढ़ बन गया है। इस तरह की अवधारणा को भारत जैसे देश में आम लोगों द्वारा अपनाये जाने को लेकर पहले की तमाम दुविधाओं और आशंकाओं को गलत सिद्ध करते हुए यूपीआई वित्तीय समावेशन का एक अहम ज़रिया बनकर उभरा है।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई के जरिये 2016-17 में जहां सिर्फ़ दो करोड़ ट्रांज़ैक्शन हुए थे। वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24,162 करोड़ से ज़्यादा, यानी लगभग 12,000 गुना ज्यादा हो गयी। इसी दौरान ट्रांज़ैक्शन का मूल्य भी वित्त वर्ष 2016-17 में सात हजार करोड़ रुपये से तेज़ी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

विकास | 'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' पर बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

हिमालयी क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क ढांचे का विकास बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भौगोलिक रूप से संवेदनशील हिमालयीय क्षेत्र में जलवायु अनुकूल सड़क बुनियादी ढांचा विकसित करना जटिल भौगोलिक परिस्थितियों, ढलानों की अस्थिरता और बार-बार आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के कारण एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

'पहाड़ी क्षेत्रों में मजबूत राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि सरकार वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। मंत्री ने बताया कि उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन की समस्या से निपटने के लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता किया गया है।

वहीं, सुरंग और सड़क परियोजनाओं के लिए भू-वैज्ञानिक जांच और आंकड़ों के आदान-प्रदान हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के साथ भी सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिला यांत्रिकी संस्थान (एनआईआरएम) के साथ मिलकर परियोजनाओं की तकनीकी जांच, डिजाइन की पुष्टि, सुरंगों की सुरक्षा जांच और निगरानी जैसे काम किए जा रहे हैं। गडकरी ने बताया कि अब पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलानों को मजबूत करना जरूरी किया गया है, ताकि सड़कें लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ रह सकें।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की को पहाड़ी ढलानों की अस्थिरता पर दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए सहयोग दिया जा रहा है, जिसमें वास्तविक समय पर निगरानी प्रणाली का उपयोग होगा। उत्तराखंड में चारधाम मार्ग के करीब 100 किलोमीटर हिस्से में भूस्खलन की निगरानी और समय रहते चेतावनी देने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित प्रणाली लगाने का भी समझौता किया गया है।

मंत्री ने कहा कि अब सड़क परियोजनाओं की योजना बनाते समय लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) और यूएवी जैसी तकनीक का उपयोग कर विस्तृत सर्वे किया जा रहा है, ताकि भूस्खलन की संभावनाओं और पुराने आंकड़ों को ध्यान में रखकर बेहतर और सुरक्षित सड़कें बनाई जा सकें।

एफटीए से निर्यात और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: पीयूष गोयल

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच देने, देश के निर्यात को बढ़ावा देने और लाखों लोगों के लिए रोजगार सृजित करने में मदद करेंगे।

गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने हाल ही में एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत न्यूजीलैंड भारत में 20 अरब डॉलर (करीब दो लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा। गोयल ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा, "हम भारतीय उद्योग के लिए नए बाजार खोल रहे हैं और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए कदम उठा रहे हैं...।

वर्ल्ड ब्रीफ

दिल्ली में द्वारका गोल्फ कोर्स के तालाब में तीन बच्चों की डूबकर मौत

नई दिल्ली। द्वारका के सेक्टर 24 इलाके में स्थित एक गोल्फ कोर्स के तालाब में बृहस्पतिवार सुबह आठ से 10 साल की उम्र के तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर द्वारका सेक्टर 23 थाने की पुलिस सुबह मौके पर पहुंची। दमकल विभाग सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी बुलाया गया। पुलिस ने बताया, गोल्फ कोर्स परिसर के अंदर तालाब में तीन बच्चों को मृत पाया गया। दमकल विभाग ने शवों को बाहर निकाला। बच्चों के कपड़े किनारे पर मिले, जिससे अनुमान है कि वे नहाने के लिए तालाब में उतरे होंगे। अभी मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

धन शोधन मामले में आई पैक निदेशक विनेश चंदेल को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पश्चिम बंगाल में कथित कोयला घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में आई पैक के सह संस्थापक और निदेशक विनेश चंदेल को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित बंसल ने कहा कि ईडी ने जमानत याचिका का विरोध नहीं किया। न्यायाधीश बंसल ने जमानत देते हुए कई शर्तें भी लगाई हैं। इससे पहले 14 अप्रैल को अदालत ने ईडी को चंदेल से 10 दिनों तक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति दी थी और कहा था कि यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि वह अपराध से अर्जित कई करोड़ रुपये की आय, हेरफेर आदि से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। ईडी ने चंदेल को 13 अप्रैल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था।

नेपाल में बारिश के बीच जीप खाई में गिरने से 17 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के रोल्पा जिले में बृहस्पतिवार को एक जीप पहाड़ी सड़क से फिसलकर लगभग 700 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना थवांग ग्रामीण नगरपालिका के जलजाला क्षेत्र में हुई, जब बारिश के बीच वाहन कीचड़ भरे रास्ते पर फिसल गया और पहाड़ी से नीचे गिर गया। रोल्पा जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी सुनील थापा के अनुसार, शुक्रवार को जलजाला में आयोजित बैसाख पूर्णिमा उत्सव में भाग लेने जा रहे स्थानीय लोगों ने निजी जीप किराए पर ली थी।

विमान किराए में मनमानी वृद्धि मामले में टालमटोल पर केंद्र को कड़ी फटकार

तीन तारीखों के बाद भी शपथपत्र न देने और बार-बार वक्त मांगने का कारण बताना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने देश में निजी एयरलाइनों के विमान किरायों और अन्य शुल्कों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को सुव्यवस्थित करने संबंधी नियामक दिशानिर्देशों का अनुरोध करने वाली एक याचिका पर हलफनामा दाखिल नहीं करने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सख्त कदम उठाते हुए केंद्र को एक अर्जी के साथ 8 मई तक हलफनामा दाखिल करने को कहा, जिसमें तीन बार समय दिए जाने के बाद भी शपथ पत्र दाखिल न करने की वजह और इसके लिए अतिरिक्त समय मांगने के कारणों का उल्लेख किया गया हो।

पिछले साल 17 नवंबर को, शीर्ष न्यायालय ने सामाजिक कार्यकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा था। लक्ष्मीनारायणन ने नागर विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले एक सशक्त और स्वतंत्र नियामक की मांग की थी। बृहस्पतिवार को याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से अभी तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इस पर केंद्र के वकील ने पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति का हवाला दिया। पीठ ने उनसे पूछा, हलफनामा दाखिल करने में आपको क्या दिक्कत आ रही है। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि वे नियम बनाने पर विचार कर रहे हैं। पीठ ने कहा, आप हलफनामा दाखिल करें और सब कुछ रिकॉर्ड पर रखें। आप हलफनामा दाखिल क्यों नहीं कर सकते। केंद्र का यह क्या रुख है। हमने आपको तीन बार समय दिया है।

इस बार भी मांगा तीन सप्ताह का समय, कोर्ट का साफ इन्कार

केंद्र ने हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया। पीठ ने इससे इन्कार कर दिया कहा, 8 मई को हलफनामा मिल जाना चाहिए। जो कुछ कहना चाहते हैं तभी कहें। अगली 11 मई को होगी।

पिछली सुनवाइयों में सुप्रीम कोर्ट ने मनमानी किराया वृद्धि को बताया था यात्री का शोषण

केंद्र ने 23 फरवरी को उच्चतम न्यायालय को बताया था कि नागर विमानन मंत्रालय याचिका में उठाए गए मुद्दों पर तत्परता से विचार कर रहा है। न्यायालय ने 19 जनवरी को मामले की सुनवाई करते हुए विमान किरायों में होने वाले अप्रत्याशित उतार–चढ़ाव में हस्तक्षेप करने की बात कही थी और त्योहारों के दौरान होने वाली अत्यधिक वृद्धि पर चिंता जताई थी। न्यायालय ने इस वृद्धि को शोषण करार देते हुए केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा था। इससे पहले पिछले साल नवंबर में, पीठ ने केंद्र सरकार, डीजीसीए और भारतीय विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी कर याचिका पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी।

दावा... अनदेखी की जा रही है किराया बढ़ाने की

याचिका में दावा किया गया था कि सभी निजी एयरलाइनों ने बिना किसी ठोस कारण इकोनॉमी श्रेणी के यात्रियों के लिए नि:शुल्क चेक इन सामान की सीमा 25 किलोग्राम से घटा कर 15 किग्रा कर दी और ऐसा कर पूर्व में टिकट के अंतर्गत आने वाली सेवा को राजस्व का एक नया स्रोत बना दिया गया। याचिका में कहा गया है कि चेक इन के तहत केवल एक सामान की अनुमति देने की नई नीति और इस सेवा का लाभ न उठाने वाले यात्रियों को किसी भी प्रकार की छूट, मुआवजा या लाभ न देना मनमाना और भेदभावपूर्ण है। याचिका में दावा किया गया है कि वर्तमान में किसी भी प्राधिकरण को विमान किराये या अन्य शुल्कों की समीक्षा करने या उन पर सीमा लगाने का अधिकार नहीं है, जिसके चलते एयरलाइंस छिपे हुए शुल्कों और अप्रत्याशित मूल्य निर्धारण के माध्यम से उपभोक्ताओं का शोषण कर रही हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम ज़मानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां रखने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत मांगी है। न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने कांग्रेस नेता की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। खेड़ा ने कहा कि यदि उन्हें दर्ज मामले में अग्रिम जमानत नहीं मिलती है तो गिरफ्तारी पूर्व जमानत का पूरा उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सुनवाई के विषय हैं और उन्हें गिरफ्तार कर अपमानित करना आवश्यक नहीं है। उन्होंने यह भी दलील दी कि उनके खिलाफ लगाई गई धाराओं में से कुछ जमानती हैं, जबकि अन्य में गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है।

पुतिन की ट्रंप को चेतावनी ईरान पर दोबारा हमला किया तो पूरी दुनिया भुगतेगी नतीजा

मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच डेढ़ घंटे से अधिक समय तक फोन पर चली महत्वपूर्ण वार्ता में ईरान संकट, यूक्रेन संघर्ष और रूस-अमेरिका संबंधों सहित कई वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। ईरान युद्ध पर बातचीत के दौरान पुतिन ने ट्रंप को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि अमेरिका और इजराइल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई फिर शुरू करते हैं तो इसके गंभीर परिणाम ईरान या उसके पड़ोसियों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने विशेष रूप से ईरानी भूमि पर किसी भी जमीनी अभियान को अस्वीकार्य और अत्यंत खतरनाक बताया।

क्रेमलिन के अनुसार पुतिन और ट्रंप की बातचीत सौहार्दपूर्ण, स्पष्ट और व्यावसायिक रही। पुतिन ने ईरान संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों के प्रति रूस की प्रतिबद्धता दोहराई और ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर मतभेद कम करने के लिए कई प्रस्ताव रखे। वार्ता की शुरुआत में वॉशिंगटन हिल्टन होटल में ट्रंप पर हुए कथित हमले के प्रयास को लेकर उनके प्रति सहानुभूति भी व्यक्त की। पुतिन ने ईरान और फारस की खाड़ी क्षेत्र पर चर्चा के दौरान ट्रंप के युद्धविराम बढ़ाने के निर्णय का समर्थन किया और कहा कि इससे वार्ता के लिए अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रूस ईरान, खाड़ी देशों, इजराइल और अमेरिका के साथ परामर्श जारी रखे हुए है। ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर शीघ्र युद्धविराम पर बल दिया और कहा कि उनके प्रतिनिधि रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संपर्क बनाये रखेंगे।

पुतिन ने इस दौरान दावा किया कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को रणनीतिक बढ़त हासिल है लेकिन वह वार्ता के जरिए समाधान को प्राथमिकता देंगे। रूस ने आगामी विजय दिवस समारोह के दौरान संभावित युद्धविराम की इच्छा भी जताई, जिसे ट्रंप ने ऐतिहासिक महत्व वाला कदम बताया। दोनों नेताओं ने आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्रों में संभावित सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जतायी। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया कि यह कॉल पुतिन के अनुरोध पर रूसी पक्ष की ओर से शुरू की गई थी।

90 मिनट तक चली बातचीत

- दोनों नेताओं ने फोन पर द्विपक्षीय संबंधों के साथ यूक्रेन युद्ध पर भी की लंबी चर्चा

ईरान के समृद्ध यूरेनियम को संभालने की पुतिन की पेशकश ट्रंप ने ठुकराई

वाशिंगटन। ट्रंप ने दावा किया कि पुतिन ने फोन पर हुई बातचीत के दौरान रूस की उस पेशकश को दोहराया, जिसमें वह तीसरे देश के रूप में ईरान के 970 पाउंड समृद्ध यूरेनियम के भंडार को संभालने के लिए तैयार है। ट्रंप ने बताया कि पुतिन ने उनसे कहा, वह इसमें उनकी मदद करना चाहते हैं और वह संवर्धन में शामिल होने के इच्छुक हैं। इस पर उन्होंने उनसे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने को कहा।

जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज पलटने से चार लोगों की मौत, 10 लोग लापता

जबलपुर, एजेंसी

- अचानक आंधी आने के बाद हुई दुर्घटना, 29 लोग सवार थे क्रूज में, 15 को बचाया गया

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में अचानक आई आंधी के कारण 29 लोगों को लेकर जा रहा एक क्रूज बरगी बांध में पलट गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 लोग लापता हैं। इसके अलावा 15 लोगों को बचा लिया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

बरगी बांध का निर्माण जबलपुर जिले में नर्मदा नदी पर किया गया है। बरगी शहर के पुलिस अधीक्षक अंजुल मिश्रा ने बताया कि लापता लोगों की तलाश में युद्ध स्तर पर अभियानजारी है। जबलपुर के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक, एसडीआरएफ और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत एवं बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, संभागीय एसीएस, एडीजी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बचाव अभियान की निगरानी के लिए घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है।

मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा कि जबलपुर के बरगी बांध में क्रूज दुर्घटना की खबर बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली है। उन्होंने इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

हेगसेथ की अमेरिकी कांग्रेस में पेशी, डेमोक्रेट सांसदों ने लगाए ईरान युद्ध पर जनता को गुमराह करने के आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की ईरान युद्ध को लेकर जनता को गुमराह करने और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाने के आरोपों पर यहां प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति की सुनवाई के दौरान बुधवार को डेमोक्रेट सांसदों से तीखी बहस हुई। छह घंटे चली इस सुनवाई में माहौल गरमा गया, जिसमें ट्रंप प्रशासन के 1500 अरब डॉलर के रक्षा बजट पर चर्चा हो रही थी। हेगसेथ 28 फरवरी को शुरू हुए ईरान युद्ध के बाद पहली बार कांग्रेस के सामने पेश हुए।

- ट्रंप के मानसिक स्वास्थ्य पर उठाए सवाल, देश के लिए आपदा बताया

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने युद्ध की लागत 25 अरब डॉलर बताई, लेकिन कई डेमोक्रेट सांसदों ने इस पर संदेह जताया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मानसिक स्वास्थ्य तक पर सवाल उठाए। इस पर हेगसेथ ने पलटवार करते हुए कहा कि ट्रंप विभिन्न पीढ़ियों में सबसे तेज और सूझबूझ वाले कमांडर इन चीफ हैं। उन्होंने डेमोक्रेट सदस्यों से पूछा कि क्या उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की क्षमता पर कभी सवाल उठाया था। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी सुनवाई में मौजूद थे। हेगसेथ ने कहा कि इस समय सबसे बड़ा खतरा विपक्षी नेताओं के गैरजिम्मेदार और निराशावादी बयान हैं, जो मिशन की सफलता को नजरअंदाज कर रहे हैं।

युद्ध के बीच वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि नया नेतृत्व लाने के लिए यह जरूरी था। रिपब्लिकन सांसद नैन्सी मेस ने उनके फैसलों का समर्थन किया। वहीं, कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद जॉन गरामेंडी ने ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक और आर्थिक आपदा बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में एक और युद्ध में फंस गया है। हेगसेथ ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह दुश्मनों को बढ़ावा देने जैसा है। हेगसेथ बृहस्पतिवार को सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सामने भी पेश होंगे।

एआई वॉयस क्लोनिंग

आपकी आवाज ही बन जाती है आपकी दुश्मन

कल्पना कीजिए, आपको एक अनजान नंबर से फोन आता है। दूसरी तरफ से आपके बेटे या बेटी की रोने की आवाज आती है जो कह रहे हैं कि वे किसी बड़ी मुसीबत में हैं या पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया है। घबराहट में आप पैसे ट्रांसफर कर देते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि आपका बच्चा तो सुरक्षित था। उसने न कोई अपराध किया था, नहीं उसे पुलिस ने पकड़ा था। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि डिजिटल अरेस्ट और एआई वॉयस क्लोनिंग का नया और खतरनाक दौर है। अब अपराधी आपके पैसे लूटने के लिए आपकी भावनाओं और तकनीक का भी सहारा ले रहे हैं।

आंकड़े क्या कहते हैं

एक अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा फर्म की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 47 प्रतिशत लोग वॉयस क्लोनिंग स्कैम का शिकार हुए हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसके साथ ऐसा हुआ। एआई अब आपकी आवाज के उतार–चढ़ाव और भावनाओं को भी 95 प्रतिशत सटीकता के साथ कॉपी कर सकता है।

डिजिटल अरेस्ट... यह है अपराधियों का नया खेल

- ठगों के हाथ में एआई ने वॉयस क्लोनिंग तकनीक नाम का जादुई हथियार थमा दिया है। एआई की मदद से 30 सेकंड की आवाज का सैंपल लेकर उसकी हूबहू नकल तैयार की जा सकती है। आवाज की चोरी सोशल मीडिया से होती है।
- अपराधी खुद को सीबीआई, पुलिस या नारकोटिक्स विभाग का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल करते हैं। वे बैकग्राउंड में असली ऑफिस जैसा सेटअप रखते हैं और पैसे ऐंठने के लिए आपको घंटों कैमरे के सामने रहने को मजबूर करते हैं।
- एआई सिर्फ आवाज ही नहीं, बल्कि वीडियो कॉल पर आपके परिचित का चेहरा भी लगा सकता है, जिससे असलियत को पहचानना लगभग नामुमकिन हो जाता है। कोई भी आसानी से इसके झांसे में आकर अपराध का शिकार हो सकता है।

आपके लिए जरूरी बातें

- पैनिक बटन सिंड्रोम यानी अपराधी आपको सोचने का समय नहीं देते। वे इमरजेंसी और इज्जत का हवाला देकर आपको डराते हैं ताकि आप बिना जांचे–परखे तुरंत पैसे भेज दें।
- हम अपनी हर जानकारी, लोकेशन और वीडियो सार्वजनिक रखते हैं। यह कच्चा माल साबित होता है। आपकी एक रील आपकी आवाज का क्लोन बनाने में मदद करती है।
- भारत में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानून नहीं है। कोई भी एजेंसी वीडियो कॉल करके आपको घर में कैद रहने का आदेश नहीं दे सकती, न फोन पर पैसों की मांग करती है।
- मनी ट्रेल का गायब होना, ये ठग आपसे पैसे क्रिप्टोकरेंसी या अनजान म्यूल अकाउंट्स में ट्रांसफर करवाते हैं, जिससे पुलिस के लिए उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है।

एक्सपर्ट टिप्स

- परिवार के साथ एक गुप्त कोड वर्ड तय करें। अगर कभी कोई इमरजेंसी कॉल आए तो उस कोड वर्ड को पूछें। अगर दूसरी तरफ वाला न बता पाए तो समझ लें कि वह एआई की नकल है।
- क्रॉस–वेरिफिकेशन करें, यानी घबराने के बजाय फोन कॉल को काटें और सीधे उस व्यक्ति को फोन लगाएं जिसके बारे में दावा किया जा रहा है। उनके दोस्तों या साथ रहने वालों से संपर्क करें।
- वीडियो कॉल पर गंभीरता से गौर करें। अगर वीडियो कॉल पर चेहरा थोड़ा धुंधला दिखे या होंठों की मूवमेंट आवाज से मेल न खाए तो कॉल काट दें और सच्चाई का पता लगाने का प्रयास करें।
- आपके साथ ऐसा कुछ होता है तो तुरंत 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। शुरुआती 1–2 घंटे में पैसे वापस मिलने की संभावना रहती है।

पूर्व एफबीआई निदेशक ने मेरी हत्या के लिए कोड संदेश भेजे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी की एक पोस्ट को लेकर दावा किया कि कोमी ने उनकी हत्या का खुफिया संदेश साझा किया है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर '86 47' वाक्यांश का उल्लेख करते हुए इसे एक माफिया शब्द (मॉब टर्म) बताया।

- ट्रंप ने लगाए आरोप, ट्रुथ सोशल पर साझा किया खुफिया संदेश

उन्होंने दावा किया कि '86' का उपयोग अपराधी हत्या के लिए करते हैं, जबकि '47' का मतलब अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति यानी स्वयं ट्रंप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जेम्स कोमी ने समुद्र तट पर सीपियों से '86 47' लिखकर उनकी हत्या का संकेत दिया है। गौरतलब है कि '86' शब्द का उपयोग अमेरिका में किसी चीज को हटाने या रद्द करने के लिए किया जाता है। कोमी ने इस तस्वीर को एक राजनीतिक संदेश के रूप में साझा किया था और उन्होंने किसी भी हिंसक इरादे से इन्कार किया है। इस मामले में कोमी पर 28 अप्रैल को राष्ट्रपति के जीवन को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने 29 अप्रैल को अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उन्हें बिना किसी शर्त रिहा कर दिया गया। कोमी ने खुद को निर्दोष बताते हुए इन आरोपों को खारिज किया है। यह कोमी के खिलाफ ट्रंप प्रशासन का दूसरा कानूनी मामला है, इससे पहले 2025 में भी उन पर एक मामला चला था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष: आज का दिन अच्छा रहेगा। कला या लेखन से जुड़े जातकों को बड़ा मंच मिल सकता है। पुरानी उधारी मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: आज व्यापार में आधुनिक तकनीक का प्रयोग लाभ देगा। संतान की शिक्षा को लेकर चली आ रही चिंता दूर होगी।

वृष: आज का दिन करियर में स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण है। आपकी कार्यकुशलता की वरिष्ठों द्वारा प्रशंसा होगी।

वृश्चिक: आज अचल संपत्ति या वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। माता के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगी। ऑफिस की राजनीति से खुद को दूर रखें।

मिथुन: आज व्यावसायिक यात्रा के योग हैं। भाई–बहनों से वैचारिक मतभेद सुलझेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

धनु: आज पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। छोटी दूरी की यात्राएं फलदायी रहेंगी। अपने हुनर के प्रदर्शन का भरपूर मौका मिलेगा।

कर्क: आज का दिन बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के जातकों के लिए विशेष लाभकारी है। अपनी वाणी के जादू से कठिन कार्य भी करवा लेंगे।

मकर: आज धन संचय के नए रास्ते खुलेंगे। किसी मांगलिक कार्य में धन खर्च होने की संभावना है। सेहत अच्छी रहेगी।

सिंह: आज नेतृत्व क्षमता में निखार आएगा। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बढ़ेगा।

कुंभ: आज जो छात्र विदेश जाने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अच्छी खबर मिल सकती है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव होगा।

कन्या: आज कानूनी मामलों में राहत मिलने की संभावना है। मानसिक शांति के लिए योग करें। कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

मीन: आज खर्चों की अधिकता मानसिक तनाव दे सकती है। बाहरी लोगों पर अधिक भरोसा न करें। धार्मिक स्थल की यात्रा मन को सुकून देगी।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

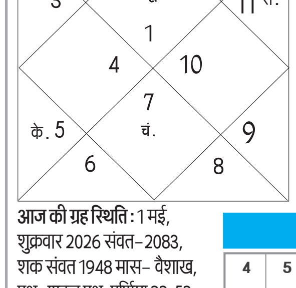

आज की ग्रह स्थिति : 1 मई, शुक्रवार 2026 संवत–2083, शक संवत 1948 मास– वैशाख, पक्ष–शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 22.52 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल–पश्चिम, **ऋतु**– ग्रीष्म।
चन्द्रबल– मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल–अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र–स्वाती 2 मई 04.35 तक तत्पश्चात विशाखा।

सुडोकू - 135 का हल

7	1	6	4	3	2	9	8	5
4	3	8	9	5	7	6	2	1
5	9	2	6	8	1	4	3	7
8	7	1	3	9	5	2	6	4
2	5	3	1	6	4	7	9	8
9	6	4	2	7	8	1	5	3
6	4	5	8	1	9	3	7	2
1	8	9	7	2	3	5	4	6
3	2	7	5	4	6	8	1	9

सुडोकू -136

4	5							
		1		7	2			
6				9			5	3
7			8	6				
	8						3	
	6			5	1			
2	9							5
			6	3				
		6			4		7	8

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

कुख्यात अंतर्राष्ट्रीय कला तस्कर सुभाष कपूर और नैन्सी वीनर ने बेचा था अमेरिका में

अमेरिका ने भारत को 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 650 प्राचीन वस्तुएं लौटाईं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका ने भारत को करीब 1.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन वस्तुएं लौटाई हैं, साथ ही कहा है कि इस एशियाई देश को चुराई गई कलाकृतियां वापस दिलाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। प्राचीन वस्तुएं लौटाने की घोषणा मंगलवार को मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने की।

ये वस्तुएं कई तस्करी गिरोहों की जांच के बाद बरामद की गईं, जिनमें कुख्यात कला व्यापारी सुभाष कपूर और दोषी तस्कर नैन्सी वीनर से जुड़े गिरोह भी शामिल हैं। इन्हें न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की दूत राजलक्ष्मी कदम की मौजूदगी में हुए एक कार्यक्रम में भारत को सौंपा गया। ब्रैग ने कहा, भारत की सांस्कृतिक विरासत को निशाना बनाने वाले तस्कर गिरोह का दायरा बहुत बड़ा है, जैसा कि आज 600 से अधिक वस्तुओं की वापसी से स्पष्ट है। भारत को चुराई गई कलाकृतियां लौटाने के लिए अभी और काम किया जाना बाकी है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग की सराहना की। कहा, उनकी लगातार सतर्कता के कारण इन सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं की बरामदगी और वापसी संभव हो सकी।

- अवलोकितेश्वर की 20 लाख डॉलर मूल्य की कांस्य प्रतिमा शेरों से सजे सिंहासन पर द्विकमल आसन पर विराजमान है। इस पर कारीगर का नाम द्रोणादित्य अंकित है, जो छत्तीसगढ़ के रायपुर के पास सीपुर के निवासी थे। ये प्रतिमा 1939 में लक्ष्मण मंदिर के पास मिली कांस्य प्रतिमाओं के भंडार का हिस्सा थी और 1952 तक रायपुर के महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में शामिल हो गई थी जहां से इसे चुरा लिया गया था।

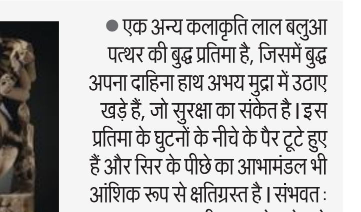

ये हैं प्रमुख कलाकृतियां

- एक अन्य कलाकृति लाल बलुआ पत्थर की बुद्ध प्रतिमा है, जिसमें बुद्ध अपना दाहिना हाथ अभय मुद्रा में उठाए खड़े हैं, जो सुरक्षा का संकेत है। इस प्रतिमा के घुटनों के नीचे के पैर टूटे हुए हैं और सिर के पीछे का आभामंडल भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है। संभवत: यह नुकसान उत्तरी भारत से इसे लूटे जाने के दौरान हुआ होगा। करीब 75 लाख डॉलर मूल्य की इस प्रतिमा को कपूर न्यूयॉर्क में तस्करी कर लाया था और इसे एंटीक्विटीज ट्रैफिकिंग यूनिट ने उसकी एक भंडार इकाई से जब्त किया था।

एक अन्य वस्तु नृत्य करते हुए गणेश की बलुआ पत्थर की प्रतिमा है, जिसे कपूर के सहयोगी रंजीत कंवर ने 2000 में मध्य प्रदेश के एक मंदिर से लूटा था। बाद में तस्कर वामन घिया ने इसे न्यूयॉर्क स्थित गैलरी मालिक डोरिस वीनर को बेच दिया था। यह गणेश प्रतिमा 2012 की नीलामी में एक निजी संग्रहकर्ता ने खरीदी थी, जिसने इस वर्ष की शुरू में इसे मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय को सौंपा।

महाराजा चार्ल्स से भारत को कोहिनूर हीरा लौटाने को कहूंगा : ममदानी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि वह अमेरिका की यात्रा पर आए ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय को कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ममदानी ने बुधवार को उनसे मुलाकात करने से पहले यह बात कही। महाराजा दलीप सिंह द्वारा 105.6 कैरेट का कोहिनूर हीरा 1849 में महारानी विक्टोरिया को भेंट किया गया था। इसे 1937 में महारानी ने अपने मुकुट में जड़वाया था। भारत ने भी संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन से कोहिनूर हीरे को वापस लाने के तरीकों का पता लगाना जारी रखेगा। कोहिनूर हीरा वर्तमान में लंदन टावर में रखा गया है।

हम वह नहीं कर पाए जिसके लिए मुंबई इंडियंस जानी जाती है। यह सीजन कुछ ऐसा ही रहा है। जब आपको एक-दो मौके मिलते हैं और आप उन्हें लपक लेते हैं, तभी किस्मत और लय बदलती है।
–हार्दिक पंड्या

स्टेडियम
मुरादाबाद, शुक्रवार, 1 मई 2026
अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स

समय - शाम 7:30 बजे

गुजरात टाइटंस ने आरसीबी को 155 रनों पर समेटा, रबाडा और होल्डर चमके

आईपीएल-2026 : पडिक्कल ने सर्वाधिक 40 और कोहली ने 28 रन बनाए

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत बृहस्पतिवार यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 19.2 ओवर में महज 155 रन पर समेट दिया। आरसीबी के लिए देवदत्त पडीक्कल 40 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि विराट कोहली ने 28 और कप्तान रजत पाटीदार ने 19 रन का योगदान दिया।

आरसीबी ने पिछले सत्र में इसी मैदान पर खिताब जीता था और वह 10 से ज्यादा के रन रेट से आगे बढ़ रही थी। कोहली पारी की अगुवाई कर रहे थे और उन्होंने तेज गेंदबाजी के अगुआ कागिसो रबाडा के पहले ही ओवर में लगातार पांच चौके जड़कर 21 रन ठोक दिए।

लेकिन कप्तान शुभमन गिल अपने मुख्य गेंदबाज पर भरोसा बनाए रखा और इस फैसले का उन्हें फायदा भी मिला। रबाडा (38 रन देकर एक विकेट) ने वापसी करते हुए कोहली (13 गेंद) को आउट कर दिया। इसके बाद आरसीबी के तेजी से विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हुआ और टीम ने बीच के ओवरों में लगातार विकेट गंवाए।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को समेटा और 22 रन देकर तीन विकेट झटके। आरसीबी का सात ओवर के बाद स्कोर दो विकेट पर 71 रन था लेकिन 10.3 ओवर में उसका स्कोर छह विकेट पर 96 रन हो गया। इस दौरान टीम ने रजत पाटीदार (19), जितेश शर्मा (01), टिम डेविड (09) और कृणाल पंड्या (04) के विकेट गंवाए। इनके बावजूद आरसीबी अपनी पूरी तरह से आक्रामक खेलने की रणनीति पर कायम रही। ऐसा लगा कि इसी वजह से टीम 20-30 अतिरिक्त रन बनाने से चूक गई और 19.2 ओवरों में ही ऑल आउट हो गई।

विकेटों के गिरने के सिलसिले के बीच पडिक्कल और रोमारियो शेफर्ड ने पारी को संभालने का प्रयास किया। लेकिन हमेशा भरोसेमंद रहने वाले राशिद खान (19 रन देकर दो विकेट) ने एक बेहतरीन गेंद डालकर पडिक्कल (24 गेंद) को बोल्ड कर दिया।

ऑलराउंडर जेसन होल्डर (29 रन देकर दो विकेट) का मैदान पर प्रदर्शन शानदार रहा, उन्होंने दो विकेट लेने के अलावा तीन शानदार कैच भी लपके। होल्डर ने सबसे पहले डीप स्क्वायर बाउंड्री के पास दौड़ते हुए एक शानदार कैच लपककर पाटीदार को आउट किया। रबाडा से लगभग टकराने के बावजूद उन्होंने हवा में उछलती गेंद को मजबूती से पकड़ लिया। इसके बाद उन्होंने जितेश को आउट किया और फिर शॉर्ट मिडविकेट पर दो बेहतरीन कैच लपककर डेविड और कृणाल को पवेलियन भेजा। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आरसीबी ने कोहली की शुरुआती तूफानी पारी के बाद जल्दी ही दो विकेट गंवा दिए। मोहम्मद सिराज (38 रन देकर एक विकेट) ने सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल (05) को आउट करके टीम को पहली सफलता दिलाई। कोहली और रबाडा के बीच का मुकाबला शुरुआत में ही जोरदार रहा। कोहली ने रबाडा की गेंदों पर लगातार पांच चौके जड़े। इसके बाद कोहली ने सिराज की गेंद पर मिड ऑन के ऊपर से एक छक्का जड़ा, और महज 10 गेंदों में ही 28 रन बना लिए। लेकिन अंत में रबाडा ने सटीक लाइन एंव लेंथ से कोहली को गलत टाइमिंग वाला पुल शॉट खेलने पर मजबूर कर दिया। कोहली जब गेंद पर आगे बढ़कर शॉट खेलने गए तो राशिद ने एक बेहतरीन कैच लपककर उन्हें आउट कर दिया।

विराट कोहली को आउट करने के बाद जश्न मनाते कागिसो रबाडा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

155/10 (19.2 ओवर)

जैकब बेथेल का राशिद बो सिराज	05
विराट कोहली का राशिद बो रबाडा	28
देवदत्त पडीक्कल बो राशिद	40
रजत पाटीदार का होल्डर बो अरशद	19
जितेश शर्मा का बटलर बो होल्डर	01
टिम डेविड का होल्डर बो राशिद	09
कृणाल पंड्या का होल्डर बो अरशद	04
रोमारियो शेफर्ड का सुदर्शन बो होल्डर	17
वेंकटेश अय्यर का सुदर्शन बो अरशद	12
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	15
जोश हेजलवुड रन आउट	00

अतिरिक्त : 05, **विकेट पतन** : 1-34, 2-35, 3-79, 4-80, 5-91, 6-96, 7-126, 8-126, 9-155

गेंदबाजी : सिराज 4-0-38-1, रबाडा 4-0-44-1, होल्डर 4-0-29-2, अरशद 3.2-0-22-3, राशिद 4-0-19-2

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	1.043
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	8	6	2	0	12	1.919
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
4.	राजस्थान रॉयल्स	9	6	3	0	12	0.617
5.	गुजरात टाइटंस	8	4	4	0	8	-0.475
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
7.	दिल्ली कैपिटल्स	8	3	5	0	6	-1.060
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	8	2	6	0	4	-0.784
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -425 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-414 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-400 रन

पर्पल कैप

- इशान मलिंगा हैदराबाद-15 विकेट
- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-14 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-14 विकेट

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच पोलार्ड की सलाह- बुमराह के पीछे न पड़ें

मुंबई। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज का भी कभी-कभी दिन खराब हो सकता है या उनका सत्र अच्छा नहीं जा सकता। उन्होंने भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने की अपील की जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में अपना तीसरा सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल डाला। बुमराह ने बुधवार को सनराइजर्स के खिलाफ चार ओवर में 54 रन लुटाए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। मुंबई इंडियन्स ने रेयान रिकेल्टन के नाबाद 123 रन की मदद से पांच विकेट पर 243 रन बनाए लेकिन सनराइजर्स ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 249 रन बनाकर जीत हासिल की। जब संवाददाताओं ने बुमराह की मौजूदा आईपीएल में गेंदबाजी पर सवाल किए तो पोलार्ड ने कहाजब कोई क्रिकेटर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा होता है तो हम हर उस पहलू पर गौर करते हैं कि वह अच्छा क्यों नहीं कर रहा है और जसप्रीत बुमराह के मामले में भी कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कहा उन्होंने वर्षों से ऐसा किया है। एक इंसान होने के नाते आपको भी गलतियां करने, दिन खराब होने, सत्र खराब होने या कुछ महीने खराब जाने का हक है। मुझे बस लगता है कि हमें कभी-कभी उन अच्छी चीजों को याद रखना चाहिए जो उन्होंने की हैं। पोलार्ड ने कहा हां, हम वर्तमान में जीने की कोशिश करते हैं और वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन वह लंबे समय से मुंबई इंडियन्स और भारत के लिए नंबर एक गेंदबाज रहे हैं। कभी-कभी हम क्रिकेटरों को थोड़ी राहत दे सकते हैं क्योंकि हमारी बदकिस्मती है कि हम हमेशा लोगों की नजरों में रहते हैं इसलिए जब हम खराब प्रदर्शन करते हैं तो हमेशा उछाला जाता है। पोलार्ड ने कहा कि इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज को थोड़ी राहत देने से उन्हें लंबे समय में फायदा भी हो सकता है।

हाईलाइट

विश्व टीम टेबल टेनिस में भारत ने स्लोवाकिया को हराया

लंदन। भारत की पुरुष टीम ने यहां आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के रोमांचक ग्रुप सात मुकाबले में वापसी करते हुए स्लोवाकिया को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ग्रुप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया और ग्वाटेमाला के खिलाफ अगले मुकाबले से पहले अपनी स्थिति मजबूत कर ली। स्लोवाकिया के खिलाफ मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा लेकिन अंत में भारत ने दबाव में धैर्य और दृढ़ता दिखाते हुए जीत हासिल की। स्लोवाकिया ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली जब दुनिया के 149वें नंबर के खिलाड़ी लुबोमीर पिस्टेज ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 51वीं रैंकिंग वाले मानुष शाह को पांच गेम में 11-8, 5-11, 8-11, 11-5, 11-6 से हरा दिया।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भाग लेगा 56 सदस्यीय दल

नई दिल्ली। भारत का 56 सदस्यीय मुक्केबाजी दल शुक्रवार से उज्बेकिस्तान के ताशकंद में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप 2026 में अपना अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत इस प्रतिष्ठित आयु-वर्ग टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में एक मजबूत और संतुलित टीम के साथ उतर रहा है। भारतीय अंडर-17 टीमों में लड़कों और लड़कियों, दोनों ही वर्गों में 13-13 मुक्केबाज़ शामिल होंगे। ये मुक्केबाज 44-46 किग्रा से लेकर +80 किग्रा तक के अलग वजन वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक टीम के साथ चार कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट भी होगा।

मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे यानिक सिनर

मैड्रिड। दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी यानिक सिनर मैड्रिड ओपन में राफेल जोडार को 6-2, 7-6 (0) से हराकर के अपने पहले सेमीफाइनल पहुंचे। मैड्रिड में जन्मे जोडार हाल ही में कोंडे डी गोडो (बार्सिलोना ओपन) के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट के सरप्राइज पैकेज में से एक रहे हैं, और उन्हें काजा मैजिका में घरेलू मैदान पर मजबूत सपोर्ट मिला। जोडार ने सिनर के खिलाफ सात ब्रेक पॉइंट बनाए, लेकिन इटैलियन खिलाड़ी ने एक घंटे, 55 मिनट की जीत में उन सभी को बचा लिया, जिससे बुधवार को उनकी जीत का सिलसिला 21 मैचों तक पहुंच गया। बाद में पुरुषों के एक और क्वार्टर फाइनल में, फ्रांस के आर्थर फिल्स ने चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को 6-3, 6-4 से हराकर सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई।

ई-सिगरेट मामले में पराग पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर बृहस्पतिवार को मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन पर यह जुर्माना मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान कैमरे पर वेपिंग (ई-सिगरेट) करते पकड़े जाने के बाद खेल की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप में लगाया गया।

मंगलवार रात रॉयल्स की पारी के दौरान पराग के इस काम की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। पीटीआई को पता चला है कि मैदानी अंपायर तन्मय श्रीवास्तव और नितिन मेनन ने मैच खत्म होने के तुरंत बाद मैच रेफरी अमित शर्मा को इस मामले की शिकायत नहीं की थी। उन्होंने ऐसा तब किया जब उन्होंने इसका वीडियो सबूत देखा। इसके बाद शर्मा ने आईपीएल के नियमों के अनुसार आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए पराग को दोषी पाया। लेवल एक के अपराधों के लिए मैच फीस में से 25 प्रतिशत की कटौती और एक डिमेरिट अंक का प्रावधान है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, रियान ने अपराध और मैच रेफरी अमित शर्मा द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया है।बयान के अनुसार आईपीएल की साख को बनाए रखने के लिए बीसीसीआई गलती करने वाली टीम, उसके अधिकारियों और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए दूसरे विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।

जब पीटीआई ने बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया से राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ संभावित कार्रवाई के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा जैसा कि बयान में साफ-साफ लिखा है हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि टीम के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाए। अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। भारत सरकार ने 2019 में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके तहत इनका उत्पादन, बिक्री और वितरण पूरी तरह से वर्जित है। कानून के अनुसार पहली बार अपराध करने पर दोषी को एक साल तक की जेल और/या एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

आईपीएल की आचार संहिता के नियम 2.21 में कहा गया है कि यह नियम उन सभी प्रकार के आचरणों को अपने दायरे में लाने के लिए बनाया गया है जिनसे खेल की छवि को नुकसान पहुंचता है और जिनका उल्लेख आचार संहिता में कहीं और (विशेष रूप से नियम 2.20 में) स्पष्ट रूप से नहीं किया गया है।

दिल्ली को अपने प्रदर्शन में निरंतरता की जरूरत

- मजबूत राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबला आज

जयपुर, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के पास पिछले कुछ मैच के निराशाजनक नतीजों पर विचार के लिए अधिक समय नहीं है क्योंकि टीम को शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में आत्मविश्वास से भरी राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली की टीम के लिए यह सत्र काफी मुश्किलों भरा रहा है। पिछले दो मैच में टीम के प्रदर्शन में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक तरफ उन्होंने 250 से अधिक का स्कोर बनाया लेकिन विरोधी टीम ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए उस लक्ष्य को हासिल कर लिया वहीं दूसरी तरफ वे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ सिर्फ 75 रन पर ऑल आउट हो गए। इसके अलावा इस महीने की शुरुआत में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली एक रन की हार ने दिल्ली को भावनात्मक रूप से काफी चोट पहुंचाई है। तीन जीत और चार हार के साथ वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर हैं और उन्हें जल्द ही अपने प्रदर्शन में सुधार की जरूरत है।

अभ्यास सत्र के दौरान चर्चा करते राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, बैटिंग कोच विक्रम राठौर और हेड कोच कुमार संगकारा। एजेंसी

राजस्थान का शीर्ष क्रम है बहुत खतरनाक

राजस्थान का शीर्ष क्रम काफी आक्रामक रहा है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बिना किसी डर के जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों का शुरू से ही डटकर सामना किया है तो वहीं यशस्वी जायसवाल भी बेहतरीन लय में नजर आ रहे हैं। अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज राजस्थान रॉयल्स की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस मैच में उतर रही है। हाल ही में उन्होंने पंजाब किंग्स को इस सत्र की पहली हार का स्वाद चखाया था। यह नौ मैच में टीम की छठी जीत थी। राजस्थान के लिए एक और सकारात्मक बात यह है कि धीमी शुरुआत के बाद अब उनका मध्य क्रम भी लय में लौट आया है। इससे उन्हें अधिक संतुलन मिलता है और पूरी पारी में उन्हें रोकना कठिन हो जाता है ।दबाव में चल रहे दिल्ली के आक्रमण के खिलाफ राजस्थान की टीम एक बार अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी ।दिल्ली के लिए चीजें साफ हैं। बल्लेबाजों को व्यक्तिगत प्रयासों पर निर्भर रहने के बजाय संपूर्ण प्रदर्शन करने की जरूरत है। स्टार्क की वापसी के साथ गेंदबाजों को रन गति पर अंकुश लगाने के तरीके खोजने होंगे, विशेषकर आक्रामक शीर्ष क्रम के खिलाफ।

टीम

राजस्थान रॉयल्स : शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

मुरलीधरन की चिंता

श्रीलंका के महान स्पिनर ने कहा-कम उम्र से हुनर न सीखना बड़ी वजह

गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे स्पिनर

मुंबई, एजेंसी

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्होंने कम उम्र से ही यह हुनर नहीं सीखा है और टूर्नामेंट के दौरान इस कला को सीखना मुमकिन नहीं है। मुरलीधरन ने कहा कि आजकल स्पिन गेंदबाज गेंद को टर्न कराने और बल्लेबाजों को सोचने पर मजबूर करने की कला नहीं सीखते क्योंकि उनका ध्यान सिर्फ विविधता के जरिए रन रोकने पर रहता है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की छह विकेट की जीत के बाद मुरलीधरन ने कहा घरेलू क्रिकेट में भी स्पिन गेंदबाजों के लिए हालात ऐसे ही रहे हैं। जब हम क्रिकेट खेलते थे तो एक स्पिनर के तौर पर आपको गेंद को टर्न कराना होता था, यही आपका पहला मकसद होता था। आजकल यह मुख्य बात नहीं रही क्योंकि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में नहीं सोच रहा है। वे वनडे क्रिकेट खेलने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कम उम्र में भी वे सिर्फ तेज गेंदबाजी करने और गेंद में विविधता लाने की कोशिश करते हैं, उसे टर्न कराने की नहीं। उन्हें कम उम्र में यह काबिलियत नहीं मिली होती इसलिए वे 18 या 19 साल की उम्र में आकर गेंद को टर्न कराने की कोशिश नहीं कर सकते क्योंकि उनकी मसल मेमोरी पहले से ही वैसी बन चुकी होती हैं।

मुरलीधरन ने कहा जब आप 10, 11 या 12 साल के होते हैं तब गेंद को टर्न कराने की कोशिश करें। हमने इसी तरह सीखा था। बल्लेबाज को छकाने के लिए हमें गेंद को टर्न कराना जरूरी होता है। मुरलीधरन ने कहा कि आईपीएल में स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजी करना थ्रो-डाउन विशेषज्ञों' के खिलाफ अभ्यास करने जैसा है क्योंकि इसमें बस गेंद की लाइन में आकर उसे जोर से मारना होता है। जब उनसे पूछा गया कि वह और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न बल्लेबाजों के अनुकूल हालात में कैसे खेलते तो मुरलीधरन ने कहा कि वे इतने महंगे साबित नहीं होते। मुरलीधरन ने कहा देखिए हम गेंद को टर्न तो जरूर कराते लेकिन हम कोई बड़ा असर नहीं डाल पाते। शायद हम एक या दो विकेट ही ले पाते। वे (फिर भी) हमारे खिलाफ आसानी से 40 रन बना लेते क्योंकि विकेट इतने अच्छे होते हैं।

उन्होंने कहा शेन वॉर्न भी एक कमाल के खिलाड़ी थे क्योंकि वह गेंद को घुमा सकते थे और चमत्कार कर सकते थे। (लेकिन) खेल अब बदल गया है। हम अलग-अलग दौर की तुलना नहीं कर सकते। जिस तरह से खिलाड़ी बल्लेबाजी करते हैं, खिलाड़ियों की मानसिकता... ये वो चीजें हैं जो बदल गई हैं।

निष्पक्ष विकेट बनाने पर दिया जोर

मुरलीधरन ने कहा कि बल्ले और गेंद के बीच मुकाबले में संतुलन बनाने का एकमात्र तरीका निष्पक्ष विकेट (जिनसे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को समान मदद मिले) तैयार करना है। उन्होंने कहा अगर हम निष्पक्ष विकेट दे सकें, लेकिन फिर दर्शक ऊबने लगेंगे। क्रिकेट प्रेमी और बहुत कम उम्र के क्रिकेटर, टी20 के चाहने वाले बहुत अधिक मनोरंजन चाहते हैं। वे चौके और छक्के देखना चाहते हैं इसलिए इस टूर्नामेंट को इसी तरह से तैयार किया गया है और एक अतिरिक्त खिलाड़ी को बल्लेबाजी के लिए उतारा जाता है जिससे कि टीम को कम स्कोर पर आउट होने से बचाया जा सके। मुरलीधरन ने कहा यह एक मनोरंजन है।

क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की मजबूत टीम से आज भिड़ेगा भारत

होर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी

थॉमस कप फाइनल्स

भारत थॉमस कप फाइनल्स के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा।

भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। ग्रुप सी में शीर्ष पर रही चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुवाई दुनिया के नंबर छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं। उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं। मौजूदा समय के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक चुन-यी ने पिछले महीने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में लक्ष्य सेन को हराकर खिताब जीता था। टीम में 2025 ऑल इंग्लैंड के उपविजेता चिया हाओ ली भी शामिल हैं। युगल में ताइपे के पास चिउ सियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।